'माता नाच रही हैं...'ममता कुलकर्णी का बदला अवतार देख फैंस ने किए सवाल, 90s के गानों पर डांस करती आई नजर

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 25
न्यूनतम - 23

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 269 RNI NO.43285/85 • संस्करण- नगर • मुजफ्फरनगर सोमवार 28 सितम्बर 2026 • भाद्रपद शुक्ल 16 विक्रमी संवत • पृष्ठ 12 • मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

छात्रा से रेप का आरोप, यूनिवर्सिटी में लगा दी आग

पंजाब की एलपीयू यूनिवर्सिटी में छात्रों ने मचाया बवाल

फगवाड़ा/जालंधर (एजेंसी)। पंजाब की फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शनिवार रात शुरू हुआ हंगामा रविवार को भी जारी है। छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी की एक छात्रा से रेप हुआ, जिसके बाद उसने आत्महत्या कर ली। सोशल मीडिया पर यह मैसेज शनिवार रात वायरल होने के बाद हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए। छात्रों ने कैंपस में तोड़फोड़ की और एक

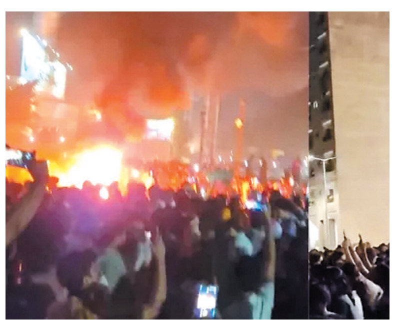

हिस्से में आग लगा दी। इसके बाद दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे पर धरना देकर ट्रैफिक जाम कर दिया। पुलिस ने पहले कहा कि जांच में रेप का कोई मामला सामने नहीं आया है। मामला बढ़ता देख एफआईआर की गई। डीजीपी नवीन सिंगला ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के अलावा जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है, जिसमें 5 सदस्य स्टूडेंट्स हैं। इसके बावजूद स्टूडेंट्स धरना दे रहे हैं। वे आरोपी की गिरफ्तारी समेत अपनी 5 मांगें पूरी कराने पर अड़े हुए हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने रेप के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उसने स्टूडेंट्स से अपील की है कि वे अफवाह पर ध्यान न दें। यूनिवर्सिटी भाजपा के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल की है।

आज मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाएंगे थलपति विजय

पूजा-अर्चना के लिए घोषणा-पत्र पर करने पड़ सकते हैं हस्ताक्षर

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय के पद संभालने के बाद अपनी पहली यात्रा के दौरान कल 28 सितंबर को मीनाक्षी अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना करने की संभावना है। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि मंदिर के गर्भगृह में जाने से पहले उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था की पुष्टि करते हुए एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा जा सकता है। मंदिर जाने का

कार्यक्रम शाम 4 बजे का है, जब वे सरकारी राजाजी अस्पताल में नवजात शिशुओं के लिए एक योजना शुरू करेंगे और नए रूप में तैयार गांधी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम में केवल अस्पताल और संग्रहालय के कार्यक्रम ही शामिल हैं और मंदिर जाने का फैसला विजय पर निर्भर करेगा। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि देवी और भगवान सुंदरेश्वर के गर्भगृह में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति है। उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें गैर-हिंदुओं को घोषणा पत्र देने के बाद पूजा करने की अनुमति दी गई है।

मणिपुर में संकट बरकरार नहीं थम रही है जातीय हिंसा

- सेनापति जिले में दो नगा युवकों की गोली मारकर हत्या, दो अन्य घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के सेनापति जिले के कालेन्जांग गांव में शनिवार दोपहर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दो नगा युवकों की हत्या कर दी, जबकि इस हिंसक घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पिछले कुछ महीनों से नगा और कुकू समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष में यह एक और खूनी अध्याय जुड़ गया है। फरवरी से शुरू हुए इस आपसी संघर्ष में अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

लगातार बढ़ रहा है मौतों का आंकड़ा

गौरतलब है कि कालेन्जांग और पिलोंग की ये हत्याएं उन झड़पों का हिस्सा हैं जो फरवरी में नई सरकार के कार्यभार संभालने के तुरंत बाद शुरू हुई थीं। खासकर 27 अगस्त के बाद से राज्य में हिंसा काफी बढ़ गई है, जिसमें 11 नगा और 10 कुकी अपनी जान गंवा चुके हैं।

हर साल 29 लाख से ज्यादा कमाता है उत्तरप्रदेश का यह किसान

पीली, लाल शिमला मिर्च से लेकर गुलाब के फूलों तक की खेती

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। इंडिया एक्सपो मार्ट में इस समय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो चल रहा है। यहां मेरठ की खेती और कृषि पर आधारित उद्यमिता लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उद्यान विभाग के आउटलेट पर मेरठ के किसानों की पॉलीहाउस में तैयार फसल, फूल और शहद के उत्पादों को देखकर देश-विदेश से आए खरीदार जानकारी ले रहे हैं। जरबेरा और गुलाब के फूलों के साथ कमल ककड़ी, शिमला मिर्च और बैंगन जैसी फसलों ने लोगों का ध्यान खींचा है। खास बात यह है कि प्रदर्शनी में उत्पादों के प्रदर्शन के साथ किसानों को नए बाजार और कारोबार के अवसर भी मिल रहे हैं। सरधना तहसील के खेड़ा गांव निवासी किसान रविन्द्र कुमार पांच एकड़ खेत में पॉलीहाउस के माध्यम से फल और सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर उन्होंने संरक्षित खेती को अपनाया। इससे उनके कृषि कारोबार का सालाना आंकड़ा 29 लाख रुपये से अधिक पहुंच गया है। उनके पॉलीहाउस में 300 से 400 ग्राम तक वजन वाली पीली, हरी और लाल शिमला मिर्च तैयार हो रही है। इस फसल की दिल्ली की आजादपुर मंडी में बहुत मांग है।

ट्रेड शो ने बढ़ाई फूलों की मांग कंपनियों ने संपर्क किया

रविन्द्र कुमार ने बताया कि वह पिछले साल भी ट्रेड शो में शामिल हुए थे। प्रदर्शनी में अपने उत्पादों को बाजार और खरीदारों के सामने रखने से उन्हें नई पहचान मिली। इस बार भी कई इवेंट कंपनियों ने जरबेरा और गुलाब के फूलों की आपूर्ति के लिए उनसे संपर्क किया है। कुछ कंपनियों की ओर से समझौता ज्ञापन (एमओयू) के लिए भी बातचीत की गई है। यूपी के उद्यान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने भी उद्यान विभाग के आउटलेट का निरीक्षण कर किसानों के उत्पाद देखे और उनका उत्साहवर्धन किया। आउटलेट पर मेरठ की फसलों के साथ कृषि से जुड़े अन्य उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं। मेरठ के रेनट्रॉव नैचुरल के शहद उत्पाद भी लोगों की रुचि का केंद्र बने हुए हैं। युवा उद्यमी राखी अघेरा और उनके भाई भारत अघेरा ने बताया कि पिछले वर्ष उनकी कंपनी को इंडोनेशिया, मलेशिया और वियतनाम से 46 टन शहद का आर्डर मिला था। ट्रेड शो में इस बार भी उन्हें नए कारोबार और बेहतर आर्डर मिलने की उम्मीद है। आउटलेट की व्यवस्था में लगे वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक संजय सिंह ने कहा कि मेरठ के किसानों और कृषि उद्यमियों के लिए ट्रेड शो केवल उत्पादों के प्रदर्शन का मंच नहीं, बल्कि सीधे खरीदारों और कारोबारी संस्थानों से संपर्क का अवसर भी बन रहा है। पॉलीहाउस की सब्जियों और फूलों से लेकर शहद तक, मेरठ नाम कमा रहा है।

भारी बारिश से यूपी-बिहार में 'हाहाकार'

- यूपी में 70 घंटे से आंधी-बारिश, बिहार में 500 घर डूबे
- उत्तराखंड में गंगा खतरे के निशान के ऊपर, लोगों में डर का माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के सभी जिलों में कल से भारी बारिश हो रही है। ऋषिकेश में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार पहुंच गई है और घाटों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड हुई है। इससे करीब 4 हजार श्रद्धालु फंस गए हैं। वहीं यूपी के लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या और जौनपुर समेत 45 शहरों में 70 घंटे से बारिश हो रही है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं।

पिथौरागढ़-नैनीताल में हाईवे पर गिर रहे बोल्डर

उत्तराखंड में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार पहुंच गई है और घाटों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। चारधाम बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। वहीं, रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सिरोबगड़ के पास लैंडस्लाइड हुई है। यात्रा मार्ग पर करीब 4 हजार श्रद्धालु फंसे हैं। पहाड़ी से लगातार लैंडस्लाइड होने के कारण मार्ग खोलने में दिक्कत आ रही है। खराब मौसम को देखते हुए आज केदारनाथ यात्रा पर रोक लगाई गई है। केदारनाथ में हेली सेवाएं भी बंद हैं।

यूपी में पंप से निकाल रहे एक्सप्रेसवे पर भरा पानी

यूपी में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। करीब 70 घंटे तक हुई बारिश से शहर से लेकर गांव तक पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर सोनिक टोल प्लाजा के पास 2-3 फीट जलभराव हो गया। पंप की मदद से पानी को एक्सप्रेसवे से बाहर निकाला जा रहा है। लखनऊ में लखनऊ में इकाना स्टेडियम के पास सड़क धंस गई। चौराहों पर पानी भर गया। बख्शी का तालाब इलाके में खेत जलमग्न हो गए। फसलें गिरकर डूब गईं। आंधी-बारिश से प्रदेश में 2 दिन में 62 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल बारिश थमी है।

2 दिनों में 62 लोगों ने गंवाई जान

आंधी-बारिश की वजह से 2 दिनों में 62 लोगों की मौत हो चुकी है। किसानों की सैकड़ों बीघा फसलें बर्बाद हो गई हैं। हजारों पेड़ और बिजली के पोल उखड़कर गिर गए हैं। बिहार में साइक्लोन अर्नब का असर अब कमजोर पड़ गया है। राज्य में पिछले 72 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। नेपाल के तराई क्षेत्र में हो रही बारिश के चलते गंडक और कोसी नदियां उफान पर हैं। इससे 17 जिलों के करीब 6 हजार गांव टापू बन गए हैं, जबकि करीब 500 घर बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं।

सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखाई भारत की नीति

पीएम बोले-आतंकियों को छोड़ेंगे नहीं, देंगे करारा जवाब

मोदी ने मन की बात में ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात के 138वें एपिसोड में कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। आतंकवादी अगर भारत की तरफ आंख उठाकर देखेंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने वाले हैं। भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। भारतीय जवानों की इस कार्रवाई को देखकर दुनिया हैरान रह गई थी। प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने बार-बार साफ संदेश दिया है।

- **जनगणना को बताया राष्ट्रीय दायित्व-** पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपनी और परिवार की जानकारी खुद ऑनलाइन दर्ज करने की अपील की। मोबाइल से यह प्रक्रिया आसानी से पूरी की जा सकती है। मोदी ने बताया कि जनगणना का पहला चरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से ज्यादा परिवारों का डेटा भी दर्ज किया जा चुका है। पीएम मोदी ने 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने जीवन के कई मंत्र दिए, जिनमें स्वच्छता भी शामिल है।

शाह ने देश की पहली एलएनजी ट्रेन को दिखाई हरी-झंडी

- बड़ी उपलब्धि, टैंक फुल होने पर 2200 किमी तक चलेगी
- एलएनजी और डीजल के बीच स्विच कर सकेगा इसका इंजन

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात में 1,542 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भारत की पहली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) से चलने वाली ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2015-16 में रेलवे ने 293 करोड़ लीटर डीजल की खपत की। यह आंकड़ा 2024-25 में घटकर 108 करोड़ लीटर रह गया है और 2030 तक हम इसे शून्य तक ले आएंगे, जिससे भारतीय मुद्रा की बचत होगी। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिस पर अक्सर ध्यान नहीं जाता। उन्होंने आगे कहा कि यह ट्रेन पर्यावरण संबंधी चिंताओं का समाधान करती है, यात्रियों की सुविधा बढ़ाती है और सुरक्षा को मजबूत करती है। यह ट्रेन पूरी तरह से एलएनजी बेस्ड होगी। हालांकि, इसका इंजन एलएनजी और डीजल दोनों पर चल सकता है। यानी कि फ्यूल की मात्रा के हिसाब से इंजन चलेगा।

2,000 किमी से ज्यादा का फील्ड ट्रायल रहा सफल- इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 1400 एचपी क्षमता वाले दो ड्राइविंग पावर कार को एलएनजी ड्यूल-फ्यूल प्रणाली में ट्रांसफॉर्म किया गया है। ट्रेन का 2,000 किलोमीटर से अधिक का सफल फील्ड ट्रायल पूरा किया जा चुका है। गुजरात के मेहसाणा और साबरमती के बीच करीब 8 महीनों तक ट्रेन का ट्रायल हुआ। आने वाले समय में 8 से 10 और ट्रेनों में एलएनजी तकनीक को अपनाने की योजना है। अहमदाबाद के डीआरएम ने भी बात रखी।

700 करोड़ की लागत से नया लोकोमोटिव शेड

साबरमती में करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड बनाया गया है। यहां करीब 12,000 एचपी क्षमता वाले 300 डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक मालगाड़ी इंजनों के रखरखाव की सुविधा होगी। ये इंजन भारी और लंबी मालगाड़ियों को चलाने के लिए तैयार किए गए हैं। करीब 313.27 करोड़ रुपये की लागत से साबरमती-सारखेज रेल लाइन के 21 किलोमीटर हिस्से को डबल करने का काम भी किया जाएगा। इसे मार्च 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

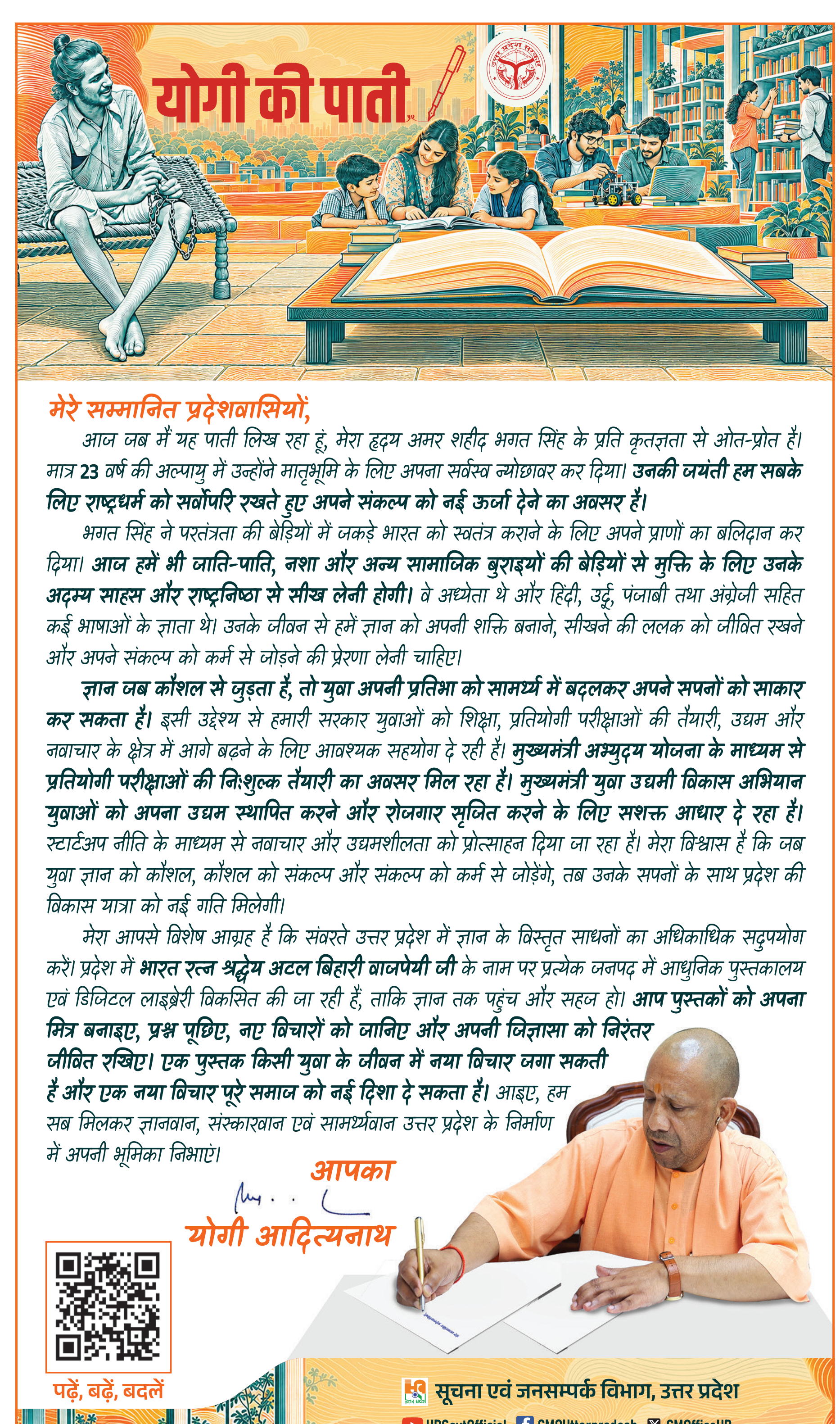

अनमोल वचन

आत्मा की शुद्धता और मन की शांति के लिए प्रभु की उपासना बहुत आवश्यक है। जो नियमानुसार निष्काम भाव से, श्रद्धापूर्वक इस प्रकार करनी चाहिए जैसे एक अबोध बालक अपने माता-पिता की गोद में बैठकर शांति एवं सुख का अनुभव करता है। हम प्रतिदिन अग्निस्वरूप परमात्मा के समक्ष नम्रतापूर्वक बैठें और उनकी उपासना करें। उपास्य का स्वभाव है कि वह उपासक को भी अपने जैसा बना देता है। इसलिए उपासक को अपने आचरण में सुधार कर दुगुर्णों का त्याग करना चाहिए। अपकारी तथा निंदक के प्रति भी अपकार का भाव मन में नहीं लाना चाहिए। इसमें निर्भीकता, अक्रोध तथा स्वाभिमान के गुण आने चाहिए। उपासना के लिए विषय-वासनाओं के विकार दूर कर पहले मन को शुद्ध करना आवश्यक है। मन की पवित्रता हमारे सारे दुगुर्णों को दूर कर ईश्वर के गुणों को स्वतः ही उपासक में समावेश कर देती है। ऐसी अनुभूति होती है जिसे छोड़ने का मन ही नहीं होता। यही तो सच्चा आनंद है जिसका शब्दों में वर्णन करना असंभव है।

भाजपा जिला कार्यालय पर नवनियुक्त जिला प्रभारी हरिओम शर्मा का जोरदार स्वागत

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर शनिवार को नवनियुक्त जिला प्रभारी हरिओम शर्मा का प्रथम आगमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी के नेतृत्व में सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने नवनियुक्त जिला प्रभारी हरिओम शर्मा का जोरदार स्वागत किया। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजू अहलावत ने नवनियुक्त जिला प्रभारी हरिओम शर्मा का हल भेंट कर स्वागत किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि जिला प्रभारी हरिओम शर्मा ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा की। उन्होंने अभियान के संयोजक एवं सह संयोजकों से कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए हरिओम शर्मा ने कहा कि भाजपा एक ऐसा राजनीतिक संगठन है, जिसमें एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और समर्पण के बल पर जिलाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के दायित्व तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान किया जाता है और सभी कार्यकताओं को संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी व संचालन शरद शर्मा ने किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने भी बैठक में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, पूर्व विधायक अशोक कंसल, उमेश मलिक, प्रमोद उटवाल, विक्रम सैनी, जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष देवव्रत त्यागी, रामकुमार सहरावत, यशपाल पंवार, सुरेंद्र देव शर्मा, सपना कश्यप, नितिन मलिक, विशाल गर्ग, विजय प्रजापति, अंजली चौधरी, ओमपाल तोमर, सचिन पावटी, श्वेता कौशिक, शरद शर्मा, सुनील दर्शन, संजय गर्ग, प्रमेश सैनी, प्रवीण खेडा, रविकान्त पाल, जोगेन्द्र गुर्जर, ममता अग्रवाल, अनुज सहारावत, सुरेन्द्र कश्यप, दिनेश पुंडीर, विनीत चौहान, विजय वर्मा, आदेश गोतम, अमरजीत गुर्जर, रक्षित नामदेव, लवी विकल, पुरोहित उटवाल, अरुण शर्मा, पंकज महेश्वरी, कार्तिक काकरान, विकास खटीक, यशवीर सिंह, सलीम अहमद, अजय सागर, सुंदर पाल तथा सर्वेश कुमार उर्फ पिंटू त्यागी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान संगठनात्मक दायित्वों को लेकर भी चर्चा हुई। जिला पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला प्रभारी को आगामी कार्यक्रमों और संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

शादीशुदा होने की बात छिपाकर महिला से शादी, लाखों रुपये हड़पने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मेट्रोमोनियल साइट के जरिए हुई थी मुलाकात, पीड़िता का आरोप–पहले से दो पत्नियां होने की जानकारी छिपाकर बनाए संबंध, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। मैट्रिमोनियल साइट के जरिए एक महिला से संपर्क कर खुद को अविवाहित बताकर हिंदू रीति-रिवाज से शादी करने, शादी के बाद उसके खाते से 10 लाख रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर कराने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने नामेश मिश्रा समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने अपनी पूर्व की शादियों और वैवाहिक स्थिति को छिपाकर महिला को विश्वास में लिया था। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद उसे पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा था और अन्य महिलाओं के साथ भी उसके संबंध हैं।

जीवनसाथी डॉट कॉम से हुई थी जान-पहचान

शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2018 में मैट्रिमोनियल साइट जीवनसाथी डॉट कॉम के माध्यम से नामेश मिश्रा पुत्र रुद्र प्रसाद मिश्रा मूल निवासी भरतपुरी लक्ष्मण पुरी जनपद बांदा व ग्राम बगरेही थाना मानिकपुर जनपद चित्रकूट हाल पता फ्लैट नंबर कुटे रिवर व्यू सोसायटी चिखली नियर ताल मंदिर पिंपरी चिंचवड पुणे महाराष्ट्र से संपर्क हुआ था। आरोप है कि नामेश ने अपनी प्रोफाइल में स्वयं को ऐसा व्यक्ति बताया था जिसकी पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। उसने यह भी बताया कि उसके माता-पिता की वर्ष 2008 में ट्रेन दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है और उसके चाचा-ताऊ ने उसे घर से निकाल दिया है। आरोपी ने स्वयं को अनाथ बताते हुए शादी में परिवार का कोई व्यक्ति शामिल नहीं होने की बात कही थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने अपने कारोबार और सामाजिक स्थिति के संबंध में भी जानकारी दी थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और परिवार के लोगों को विश्वास में लेकर 12 दिसंबर 2018 को मुजफ्फरनगर स्थित घर पर हिंदू रीति-रिवाज के

अनुसार शादी हुई। शिकायतकर्ता का कहना है कि शादी के दौरान परिवार और रिश्तेदार भी मौजूद थे और शादी की तस्वीरें उसके पास मौजूद हैं।

शादी के बाद शुरू हुआ पैसों का लेनदेन

आरोप है कि शादी के शुरूआती दिनों में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में नामेश मिश्रा ने पैसे की मांग शुरू कर दी। शिकायत के मुताबिक, वह व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण और क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड से संबंधित जानकारी और ओटीपी लेकर महिला के खातों से रकम अपने खातों में ट्रांसफर करता रहा। पैसे की जरूरत होने पर वह पुणे से मुजफ्फरनगर आता और रकम लेने के बाद वापस चला जाता था। महिला का आरोप है कि रकम देने से इनकार करने पर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी तथा जान से मारने की धमकी दी जाती थी। शिकायत में दावा किया गया है कि शादी के बाद से अब तक आरोपी उसके खाते से 10 लाख रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर करा चुका है।

पहले पति से हुए बेटे के साथ मारपीट का आरोप

शिकायत में यह भी गंभीर आरोप लगाया गया है कि महिला के पहले पति से हुए पुत्र के साथ भी आरोपी कथित रूप से मारपीट करता था। महिला का कहना है कि जब वह घर पर मौजूद नहीं होती थी, तब उसके बेटे के साथ मारपीट की जाती थी और उसे जान से मारने की कोशिश किए जाने का भी आरोप है। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी उसे अपने साथ पुणे में रखना नहीं चाहता था। एक बार जब वह पुणे गई तो कथित तौर पर उसे होटल में ठहराया गया और बाद में ट्रेन से वापस भेज दिया गया।

सड़क दुर्घटना के बाद भी नहीं पहुंचा देखने

शिकायत में बताया गया कि 29 नवंबर 2024 को सेक्टर-63 नोएडा के पास सड़क दुर्घटना में महिला के पैर में गंभीर चोट आई थी। इसके बाद वह मुजफ्फरनगर स्थित अपने घर पर रहकर उपचार कराती रही। आरोप है कि इस दौरान पति न तो उसे देखने आया और न ही इलाज के लिए आर्थिक मदद की। परिवार के लोगों ने उसका इलाज कराया और उसकी देखभाल की। इसी दौरान पति के व्यवहार को लेकर महिला को शक हुआ और उसने उसके बारे में जानकारी जुटानी शुरू की।

दूसरी महिला ने फोन कर खुद को नामेश की पत्नी बताया

शिकायत के अनुसार, 19 सितंबर 2024 को एक महिला ने उसकी मां के मोबाइल नंबर पर फोन किया। महिला ने अपना नाम श्वेता मिश्रा बताते हुए कथित तौर पर कहा कि वह नामेश मिश्रा की पत्नी है और वर्ष 2015 में उससे शादी हुई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि श्वेता वर्तमान में पुणे में नामेश के साथ रह रही थी। शिकायत में सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप के माध्यम से मिली जानकारी का भी उल्लेख किया गया है।

खतौली में मुशायरे पर उठा विवाद: आयोजकों ने जताया खेद, सौहार्द की अपील

कार्यक्रम के दौरान अव्यवस्थाओं को लेकर उठाए गये थे सवाल

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बा खतौली में संपन्न हुए 'ऑल इंडिया मुशायरा' के दौरान व्यवस्थाओं को लेकर उत्पन्न हुए विवाद को शांत करने के उद्देश्य से रविवार को आयोजक मंडल ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। वार्ता के दौरान आयोजकों ने कार्यक्रम की सफलता के लिए क्षेत्रवासियों, श्रोताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही, कार्यक्रम के दौरान असम्मान महसूस कर नाराज होकर चले गए स्थानीय सभासदों व अतिथियों से अनजाने में हुई भूल के लिए औपचारिक रूप से क्षमा मांगी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं सभासद असद खान ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि मुशायरे में किसी भी जनप्रतिनिधि, अतिथि या स्थानीय नागरिक का अपमान करना आयोजकों की मंशा कदापि नहीं थी। मुख्य संयोजक असद खान ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर आयोजित कार्यक्रम में व्यवस्थाओं का भारी दबाव रहता है। यदि अनजाने में किसी जनप्रतिनिधि या अतिथि को अपेक्षित सम्मान न मिल पाया हो या

कोई व्यवस्थागत चूक हुई हो, तो इसके लिए पूरा आयोजक मंडल हृदय से क्षमा प्रार्थी है।

साहित्य और संस्कृति से जुड़ा है मुशायराः परवेज गाजी

कार्यक्रम के संचालक परवेज गाजी ने कहा कि ऑल इंडिया मुशायरा किसी एक वर्ग या समूह का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से साहित्य और साझा संस्कृति से जुड़ा आयोजन है। उन्होंने बताया कि मंच पर देश के नामचीन शायरों के साथ-साथ बड़ी संख्या में अतिथियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी थी। अति व्यस्तता और मंच की मयार्दा के कारण सभी का एक साथ यथोचित सम्मान करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं हो पाता, जिसे अन्यथा नहीं लिया जाना चाहिए।

क्षेत्रवासियों का आभार और सौहार्द की अपील

प्रेस वार्ता में मौजूद सभासद सोनू फरीदी ने भी मुशायरे के सफल आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी और उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार जताया। आयोजक मंडल ने संयुक्त रूप से कहा कि इस मुशायरे का मुख्य उद्देश्य खतौली क्षेत्र में साहित्यिक व सांस्कृतिक माहौल को बढ़ावा देना और आमजन को देश के प्रख्यात शायरों को सुनने का अवसर प्रदान करना था। उन्होंने सभी वर्ग के लोगों से हर प्रकार की नाराजगी को भुलाकर आपसी सौहार्द, भाईचारा और प्रेम बनाए रखने की भावुक अपील की।

खतौली में भगत सिंह की जयंती पर रक्तदान शिविर: दर्जनों लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

सर्वेशम मंगलम फाउंडेशन और आप ने किया आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। अमर शहीद सरदार भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को खतौली के शिवपुरी क्षेत्र में एक भव्य स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आम आदमी पार्टी के तत्वावधान और सर्वेशम मंगलम फाउंडेशन, दिल्ली के सहयोग से यह शिविर जिला उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर के शिवपुरी स्थित आवास पर आयोजित हुआ। शिविर में पार्टी कार्यकताओं, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और दर्जनों लोगों ने रक्तदान कर अमर शहीदों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ शिविर का शुभारंभ

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ आम आदमी पार्टी मुजफ्फरनगर के जिलाध्यक्ष अरविंद बालियान ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया। इस दौरान पूरा वातावरण देशभक्ति के नारों से गुंजायमान हो उठा। रक्तदान प्रक्रिया शुरू होने से पहले शिविर में पहुंचे सभी पंजीकृत लोगों का चिकित्सकीय परीक्षण और स्वास्थ्य जांच की गई। पूर्ण रूप से स्वस्थ और पात्र पाए गए दर्जनों युवाओं और कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

मानवता की सेवा ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

शिविर को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अरविंद बालियान ने कहा कि शहीद भगत सिंह का जीवन देश के हर नागरिक के लिए देशभक्ति, त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ समाजसेवा की प्रेरणापुंज है। भगत सिंह जी की जयंती पर रक्तदान जैसे पवित्र कार्य का आयोजन करना समाज में मानवता की सेवा का सीधा संदेश देता है। रक्त का एक-एक कतरा किसी जरूरतमंद मरीज को नई जिंदगी दे सकता है। शिविर के मुख्य आयोजक व आप जिला उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर ने कहा कि अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहे असहाय मरीजों की सहायता के लिए रक्तदान करना ही वीर शहीदों के प्रति सच्ची और वास्तविक श्रद्धांजलि है।

स्वास्थ्य मानकों के तहत हुआ रक्त संग्रह

सर्वेशम मंगलम फाउंडेशन के डायरेक्टर डॉ. अंकुर प्रकाश गुप्ता 'मानव' ने बताया कि रक्तदान से पहले सभी निर्धारित स्वास्थ्य मानकों (हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर आदि) की बारीकी से जांच की गई। शिविर में रक्त संग्रह और चिकित्सकीय देखरेख की जिम्मेदारी तुषार चैरिटेबल ब्लड बैंक की प्रशिक्षित मेडिकल टीम ने बखूबी निभाई। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनुराग अहलावत, सोमपाल प्रजापति, अमित गुप्ता, ओम तोमर, आराध्य मिश्रा, निखिल सोम, प्रदीप कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खतौली में सीसीटीवी टॉवर मकान पर गिरा: टला बड़ा हादसा, देखरेख के अभाव में जर्जर हुए सुरक्षा टॉवर

समाजसेवियों ने उठाई जांच और नए कैमरे लगाने की मांग

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर पालिका परिषद खतौली द्वारा कस्बे की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वर्षों पूर्व लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के टॉवर अब स्वयं नागरिकों की जान-माल के लिए खतरा बनने लगे हैं। लंबे समय से समुचित रखरखाव और मरम्मत न होने के कारण जर्जर हो चुके इन टॉवरों पर अब कैमरे तक गायब हैं। देखरेख के अभाव में बिना कैमरों के खड़े ये विशाल पोल एक तरफ जहां पालिका की लापरवाही उजागर कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हर समय बड़े हादसे का अंदेशा बना हुआ है। शनिवार को शिवपुरी कॉलोनी में इस लापरवाही का प्रत्यक्ष नजारा देखने को मिला, जब दुर्गा मंदिर के समीप स्थित एक पुराना जर्जर सीसीटीवी टॉवर अचानक भरभराकर एक मकान पर आ गिरा।

अचानक गिरा टॉवर, कॉलोनी में मची अफरा-तफरी

शिवपुरी कॉलोनी के मंदिर मार्ग पर शनिवार को वर्षों से खड़ा जर्जर टॉवर अचानक अनियंत्रित होकर पास के एक मकान पर गिर गया। टॉवर गिरते ही जोरदार आवाज हुई, जिससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप और अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय टॉवर के नीचे या आसपास कोई राहगीर मौजूद नहीं था। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि यह टॉवर मुख्य मार्ग पर या किसी व्यक्ति के ऊपर गिरता तो गंभीर जनहानि हो सकती थी।

सरकारी धन का दुरुपयोगः कैमरे गायब, जंग खा रहे टॉवर

उल्लेखनीय है कि नगर पालिका परिषद द्वारा कस्बे के मुख्य चौराहों, घनी आबादी वाले बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भारी-भरकम धनराशि खर्च करके ये टॉवर स्थापित कराए गए थे। शुरूआती दौर में कुछ समय तक इन कैमरों से निगरानी व्यवस्था दुरुस्त रही, लेकिन बाद में पालिका प्रशासन ने इनकी सुध लेना बंद कर दिया। समय बीतने के साथ-साथ अधिकांश टॉवरों से कैमरे गायब हो गए या खराब हो गए। मरम्मत न होने के कारण लोहे के ये लंबे टॉवर नीचे से जंग खाकर बेहद कमजोर हो चुके हैं, जो अब आंधी-तूफान या मामूली झटके में गिरने की कगार पर हैं।

सुरक्षा का माध्यम बने खतरे का कारणः समाजसेवी

घटना के बाद स्थानीय समाजसेवियों और नागरिकों में नगर पालिका प्रशासन के रवैये को लेकर भारी रोष व्याप्त है। समाजसेवी अजय जन्मेजय, देवेश शर्मा और गौरी शंकर गौरी ने पालिका प्रशासन से कस्बे में लगे सभी सीसीटीवी टॉवरों की तत्काल तकनीकी जांच कराने की जोरदार मांग की है। जिन टॉवरों को कस्बे की सुरक्षा के लिए लगाया गया था, वे आज जनता के लिए काल बनते जा रहे हैं। पालिका प्रशासन को तुरंत संज्ञान लेते हुए जर्जर हो चुके टॉवरों की मरम्मत करानी चाहिए या उन्हें सुरक्षित रूप से हटाना चाहिए।

बहेड़ी में 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन तार टूटा: पेड़ की डाल गिरने से मची भगदड़, बारिश के कारण टला बड़ा हादसा

व्यापारियों ने उठाई पेड़ों की छंटाई और जर्जर तारों की मरम्मत की मांग

मुजफ्फरनगर। जनपद के बहेड़ी क्षेत्र स्थित पशु चिकित्सालय के ठीक सामने शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तेज बारिश के दौरान सड़क किनारे स्थित एक विशाल पेड़ की भारी-भरकम डाल अचानक 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन पर आ गिरी। पेड़ की डाल के भार से हाईटेंशन लाइन का चालू तार टूटकर सीधे सड़क पर आ गिरा। हाईटेंशन तार टूटते ही जोरदार धमाके और चिंगारियों के साथ इलाके में अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया। घटना के समय गनीमत यह रही कि मूसलाधार बारिश के चलते सड़क और पशु चिकित्सालय के आसपास सन्नाटा था। स्थानीय व्यापारी विनीत त्यागी ने बताया कि आमतौर पर पशु चिकित्सालय के सामने रोजाना दर्जनों लोग अपनी मोटरसाइकिलें और वाहन खड़े करते हैं तथा लोगों की आवाजाही बनी रहती है।

हालांकि, शनिवार को घटना के वक्त तेज बारिश होने के कारण वहां कोई भी व्यक्ति या वाहन मौजूद नहीं था। यदि सामान्य दिनों की तरह वहां लोगों की मौजूदगी होती, तो 11 हजार वोल्ट के दौड़ते करंट की चपेट में आने से भीषण हादसा और कई लोगों की जान जा सकती थी।

पेड़ों की छंटाई में लापरवाहीः बिजली विभाग पर उठे सवाल

इस हादसे के बाद स्थानीय निवासियों और व्यापारियों में बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली को लेकर भारी रोष है। व्यापारियों का आरोप है कि क्षेत्र में एचटी और एलटी लाइनों के पास फैले पेड़ों की टहनियों की समय पर छंटाई नहीं की जाती है। हर साल मानसून से पहले बिजली लाइनों को छू रही डालियों को काटने का नियम है, लेकिन विभागीय अनदेखी के कारण पेड़ की डालियां तारों के ऊपर तक फैल जाती हैं, जो हल्की बारिश या हवा में हादसे का सबब बनती हैं। स्थानीय व्यापारी विनीत त्यागी व अन्य नागरिकों ने जिला प्रशासन और पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि बहेड़ी क्षेत्र में सभी हाईटेंशन लाइनों के आसपास से पेड़ों की छंटाई का विशेष अभियान चलाया जाए। वहीं जर्जर तारों को बदलकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति न हो और नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।]

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆**अनिल रॉयल**

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

भक्त नरसी की पुकार पर भगवान श्रीकृष्ण ने भरा भात, रासलीला में भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

मुजफ्फरनगर। श्री श्यामा-श्याम मंदिर में चल रही रासलीला में वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति एवं भक्त नरसी मेहता की कथा का भावपूर्ण मंचन किया गया। लीला के दौरान भगवान के प्रति भक्त की अटूट श्रद्धा और भगवान द्वारा अपने भक्त की लाज रखने का प्रसंग देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। लीला में दिखाया गया कि जूनागढ़ में नरसी मेहता भगवान सांवरिया की अनन्य भक्ति किया करते थे। नरसी भक्त ने कभी धन-दौलत जोड़ने की चिंता नहीं की। उनकी पुत्री रामा का विवाह हो चुका था। काफी समय बाद जब रामा की पुत्री विवाह

योग्य हुई तो उसके ससुराल पक्ष की ओर से नरसी भक्त के पास भात की पत्रिका भेजी गई। भात का निमंत्रण मिलने पर नरसी भक्त चिंतित हो गए कि बिना धन-दौलत के वह किस प्रकार भात भरेंगे। उन्होंने अपने इष्ट भगवान सांवरिया को भक्ति भाव से याद करते हुए प्रार्थना की कि प्रभु ही अपने भक्तों के सम्मान की रक्षा करते हैं। नरसी भक्त साधु-संतों को साथ लेकर रामा की ससुराल पहुंच गए। उधर भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी जी के साथ रामा को अपनी बहन मानते हुए उसके द्वार पर भात भरने का निर्णय लिया। जब भगवान श्रीकृष्ण ने भक्त नरसी की पुत्री रामा के यहां भात भरा तो वहां मौजूद लोग आश्चर्यचकित रह गए। लीला में भगवान की भक्तवत्सलता और भक्त की अटूट आस्था का सुंदर चित्रण किया गया। इस अवसर पर रासलीला देखने पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी भगवान श्रीकृष्ण के सहयोगी बनकर मायरे में भाग लिया और अपनी श्रद्धानुसार भात अर्पित किया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ आयोजन में सहभागिता की। वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा रासलीला का मनोहारी एवं भावपूर्ण मंचन किया जा रहा है।

भावभीनी श्रद्धांजलि
सर्वधर्म समभाव और जनसेवा को समर्पित एक युग का अंत

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड रहा है कि समाज के हर वर्ग के सुख–दुःख में हमेशा साथ खडी रहने वाली हमारी पूज्यनीय माता **श्रीमती कुल्लन देवी जी** (वरिष्ठ सामाजिक कार्यकत्री) धर्मपत्नी स्व: श्री सुरेन्द्र बिड़ला का स्वर्गवास **दिनांक 18 सितम्बर 2026 दिन शुक्रवार** को हो गया है। उनका सम्पूर्ण जीवन हिन्दू–मुस्लिम एकता व सर्वसमाज के कल्याण और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में व्यतीत रहा।

दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं समाज के प्रति उनके योगदान को नमन करने हेतु श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म तेरहवी का आयोजन **28 सितम्बर 2026 दिन सोमवार** को किया गया है ।

बह्मभोज..............................12.00 बजे दोपहर
शोक सभा.............................02.00 बजे दोपहर

स्थान: आर्केड फार्म हाऊस, नदी रोड, मुजफ्फरनगर

: शोकाकुल परिवार :
नितिन बिड़ला, शान्तनु बिड़ला (पुत्र)
ध्रुव बिड़ला, एकांश बिड़ला, अयांश बिड़ला (पौत्र)
एवं समस्त बिड़ला परिवार

मोबाइल नम्बर 8433273503, 9927013526

ॐ
॥ ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं ।
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

आपको बड़े दुःख के साथ अवगत कराया जाता है कि
हमारे पूजनीय पिताजी

स्व० चौधरी हरीराम जी

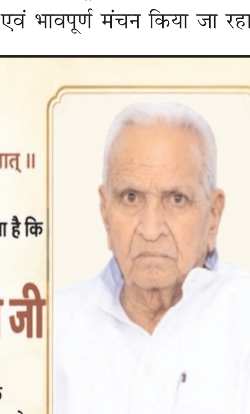

अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके
मंगलवार दिनाक 15 सितम्बर 2026 को
प्रभु चरणों में लीन हो गए हैं।
उनकी आत्मिक शांति के लिए

शोक सभा
सोमवार दिनांक 28 सितम्बर 2026

हवन प्रातः 8 बजे | ब्रह्मभोज प्रातः 11 बजे

शोक सभा एवं रस्म पगड़ी
दोपहर 1 बजे

-: स्थान :-
चौधरी हरीराम आवास, शेरनगर एन एच 58,
जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर

शोकाकुल परिवार

मुकेश चौधरी (पुत्र) | जोय चौधरी (पौत्र) | क्यान चौधरी (पौत्र)
राकेश चौधरी (पुत्र) | कुशाग्र सिंह (पौत्र) | विवान चौधरी (प्रपौत्र)
सुधीर मलिक (दामाद) | रितिक चौधरी (पौत्र) | नमन मलिक (धेवता)

सम्पर्क सूत्र : 9917200456, 9917555554

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

सोमवार 28 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

अम्बरपुर के जंगल में युवक की गोली मारकर हत्या, इलाके में मचा हड़कंप

रायपुर नंगली निवासी प्रवीन उर्फ परविंदर का मिला शव, पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किया घटनास्थल का निरीक्षण, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, हत्याकांड के खुलासे के लिए कई पुलिस टीमें गठित

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्राम अम्बरपुर के जंगल में एक युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना मिली। मृतक की पहचान ग्राम रायपुर नंगली निवासी करीब 42 वर्षीय प्रवीन उर्फ परविंदर पुत्र नवाब सिंह के रूप में हुई है। युवक का शव जंगल में मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। प्रथम दृष्टया गोली मारकर हत्या किए जाने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि रविवार को थाना रतनपुरी पुलिस को ग्राम अम्बरपुर के जंगल में एक युवक के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान युवक की मौत हो चुकी थी। उसके शरीर पर गोली लगने के निशान मिले, जिसके बाद पुलिस ने हत्या की आशंका में जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान प्रवीन उर्फ परविंदर पुत्र नवाब सिंह, उम्र करीब 42 वर्ष, निवासी ग्राम रायपुर नंगली, थाना रतनपुरी, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्रपाल सिंह तथा थाना प्रभारी रतनपुरी महावीर सिंह चौहान पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से घटना की जानकारी ली। अधिकारियों ने आसपास के क्षेत्र की भी जांच कराई तथा घटना से जुड़े संभावित साक्ष्यों को सुरक्षित कराने के निर्देश दिए। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि मृतक जंगल में किस वजह से पहुंचा था

और उसके साथ कौन-कौन लोग मौजूद थे। घटना की सूचना के बाद फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए वहां से आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास भी छानबीन की गई है, ताकि हत्या से जुड़े किसी भी सुराग को जुटाया जा सके। पुलिस अधिकारी घटना के पीछे की वजह और हत्यारों तक पहुंचने के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रहे हैं। फिलहाल हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव, तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज

रतनपुरी पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की उम्मीद है। पुलिस के अनुसार, परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने मामले के सफल अनावरण के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया है। हत्यारों तक पहुंचने के लिए

पुलिस टीमों ने शुरू की छानबीन

पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे संभावित सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही मृतक के परिचितों और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना से पहले मृतक किन लोगों के संपर्क में था और उसे जंगल में किसने बुलाया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। जल्द ही हत्याकांड का खुलासा करने के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि थाना रतनपुरी क्षेत्र के ग्राम अम्बरपुर के जंगल में प्रवीन उर्फ परविंदर की गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी।

व्हाट्सऐप पर मैसेज भेजकर युवक को झांसे में लिया, 1.57 लाख रुपये की साइबर ठगी

22 से 24 सितंबर के बीच कई लेनदेन के जरिए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कराई रकम, तितावी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के ग्राम धनसैनी निवासी एक युवक से साइबर ठगों ने व्हाट्सऐप के जरिए संपर्क कर उसे अपने झांसे में लिया और तीन दिन के भीतर करीब 1.57 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित के खाते से कई अलग-अलग लेनदेन के माध्यम से रकम विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कराई गई। मामले में तितावी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम धनसैनी निवासी वसीम पुत्र हमीद ने तितावी थाने में दी तहरीर में बताया कि 22 सितंबर 2026 को उसके व्हाट्सऐप पर एक अज्ञात मोबाइल नंबर से मैसेज आया। इसके बाद मैसेज भेजने वाले व्यक्ति ने उससे संपर्क किया और अपनी बातों में उलझाकर उसे विश्वास में ले लिया। आरोप है कि साइबर ठग ने अलग-अलग तरीके से उसे अपने झांसे में लेकर उसके बैंक खाते से रुपये ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित के अनुसार 22 सितंबर से 24 सितंबर 2026 के बीच उसके खाते से कई अलग-अलग लेनदेन हुए। साइबर ठग ने रकम को एक ही खाते में भेजने के बजाय अलग-

अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराया। इन सभी लेनदेन में पीड़ित के खाते से कुल करीब 1,57,555 रुपये निकल गए। खाते से रकम जाने के बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। तहरीर के मुताबिक साइबर ठगी करने वाले व्यक्ति ने पीड़ित को विश्वास में लेकर उसके खाते से धनराशि विभिन्न खातों में भिजवाई। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर और बैंक खातों का पता लगाने तथा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित की तहरीर के आधार पर तितावी पुलिस ने 26 सितंबर 2026 को मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस अब मामले में साइबर ठगी में इस्तेमाल मोबाइल नंबर, बैंक खातों में हुए लेनदेन और रकम के ट्रांसफर की जांच कर रही है। पुलिस के स्तर से संबंधित बैंक खातों की जानकारी जुटाकर ठगी की रकम को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

रुपये वापस कराने की भी मांग

पीड़ित वसीम ने पुलिस से ठगी की घटना का खुलासा करते हुए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और उसके 1.57 लाख रुपये वापस कराने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच के साथ ही रकम जिन खातों में पहुंची है, उनकी पड़ताल में जुट गई है।

59 मुकदमों के बाद भी नहीं सुधरा हिस्ट्रीशीटर, पिट एनडीपीएस में गिरफ्तार

खतौली के गौरव उर्फ गौरा पर हत्या, गैंगस्टर, मादक पदार्थ, शराब तस्करी और अवैध शस्त्र समेत गंभीर धाराओं में दर्ज हैं 61 मुकदमे, हरिद्वार से पकड़ा गया, शासन के आदेश पर भेजा गया जेल

खतौली। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत खतौली पुलिस ने लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बताए जा रहे हिस्ट्रीशीटर गौरव उर्फ गौरा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने उसे पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम, अवैध शस्त्र रखने समेत विभिन्न गंभीर अपराधों के 61 मुकदमे दर्ज हैं। वह थाना खतौली का हिस्ट्रीशीटर है और उसका हिस्ट्रीशीट नंबर 332ए है। पुलिस के मुताबिक खतौली के मोहल्ला देवीदास निवासी 40 वर्षीय गौरव उर्फ गौरा पुत्र ओमप्रकाश लंबे समय से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री समेत अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। उसके खिलाफ खतौली थाने में लगातार मुकदमे दर्ज होते रहे हैं। पुलिस ने उसके आपराधिक इतिहास को देखते हुए उसके विरुद्ध पिट की कार्रवाई शुरू की थी।

शासन ने 24 सितंबर को जारी किया आदेश

पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए प्रभावी पैरवी की गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश शासन ने 24 सितंबर 2026 को आदेश संख्या 664/125/2/70/2026-सीएक्स-5 (पिट एनडीपीएस) पारित किया। शासन के आदेश के

अनुपालन में खतौली पुलिस ने आरोपी को तलाश कर 26 सितंबर को जनपद हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उसे जेल भेज दिया गया।

1997 से लगातार दर्ज होते रहे मुकदमे

पुलिस द्वारा जारी आपराधिक इतिहास के मुताबिक गौरव उर्फ गौरा के खिलाफ पहला मुकदमा वर्ष 1997 में हत्या के प्रयास और धमकी की धाराओं में दर्ज हुआ था। इसके बाद वर्ष दर वर्ष उसके खिलाफ अलग-अलग मामलों में मुकदमे दर्ज होते रहे। इनमें मारपीट, जानलेवा हमला, अवैध हथियार, शराब तस्करी, गुण्डा अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट, हत्या, एनडीपीएस एक्ट और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। वर्ष 2012 में उसके खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने से संबंधित धारा 302 व 201 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके अलावा वर्ष 2015 और 2017 में भी गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे दर्ज हुए। पुलिस रिकॉर्ड में उसके खिलाफ कई मुकदमे हत्या के प्रयास और अवैध हथियार रखने से संबंधित भी दर्ज हैं। गौरव उर्फ गौरा के खिलाफ मादक पदार्थों से संबंधित मुकदमे भी दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2020 में धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट, वर्ष 2025 में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट तथा वर्ष 2026 में धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट और धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए। पुलिस के मुताबिक अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में उसकी संलिप्तता के चलते ही उसके खिलाफ पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

शताब्दी वर्ष में गूंजेगा जय श्रीराम का जयघोष, भव्य होगा 100वां रामलीला महोत्सव

30 सितंबर को निकलेगी भव्य कलश यात्रा, आठ से 20 अक्टूबर तक होगा रामलीला का मंचन; रामकथा में महामंडलेश्वर उमाकांत महाराज सुनाएंगे प्रभु श्रीराम की महिमा

मुजफ्फरनगर। नई मंडी स्थित रामलीला मैदान इस बार आस्था, भक्ति और सनातन संस्कृति के भव्य संगम का साक्षी बनने जा रहा है। रामलीला के शताब्दी वर्ष में इस बार 100वां रामलीला महोत्सव विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को यादगार बनाने के लिए रामलीला मंचन के साथ भव्य कलश यात्रा, रामकथा और राजतिलक समेत कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रामकथा में जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर उमाकांत महाराज श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र, मयार्दा, त्याग और धर्म का संदेश सुनाएंगे। रामलीला मैदान नई मंडी स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में रामलीला समिति के अध्यक्ष संजय मित्तल ने समिति के पदाधिकारियों के साथ 100वें रामलीला महोत्सव की तैयारियों और कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शताब्दी

वर्ष का आयोजन सामान्य रामलीला मंचन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे धार्मिक परंपराओं, भारतीय संस्कृति और सामाजिक संदेशों से जोड़कर विशेष स्वरूप दिया गया है। अध्यक्ष संजय मित्तल ने बताया कि शताब्दी वर्ष होने के कारण इस बार रामलीला महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। आयोजन के प्रत्येक कार्यक्रम को भव्य और व्यवस्थित तरीके से कराने की तैयारियां की जा रही हैं। रामलीला महोत्सव का विधिवत शुभारंभ 30 सितंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। कलश यात्रा रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर नई मंडी क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस रामलीला मैदान पहुंचेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु धार्मिक वातावरण में शामिल होंगे और भगवान श्रीराम के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजायमान होगा। रामलीला समिति की ओर से कलश यात्रा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। यात्रा के समापन पर रामलीला मैदान में विधि-विधान के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। समिति पदाधिकारियों के अनुसार कलश यात्रा के माध्यम से शताब्दी वर्ष के भव्य आयोजन का औपचारिक आगाज होगा।

संजय मित्तल ने बताया कि आठ अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक नई मंडी रामलीला मैदान में रामलीला का भव्य मंचन किया जाएगा।

अच्छा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 7.25 लाख हड़पने का आरोप, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

मलेशिया में नौकरी करने वाले पति को फोन कर निवेश के लिए किया था राजी, बैंक खाते में भेजे एक लाख और घर से दिए 6.25 लाख रुपये; 45 हजार लौटाने के बाद टालमटोल का आरोप

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी कस्बे के खेड़ा दरवाजा मोहल्ले में निवेश के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक महिला ने मोहल्ले के ही युवक पर अच्छी कंपनी में निवेश कराने और अच्छा मुनाफा दिलाने का भरोसा देकर कुल 7.25 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने कुछ रकम वापस करने के बाद बाकी रकम लौटाने से इनकार कर दिया और लगातार टालमटोल करता रहा। महिला की शिकायत पर पहले एसएसपी से गुहार लगाई गई, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय की शरण ली गई। न्यायालय के आदेश के बाद पुरकाजी पुलिस ने आरोपी समेत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मलेशिया में नौकरी करने वाले पति को फोन कर निवेश का दिया भरोसा

पुरकाजी के खेड़ा दरवाजा निवासी एक महिला बीना ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका पति राजेश मलेशिया में नौकरी करता था। आरोप है

कि इसी दौरान दिसंबर 2024 में मोहल्ले के अनिल कुमार पुत्र राजेंद्र ने उसके पति से फोन पर संपर्क किया। अनिल ने कथित तौर पर बताया कि एक कंपनी अच्छा मुनाफा दे रही है और अपनी जिम्मेदारी पर उसमें रुपये निवेश करने के लिए कहा। महिला के अनुसार आरोपी की बातों पर विश्वास करते हुए उसके पति ने मलेशिया से अनिल के बैंक खाते में एक लाख रुपये भेज दिए। इसके बाद महिला ने घर से 1.25 लाख और पांच लाख रुपये, यानी कुल 6.25 लाख रुपये नकद आरोपी को दिए।

गवाहों के सामने नकद देने का आरोप

शिकायत के अनुसार महिला ने आरोप लगाया कि 1.25 लाख और पांच लाख रुपये की नकदी आरोपी को मोहल्ले के लोगों की मौजूदगी में दी गई। इस दौरान सन्नी पुत्र फकीरचंद समेत अन्य लोग गवाह बताए गए हैं। महिला का कहना है कि आरोपी ने निवेश के बदले रकम वापस करने और मुनाफा देने का भरोसा दिया था। शिकायत के मुताबिक आरोपी ने बाद में दो किश्तों में कुल 45 हजार रुपये वापस किए, लेकिन इसके बाद भुगतान बंद कर दिया। महिला ने जब अपनी रकम और मुनाफे के संबंध में आरोपी से संपर्क किया तो वह कथित तौर पर लगातार टालमटोल करने लगा।

गिरोह बनाकर लोगों से धोखाधड़ी करने का लगाया आरोप

महिला ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि बाद में उसे जानकारी हुई कि अनिल कुमार कथित रूप से कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर लोगों को निवेश के नाम पर अपने जाल में फंसाता है और धन हड़पता है। हालांकि इन आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। महिला के अनुसार उसने मामले में कार्रवाई के लिए 18 जुलाई 2026 को एसएसपी मुजफ्फरनगर को प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप है कि शिकायत देने के बावजूद आरोपी के खिलाफ तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद महिला ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल कर पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने के निर्देश देने की मांग की। न्यायालय के आदेश के बाद पुरकाजी पुलिस ने आरोपी अनिल कुमार और एक अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जाट महासभा ने सजाया प्रतिभाओं के सम्मान का मंच, मेधावी छात्र-छात्राओं व खेल प्रतिभाओं को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। शिक्षा की सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसके पीछे छिपी मेहनत, अनुशासन, संघर्ष और सपनों की कहानी भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इसी भावना को केंद्र में रखते हुए जाट महासभा उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर जनपद इकाई द्वारा रविवार को मेधावी छात्र-छात्रा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले युवाओं को भी सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। प्रतिभाओं के सम्मान से समारोह स्थल पर उत्साह और गर्व का माहौल बना रहा। समारोह की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन अध्यक्ष नरेश टिकैत ने की, मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार तेवतिया रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में लोकेंद्र बालियान, निदेशक हॉस्पिटल शाहपुर, नरेंद्र पाल सिंह, संरक्षक जाट महासभा, ज्ञान कुमार, वरिष्ठ अधिवक्ता मुजफ्फरनगर, डॉ. अनीता चौधरी, निदेशिका चौधरी नर्सिंग होम शाहपुर, भारत बालियान, एमडी भारती मीडिया ग्रुप, पी.के. निर्वाल, चेयरमैन ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल

लालूखेड़ी, सचिन राणा, चेयरमैन वेदांता ग्रुप तथा उमानाथ शर्मा, संयोजक वीरेंद्र वर्मा मंच मुजफ्फरनगर उपस्थित रहे। मंच का संचालन जाट महासभा के जिला महासचिव जयवीर चौधरी ने किया। समारोह में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक तथा इंटरमीडिएट यानी कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही सीबीएसई बोर्ड में कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक तथा कक्षा 12वीं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। मंच पर सम्मान प्राप्त करने पहुंचे विद्यार्थियों के चेहरों पर उपलब्धि की खुशी और अभिभावकों के चेहरों पर गर्व की चमक दिखाई दी। विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत को जब मंच से सम्मान मिला तो यह क्षण उनके लिए यादगार बन गया। कार्यक्रम में शिक्षा के साथ खेल प्रतिभाओं को भी विशेष स्थान दिया गया। शूटिंग सहित विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और खेल के क्षेत्र में अपना योगदान देने वाले युवाओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। अतिथियों ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करने का माध्यम भी है। जिस युवा ने खेल के मैदान में मेहनत कर अपनी पहचान बनाई है, उसका सम्मान समाज के दूसरे युवाओं को भी खेलों की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने विद्यार्थियों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी सफलता के पीछे निरंतर मेहनत और परिवार के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि समाज का दायित्व केवल प्रतिभाओं को पहचानना नहीं, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए उचित मंच और प्रोत्साहन देना भी है। एक विद्यार्थी की सफलता जब पूरे समाज द्वारा सराही जाती है तो उससे दूसरे बच्चों के भीतर भी कुछ बेहतर करने का विश्वास पैदा होता है। जाट महासभा के जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान ने कहा कि समाज की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी है। आज के बच्चे और युवा आने वाले कल के समाज का निर्माण करेंगे। इसलिए जरूरी है कि उन्हें शिक्षा, संस्कार, खेल और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों और खेल प्रतिभाओं का सम्मान केवल उनके द्वारा हासिल की गई उपलब्धि का सम्मान नहीं है, बल्कि यह उनकी मेहनत के पीछे खड़े माता-पिता, शिक्षकों और परिवार के सदस्यों के योगदान का भी सम्मान है। उन्होंने कहा कि जिस बच्चे को उसकी मेहनत के लिए आज मंच पर सम्मान मिलता है, वह कल किसी दूसरे बच्चे के लिए प्रेरणा बनता है।

खनन पोर्टल में सेंध लगाकर 76 ई-फॉर्म-सी जारी, 1900 घनमीटर गिट्टी का खेल

जाली लाइसेंस आईडी बनाकर खनन पोर्टल का दुरुपयोग, सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। जिले में खनन विभाग के सरकारी पोर्टल के दुरुपयोग का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पोर्टल की तकनीकी खामी का फायदा उठाकर अज्ञात लोगों ने खनन अधिकारी की लॉगिन आईडी और पासवर्ड का दुरुपयोग करते हुए जाली लाइसेंस आईडी तैयार कर दी। इसके बाद इसी आईडी से 76 वाहनों के लिए ई-फॉर्म-सी जारी कर दिए गए। इन ई-फॉर्म-सी में करीब 1900 घनमीटर सैंड स्टोन/क्वार्टजाइट बैलास्ट (गिट्टी) दर्ज है। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार जिले में संबंधित भंडारण लाइसेंस स्वीकृत नहीं था। मामला सामने आने के बाद लाइसेंस आईडी को ब्लॉक करा दिया गया। खनन अधिकारी की तहरीर पर सिविल लाइन थाने में बीएनएस की धारा 318(4) तथा आईटी एक्ट की धारा 66सी और 66डी के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। खनन अधिकारी आशुतोष छिरोल्या की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी गई तहरीर के अनुसार, 21 सितंबर 2026 की शाम करीब 5:30 से 5:45 बजे वीटीएस-डीजीएम एप के एक्टिव ट्रिप में मुजफ्फरनगर जनपद से ई-फॉर्म-सी जारी होना दिखाई दिया। विभागीय स्तर पर जब इसकी जानकारी की गई तो पता चला कि जिले में कोई भी भंडारण लाइसेंस स्वीकृत नहीं था। इसके बावजूद पोर्टल पर भंडारण स्थल दर्शाकर ई-फॉर्म-सी जारी किए जा रहे थे। मामले की जानकारी तत्काल भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, लखनऊ को दी गई। निदेशालय स्तर से पोर्टल पर उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच की गई तो एक लाइसेंस आईडी के जरिये लगातार ई-फॉर्म-सी जारी किए जाने की जानकारी सामने आई। निदेशालय से मिली जानकारी के अनुसार यूपी माइंस पोर्टल पर लाइसेंसी आईडी 31142603990001 दर्ज थी। इसमें लाइसेंसी का नाम शाना अहमद पुत्र अनवर और पता अहमदगढ़, मुजफ्फरनगर दर्ज था। भंडारण स्थल के रूप में ग्राम अहमदगढ़, तहसील खतौली स्थित गाटा/खंड संख्या 78/45, क्षेत्रफल एक एकड़ दशार्या गया था। खनन विभाग ने अपने रिकॉर्ड की जांच की तो इस लाइसेंस की कोई वैध स्वीकृति नहीं मिली। इसके बाद यह मामला संदिग्ध पाए जाने पर उच्चाधिकारियों को जानकारी दी गई और संबंधित लाइसेंस आईडी को ब्लॉक करा दिया गया। जांच में सामने आया कि उक्त लाइसेंस आईडी के माध्यम से 76 वाहनों के ई-फॉर्म-सी जनरेट किए गए थे। इनमें उपखनिज के रूप में सैंड स्टोन/क्वार्टजाइट बैलास्ट (गिट्टी) की करीब 1900 घनमीटर मात्रा दर्ज थी। इतनी बड़ी मात्रा में खनन सामग्री के परिवहन के लिए ई-फॉर्म-सी जारी होने से विभाग में हड़कंप मच गया। खास बात यह रही कि जिन दस्तावेजों के आधार पर ई-फॉर्म-सी जारी किए गए, उस भंडारण लाइसेंस की विभागीय रिकॉर्ड में स्वीकृति ही नहीं थी।

तहरीर में खनन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पोर्टल पर दिखाई दे रही संबंधित लाइसेंस आईडी उनके द्वारा जनरेट नहीं की गई थी। विभागीय पोर्टल पर खनन अधिकारी की लॉगिन आईडी के माध्यम से कार्यवाही की जाती है। आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने खनन अधिकारी की लॉगिन आईडी और पासवर्ड का दुरुपयोग कर जाली लाइसेंस आईडी बनाई और उसके बाद 76 ई-फॉर्म-सी जारी कर दिए। मामला सामने आने के बाद संबंधित आईडी को ब्लॉक कर दिया गया, जिससे उसके जरिये आगे ई-फॉर्म-सी जारी न किए जा सकें। खनन अधिकारी ने तहरीर में पोर्टल की तकनीकी व्यवस्था में आए बदलाव का भी उल्लेख किया है।

रामराज पुलिस की कार्रवाई, तीन वारंटी गिरफ्तार

रामराज। थाना रामराज पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को उनके मकान से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन उर्फ अनु पुत्र राजेंद्र, मोनू पुत्र मंगल तथा राजेंद्र पुत्र राकमे, निवासी ग्राम हासमपुर, थाना रामराज, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे। न्यायालय द्वारा आरोपियों के खिलाफ वारंट जारी किए गए थे। वारंट जारी होने के बाद थाना रामराज पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने सूचना के

आधार पर तीनों आरोपियों को उनके मकान से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

थाना पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए तीनों वारंटियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को लेकर सक्रियता देखने को मिली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंटों की तामील कराने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

मिलावट के विरुद्ध हरियाणा की पहल सराहनीय

हरियाणा में आम लोगों को खुद जांच कराने की सुविधा मुहैया कराने का सरकार का फैसला महत्त्वपूर्ण है। सामान्य तौर पर बाजार से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में उनकी जांच कराने की जिम्मेदारी विभागीय कर्मियों की होती है। शुद्ध और सुरक्षित भोजन हर व्यक्ति का अधिकार है। मगर कुछ लोगों ने खाद्य पदार्थों के बाजार में मिलावट को मुनाफे का औजार बना लिया है। यह केवल कानून के उल्लंघन का प्रश्न नहीं, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य और विश्वास के साथ खिलवाड़ का भी मसला है। रोजमर्रा के जरूरी खाद्य पदार्थों जैसे- दूध, घी, तेल, मसाले, मिठाइयां, दालें और यहां तक कि फलों एवं सब्जियों में भी मिलावट की शिकायतें अक्सर सामने आती रहती हैं।इस स्थिति में हरियाणा में आम लोगों को खुद जांच कराने की सुविधा मुहैया कराने का सरकार का फैसला महत्त्वपूर्ण है। इसके तहत सार्वजनिक स्थलों पर तैनात संचालित प्रयोगशालाओं में कोई भी व्यक्ति खाद्य वस्तुओं की जांच करा सकता है, जिनका नतीजा दस से बारह मिनट में मिल जाएगा।अन्य राज्यों को भी इस तरह की पहल करनी चाहिए, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष हो।भारत में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 पहले से लागू है। असुरक्षित खाद्य पदार्थों के मामलों में कठोर दंड और मृत्यु जैसे गंभीर परिणामों पर आजीवन कारावास तक का प्रावधान भी मौजूद है। फिर भी यदि मिलावटखोरों में कानून का भय नहीं है, तो समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके प्रभावी अमल की है।गंभीर मिलावट के मामलों के लिए विशेष न्यायिक व्यवस्था और समयबद्ध सुनवाई आवश्यक है। नमूना जांच से लेकर अभियोजन तक प्रत्येक चरण की समयसीमा तय हो। दोष सिद्ध होने पर लाइसेंस रद्द करने, कारोबार बंद कराने और आर्थिक दंड लगाने की कार्रवाई प्रभावी हो। बार-बार अपराध करने वालों के लिए दंड कई गुना कठोर होना चाहिए। यदि मिलावटी खाद्य पदार्थ से किसी व्यक्ति को गंभीर बीमारी, स्थायी क्षति अथवा मृत्यु होती है, तो ऐसे मामलों में कम-से-कम आजीवन कारावास जैसी कठोरतम सजा सुनिश्चित होनी चाहिए।बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों में केवल कंपनी पर जुर्माना लगाकर जिम्मेदारी समाप्त नहीं होनी चाहिए। जिन निदेशकों, संचालकों अथवा जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी, सहमति या लापरवाही से मिलावटी खाद्य बाजार में पहुंचा, उनकी व्यक्तिगत जवाबदेही तय हो। अपराध से अर्जित लाभ जब्त करने और पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा देने की व्यवस्था भी आवश्यक है।खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। नमूना कब लिया गया, किस अधिकारी ने लिया, किस प्रयोगशाला में भेजा गया, रिपोर्ट कब आई और उसके बाद क्या कार्रवाई हुई–इन सभी चरणों का डिजिटल रिकॉर्ड सार्वजनिक निगरानी के दायरे में होना चाहिए। अधिकारियों की मिलीभगत या जानबूझकर की गई लापरवाही को भी गंभीर अपराध माना जाए।

यहीं सरकार के कार्य की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, देश में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रह गई। यानी एक दशक में करीब 25 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। मानव इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर गरीबी से बाहर निकलने वाले लोगों की यह संख्या दुनिया में दर्ज की गई सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इस बदलाव में वित्तीय समावेशन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मोदी जी के प्रधानमंत्री पद संभालने के कुछ ही महीनों बाद शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-धन योजना के माध्यम से करीब 58 करोड़ भारतीय औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े, जिनमें लगभग आधी महिलाएं हैं। इनमें से बहुत से लोगों के लिए बैंक खाता और औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का यह पहला अनुभव था। इसी मजबूत आधार पर यूपीआई का विस्तार हुआ।

नमो @ 25-एक चौथाई सदी की डिलीवरी, गांधीनगर से दिल्ली तक

(आदित्य त्रिवेदी)

गुजरात की बागडोर एक संकटग्रस्त राज्य के रूप में संभालने के पच्चीस वर्ष बाद, नरेंद्र मोदी का शासन मॉडल एक आत्मविश्वासी और परिणाम देने वाले भारत की आधारशिला बन चुका है।गुजरात की बागडोर एक संकटग्रस्त राज्य के रूप में संभालने के पच्चीस वर्ष बाद, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की शासन-यात्रा ने एक ऐसे भारत को परिभाषित किया है, जो अधिक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी है तथा दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ निर्धारित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने पर केंद्रित है। जब नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब राज्य एक कठिन दौर से गुजर रहा था। भुज के भूकंप ने शहरों और कस्बों को तबाह कर दिया था, आर्थिक विकास नकारात्मक हो गया था और नए मुख्यमंत्री के सामने गुजरात को उबारने तथा उसका पुनर्निर्माण करने की एक बड़ी चुनौती थी।पच्चीस वर्ष बाद, उस राहत और पुनर्निर्माण के अभियान ने हमारे समय की सबसे अधिक अध्ययन की जाने वाली शासन-यात्राओं में से एक का रूप ले लिया है।जिन लोगों को नरेंद्र मोदी जी के साथ निकटता से कार्य करने का अवसर मिला है, वे जानते हैं कि इस पूरी यात्रा के दौरान एक सिद्धांत निरंतर बना रहा है; वह है लोककल्याण सुनिश्चित करने के साधन के रूप में सुशासन में उनका विश्वास। आधुनिक प्रबंधन सिद्धांतों के आने से बहुत पहले ही प्राचीन भारतीय चिंतन में इस विचार को अभिव्यक्त किया गया था। भगवद्गीता कर्म में कुशलता को योग के एक रूप के रूप में प्रस्तुत करती है। मोदी जी के लिए शासन का संबंध कर्मयोग की अवधारणा से गहराई से जुड़ा रहा है, अर्थात दूसरों की सेवा के लिए किया गया कर्म, जिसमें परिणाम और पंक्ति में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित हो। गुजरात के वर्षों के कुछ आंकड़े इस दृष्टिकोण की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। 2001 से 2012 के बीच राज्य की अर्थव्यवस्था लगभग 10 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.6 प्रतिशत था। कृषि क्षेत्र में भी 8 से 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि गुजरात को व्यापक रूप से एक औद्योगिक राज्य के रूप में देखा जाता था। इसने विकास के स्त्रोतों को लेकर बनी पारंपरिक धारणाओं को चुनौती दी। 2003 में शुरू हुए वाइब्रेंट गुजरात समिट ने राज्य को निवेश के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद की। देश की लगभग पांच प्रतिशत आबादी वाले गुजरात ने भारत के कुल विदेशी निवेश का पांच से सात प्रतिशत आकर्षित किया। गुजरात में उस विकास की नींव रखी जा रही थी, जो आगे चलकर राष्ट्रीय विकास की एक व्यापक गाथा का आधार बनी। 2014 में मोदी जी के राष्ट्रीय मंच पर आने के साथ गुजरात का यह अनुभव 1.4 अरब लोगों वाले देश के शासन तक पहुंचा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) अब भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करता है और अनुमान है

कि 2026 की तीसरी तिमाही में भारत की नाममात्र जीडीपी चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगी। एक दशक से कुछ अधिक समय में भारत दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, यह बदलाव देश की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को वैश्विक स्तर पर कहीं अधिक व्यापक मंच पर ले गया है। लेकिन आर्थिक विकास को केवल बैलेंस शीट के आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। इसका वास्तविक महत्व इस बात में है कि इसका लाभ देश के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों तक कितना पहुंचता है और उनके दैनिक जीवन में कितना सुधार लाता है। यहीं सरकार के कार्य की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, देश में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रह गई। यानी एक दशक में करीब 25 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। मानव इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर गरीबी से बाहर निकलने वाले लोगों की यह संख्या दुनिया में दर्ज की गई सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इस बदलाव में वित्तीय समावेशन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मोदी जी के प्रधानमंत्री पद संभालने के कुछ ही महीनों बाद शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-धन योजना के माध्यम से करीब 58 करोड़ भारतीय औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े, जिनमें लगभग आधी महिलाएं हैं। इनमें से बहुत से लोगों के लिए बैंक खाता और औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का यह पहला अनुभव था। इसी मजबूत आधार पर यूपीआई का विस्तार हुआ। अक्टूबर 2016 में जहां यूपीआई के जरिए हर महीने करीब 1 लाख लेन-देन होते थे, वहीं 2026 में एक महीने में 24.5 अरब से अधिक लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य करीब 29 लाख करोड़ रुपये रहा। आज भारत यूपीआई को डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के ऐसे मॉडल के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है, जिसे अन्य देश भी अपना सकते हैं। यह बदलाव केवल वित्तीय क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भौतिक अवसंरचना के क्षेत्र में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। रेलवे विद्युतीकरण 2014 से पहले के कुल नेटवर्क के लगभग पांचवें हिस्से से बढ़कर आज 99.6 प्रतिशत तक पहुंच गया है। चार लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई दोगुने से भी अधिक हो गई है। 2014 से 2026 के बीच निर्मित ग्रामीण सड़कों की लंबाई, उससे पहले के 14 वर्षों में निर्मित ग्रामीण सड़कों से भी अधिक है। आज ग्रामीण भारत में प्रतिदिन 22 घंटे से अधिक बिजली उपलब्ध है, जबकि पहले यह मुश्किल से 12 घंटे थी। स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता कवरेज भी पांच वर्षों के भीतर 39 प्रतिशत से बढ़कर पूर्ण कवरेज तक पहुंच गई। इन आंकड़ों के पीछे आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन में आए बदलाव की कहानियां हैं, किसी ऐसे परिवार की, जिसे अब घर में बिजली मिलती है; ऐसे विद्यार्थी की, जो रात में रोशनी में पढ़ाई कर सकता है; या ऐसे परिवार की, जिसे बेहतर सड़कों और आवश्यक सेवाओं तक आसानी से पहुंच मिलती है। अवसंरचना का वास्तविक प्रभाव इन्हीं रोजमर्रा के अनुभवों में दिखाई देता है। इन प्रयासों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं और सम्मानजनक जीवन की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आयुष्मान भारत के तहत अब 62 करोड़ से अधिक वंचित और कमजोर नागरिकों को हर वर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलता है। हाल ही में इसका विस्तार 70 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक तक भी किया गया है। 2014 के बाद से मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या दोगुने से अधिक हो चुकी है। रक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने महत्वपूर्ण बदलाव दर्ज किया है। जहां भारत लंबे समय तक रक्षा उपकरणों के साथ-साथ आत्मविश्वास के मामले में भी आयात पर निर्भर रहा, वहीं पिछले एक दशक में रक्षा निर्यात 56 गुना से अधिक बढ़कर 80 से ज्यादा देशों तक पहुंच गया है। वहीं, चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला दुनिया का पहला और एकमात्र देश बनाया, जो देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत की बदलती वैश्विक स्थिति ने भी विदेशों का ध्यान आकर्षित किया है। जब हाल ही में मोदी जी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बने, तो दुनिया भर के नेताओं की ओर से उन्हें बधाइयां मिलीं। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने लिखा कि यह उपलब्धि इस बात को दर्शाती है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने बार-बार उनके नेतृत्व पर अपना भरोसा जताया है। भूटान के प्रधानमंत्री ने उन्हें मित्र, भाई और मार्गदर्शक के रूप में संबोधित किया। अमेरिकी और रूसी राष्ट्रपतियों जैसे अलग-अलग दृष्टिकोण रखने वाले नेताओं ने भी परिणामों को आकार देने में उनकी व्यक्तिगत भूमिका का उल्लेख किया है। ये वक्तव्य विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बीच उनके नेतृत्व को मिली वैश्विक महत्ता को दर्शाते हैं। फिर भी, यदि मोदी जी से पूछा जाए कि ये पच्चीस वर्ष उनके लिए क्या मायने रखते हैं, तो शायद इसका उत्तर किसी आंकड़े या रैंकिंग में नहीं मिलेगा। इसके बजाय, इसका उत्तर एक प्राचीन संस्कृत आदर्श में मिल सकता है, सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः सभी सुखी हों, सभी रोग और दुख से मुक्त हों। 2001 में गुजरात से लेकर 2026 में भारत तक की उनकी यात्रा में शासन को सेवा के माध्यम के रूप में देखने का विचार लगातार प्रमुख रहा है। यह दृष्टि 'सेवा' की भावना में निहित है, इस विश्वास में कि सार्वजनिक पद दूसरों के कल्याण के प्रति जिम्मेदारी लेकर आता है।

कर्ज में युवा- क्रेडिट कार्ड की आसान खरीदारी कैसे किस्तों में बांध रही है जिंदगी

(प्रियंका वल्लरी)

इस बात को हमेशा ध्यान में रखने की जरूरत है कि जिंदगी मासिक किस्त चुकाने में फिसलती जा रही है। बीते कुछ दशकों की तुलना में आज के युवा अधिक प्रतिभा और क्षमता वाले हैं, जो हर वक्त सीखने और नई चीजों को तलाशने के लिए उत्सुक रहते हैं। हालांकि वे नई हर चीज को पा लेने की जल्दबाजी में दिखते हैं। देखा-देखी की लत इस जल्दबाजी को गति प्रदान कर रही है और इसी वजह से आज की युवा पीढ़ी बाजारवाद के जाल में फंसती चली जा रही है।

ज्यादातर युवा सब कुछ पा लेने की ललक में मशगूल दिखते हैं। उन्हें ध्यान ही नहीं रहता कि वे क्या खरीद रहे हैं, किसलिए खरीद रहे हैं। इस क्रम में कई बार अनावश्यक चीजें भी खरीद ली जाती हैं। ऐसी चीजें, जिसकी उन्हें कोई जरूरत नहीं होती। फिर भी वह खरीदता है, क्योंकि उन्हें दुनिया की नजर में बड़ा दिखना होता है। यह बात दीगर है कि अपनी चाहतों को पूरा करने में वे कर्ज से अपनी पीठ टेढ़ी करते रहते हैं।

युवा पीढ़ी को इस स्थिति में लाने में बाजार के संजाल के बीच क्रेडिट कार्ड की बड़ी भूमिका है। इनका बाजार में अच्छा तालमेल है। दरअसल, आजकल क्रेडिट कार्ड से लेन-देन करना काफी आसान हो गया है। बहुत सारे लोग दो-चार ऐसे कार्ड रखना शान मानते हैं और मौके-बेमौके झट से उसका इस्तेमाल करते रहते हैं। इस तरह चुपके-चुपके उनके ऊपर उधार बढ़ता जाता है और वे कर्ज में डूबते जाते हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, भारत में पांच करोड़ से ज्यादा लोग क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं। यानी देश की कुल आबादी के करीब साढ़े पांच फीसद लोग अपने काम के लिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर देखें, तो कनाडा में लगभग तिरासी फीसद लोग कार्ड इस्तेमाल करते हैं, वहीं अमेरिका जैसे देश में तकरीबन सड़सठ फीसद लोग कार्ड से खरीदारी करते हैं।

सही है कि क्रेडिट कार्ड समय की तेज रफ्तार के साथ होड़ में खड़ी कर देते हैं, लेकिन लोगों का दायरा सिकुड़ता चला जा रहा है। हर व्यक्ति एक-दूसरे को पीछे छोड़ने के लिए अंदर से बिखरता जा रहा है। किसी को किसी से मिलने के लिए वक्त नहीं है। अपने लक्ष्य को पूरा करने में लोग दिन-रात लगे रहते हैं। हर व्यक्ति सुबह से शाम और देर रात काम कर रहा है। ज्यादातर लोग काम को पूरा करने के लिए अकेले रहना पसंद कर रहे हैं।

इस क्रम में उनके व्यवहार में परिवर्तन हो रहा है और लंबे समय तक अकेले रहने पर कई लोग अवसाद में जा रहे हैं। अरस्तू ने कहा है- 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, अकेले देवता रहता है या दानव'। अकेलेपन से उपजा अवसाद अक्सर लोगों को द्रोही बना देता है। आज किसी से किसी को भावनात्मक लगाव महसूस होता नहीं दिखता है। लोग मतलब के आधार पर रिश्तों की पहचान कर रहे हैं और रिश्तों में औपचारिकता कर रहे हैं। हर व्यक्ति दूसरे की कमी ढूंढ़ कर अपने को बेहतर साबित करने में लगा है। जबकि साथ रह कर कई जटिल समस्याओं पर चर्चा करके सुलझाया जा सकता है।

जीवन को सुंदर सुगम बनाया जा सकता है, लेकिन दूरी हमेशा दूरी ही पैदा करती है। लोग अकेले रहने के लिए आमादा हैं। यह भी सच है कि लोग अपने काम में इस प्रकार तल्लीन हैं कि किसी के लिए किसी के पास वक्त नहीं है। कोई देर रात घर लौटता है। सुबह अलसाए मन से दफ्तर के लिए चल देता है। घर में रहने और सुनने-समझने के लिए समय की तंगी है। हर काम को डिजिटल तरीके से संपादित किया जा रहा है।

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करना गलत नहीं है, पर अपने बजट के अनुसार किया जाना चाहिए, ताकि कर्ज में डूबने से बचा जा सके। जीवन में संतुष्ट होने के लिए हमें अथाह भौतिक वस्तुओं की आवश्यकता नहीं है। हमारा प्रथम प्रयास जरूरत की वस्तुओं का प्रबंध करना ही होना चाहिए।

अगर इसका उपयोग समझदारी से और समय पर न किया जाए, तो यह उच्च ब्याज दरों और खराब 'क्रेडिट स्कोर' का कारण बन जाता है। इस पर कई बार तीस फीसद से भी ज्यादा दर से ब्याज की भारी दर से वसूली की जाती है। चुकाने में नकारात्मक अंक होने से भविष्य में कर्ज मिलना कठिन हो सकता है।

सरल भाषा में कहें, तो क्रेडिट कार्ड एक व्यक्ति की वित्तीय योजनाओं के प्रबंधन का माध्यम हो सकता है। इसका मतलब है कि क्रेडिट कार्ड किसी को आर्थिक स्वतंत्रता की तरह भी लग सकता है। बस इतना हो कि हम बड़ी खरीदारी कर समयानुसार उस कर्ज को चुका दें।

कई क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले आकर्षक प्रस्ताव देते हैं और कैशबैक यानी नकद वापसी की सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे ऑनलाइन खरीदारी करने पर कुछ छूट और विभिन्न रियायतें मिल सकती हैं। इसके लिए पहले अपना मासिक बजट तैयार करने की जरूरत होती है। अगर अपने बजट को सही से प्रबंधित नहीं किया जाए, तो वह खराब होगा ही। महीनों की तनख्वाह लाखों में क्यों न हो, पर मासिक बचत ही मूल कमाई है। अपने खर्चों पर नियंत्रण रख कर किसी भी कार्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

नागरिक की पहचान एक, दस्तावेज अनेक और सुधार का रास्ता उलझा हुआ, कागजों का दुश्चक्र आखिर कब टूटेगा?

डिजिटल व्यवस्था के बावजूद क्यों बनी हुई है पहचान की उलझन? - डिजिटल प्रणाली के जरिए इस जटिल स्थिति को कई स्तरों पर सरल बनाने का प्रयास किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि डिजिटल होने भर से प्रक्रिया नागरिक-केंद्रित नहीं हो जाती। जन सेवा केंद्रों और ऑनलाइन पोर्टलों ने आवेदन तथा दस्तावेज जमा करने की सुविधा बढ़ाई है, पर अंतिम सत्यापन और निर्णय का अधिकार अलग-अलग विभागों के पास बना हुआ है।इसका अर्थ यह है कि नागरिक को एक ही सूचना बार-बार अलग संस्थाओं के सामने सिद्ध करनी पड़ सकती है।

(विकेश कुमार बडोला)

सत्यापन की प्रक्रिया में नागरिक को हर बार शून्य से शुरुआत करने के लिए विवश करना प्रशासनिक सुविधा नहीं, नागरिक के समय और श्रम पर अनावश्यक बोझ है। तकनीक का लाभ तभी व्यापक होगा, जब विभागीय डेटाबेस के बीच सुरक्षित और स्पष्ट समन्वय के साथ त्रुटि-सुधार की जिम्मेदारी भी तय हो। आधुनिक दौर में नागरिक की पहचान केवल नाम और चेहरे तक सीमित नहीं रह गई है। जन्म प्रमाणपत्र से लेकर आधार, मतदाता पहचानपत्र, पासपोर्ट, बैंक खाते, मोबाइल नंबर, स्थायी निवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक जीवन के लगभग हर महत्त्वपूर्ण पड़ाव पर किसी न किसी दस्तावेज की जरूरत पड़ती है। इनका उद्देश्य नागरिक और राज्य के बीच भरोसेमंद पहचान स्थापित करना है। मगर जब एक ही व्यक्ति की अलग-अलग संस्थाओं में दर्ज सूचनाओं में मामूली अंतर रह जाता है, तो यही व्यवस्था सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बनने लगती है। समस्या दस्तावेज की संख्या भर नहीं है। असली कठिनाई उनके बीच समन्वय, जिम्मेदारी और सुधार की प्रक्रिया को लेकर है। किसी प्रमाणपत्र में नाम की वर्तनी, जन्मतिथि, पते या अन्य विवरण में त्रुटि हो जाए, तो नागरिक को अक्सर संबंधित कार्यालय, पोर्टल या सेवा केंद्र के बीच चक्कर लगाने पड़ते हैं। एक दस्तावेज में सुधार के लिए दूसरे दस्तावेज की मांग की जाती है और दूसरे में सुधार के लिए पहले प्रमाणपत्र का सहारा लेना पड़ सकता है। ऐसे में नागरिक एक ऐसे दुश्चक्र में फंस जाता है, जिसका हल उसके हाथ में नहीं होता।

डिजिटल व्यवस्था के बावजूद क्यों बनी हुई है पहचान की उलझन? – डिजिटल प्रणाली के जरिए इस जटिल स्थिति को कई स्तरों पर सरल बनाने का प्रयास किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि डिजिटल होने भर से प्रक्रिया नागरिक-केंद्रित नहीं हो जाती। जन सेवा केंद्रों

और ऑनलाइन पोर्टलों ने आवेदन तथा दस्तावेज जमा करने की सुविधा बढ़ाई है, पर अंतिम सत्यापन और निर्णय का अधिकार अलग-अलग विभागों के पास बना हुआ है।इसका अर्थ यह है कि नागरिक को एक ही सूचना बार-बार अलग संस्थाओं के सामने सिद्ध करनी पड़ सकती है। तकनीक का लाभ तभी व्यापक होगा, जब विभागीय डेटाबेस के बीच सुरक्षित और स्पष्ट समन्वय के साथ त्रुटि-सुधार की जिम्मेदारी भी तय हो। आधार एक विशिष्ट पहचान संख्या है, जिसका उपयोग अनेक सेवाओं में पहचान के सत्यापन के लिए किया जाता है। बैंक खातों और मोबाइल सेवाओं से जुड़े विवरणों में आधार का इस्तेमाल व्यापक है। ऐसे में आधार या उससे जुड़े रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर अथवा अन्य सूचना की गड़बड़ी का असर दूसरी सेवाओं पर पड़ सकता है। प्रश्न यह है कि गलती हुई कहां है। यदि त्रुटि किसी विभागीय रिकॉर्ड में हुई है, तो उसके सुधार का पूरा बोझ नागरिक पर डालना प्रशासन की न्यायसंगत भावना के अनुरूप नहीं माना जा सकता। नागरिक से आवश्यक प्रमाण मांगना अलग बात है, लेकिन विभागों के पास उपलब्ध प्रमाणों और अभिलेखों का परस्पर सत्यापन करना व्यवस्था की जिम्मेदारी होनी चाहिए। यहां एक बुनियादी सिद्धांत सामने आता है- राज्य को नागरिक से पहचान का प्रमाण मांगने के साथ अपनी संस्थागत पहचान और जिम्मेदारी भी स्पष्ट करनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति ने दशकों तक कर चुकाया है, मतदाता के रूप में पंजीकृत है, उसके जन्म, शिक्षा, संपत्ति या पारिवारिक संबंधों के सरकारी अभिलेख उपलब्ध हैं, तो इन सूचनाओं को अलग-अलग द्वीपों की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। सत्यापन की प्रक्रिया में नागरिक को हर बार शून्य से शुरुआत करने के लिए विवश करना प्रशासनिक सुविधा नहीं, नागरिक के समय और श्रम पर अनावश्यक बोझ है। एकीकृत व्यवस्था हो, लेकिन नागरिक के अधिकारों के साथ इसलिए एकीकृत नागरिक प्रलेख एवं प्रमाणन तंत्र की आवश्यकता पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इसे किसी नई पहचान संख्या या अतिरिक्त कागजी व्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि मौजूदा प्रणालियों के बीच समन्वयकारी ढांचे के रूप में विकसित किया जाना अधिक उपयोगी होगा। केंद्र और राज्यों के संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों, आधार व्यवस्था, निर्वाचन तंत्र, पासपोर्ट प्रणाली तथा अन्य वैधानिक संस्थाओं के बीच स्पष्ट प्रोटोकॉल बनाया जा सकता है। इसमें यह तय होना चाहिए कि कौन-सा मूल रिकॉर्ड किस संस्था के पास रहेगा, कौन-सी सूचना किस परिस्थिति में साझा की जा सकती है, गलती सुधारने की जिम्मेदारी किसकी होगी और नागरिक को आवेदन का कौन-सा रास्ता मिलेगा। इस व्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष घर-द्वार तक सेवा पहुंचाने की अवधारणा हो सकता है। बुजुर्गों, दिव्यांगों, दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उन नागरिकों के लिए, जिन्हें बार-बार कार्यालय जाना कठिन होता है, उन्हें प्रशिक्षित सरकारी कर्मचारियों के माध्यम से सत्यापन और दस्तावेजी सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। इसके लिए निर्धारित शुल्क हो, तो वह पारदर्शी और सीमित हो तथा गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए छूट या निशुल्क सेवा का प्रावधान रखा जाए। नागरिकता के प्रश्न पर विशेष सावधानी जरूरी है। आधार संख्या नागरिकता का प्रमाण नहीं है और किसी पहचान दस्तावेज की मौजूदगी अपने आप भारतीय नागरिकता सिद्ध नहीं करती। इसलिए नागरिकता निर्धारित करने की किसी भी व्यवस्था को मौजूदा कानूनों, तय प्रक्रियाओं और न्यायिक संरक्षण के अनुरूप ही काम करना होगा। केवल संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत धारणा के आधार पर किसी व्यक्ति से नागरिकता छीन लेना गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। नागरिकता से जुड़े मामलों में सुनवाई, प्रमाण प्रस्तुत करने, अपील और स्वतंत्र समीक्षा की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए।

कश्यप-निषाद समाज की राष्ट्रीय कार्यशाला में गूंजा एकजुटता का संदेश

भगवान कश्यप और भारत माता के जयघोष से हुआ शुभारंभ जातिगत जनगणना से लेकर संगठन विस्तार तक मुद्दों पर मंथन

गाजियाबाद। कश्यप-निषाद समाज को सामाजिक और संगठनात्मक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से रविवार को हिंदी भवन में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान कश्यप की मूर्ति के समक्ष पूजा-अर्चना तथा भारत माता और वंदे मातरम के जयघोष के साथ हुआ। कार्यशाला में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों और जिलों से संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यशाला में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने, प्रत्येक जिले में सक्रिय संगठन खड़ा करने और समाज से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मंच पर श्री राम कुमार कश्यप, डॉ. सागर कश्यप, राजवीर कश्यप, विजेंद्र कश्यप, मुकेश कश्यप, वेद कश्यप, सरपंच कश्यप और विशाल कश्यप समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

जातिगत जनगणना का मुद्दा उठा

कार्यशाला में जातिगत जनगणना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़े आंकड़े सामने आने की आवश्यकता बताई। उनका कहना था कि इससे समाज की वास्तविक स्थिति को समझने और पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं एवं अवसरों का लाभ पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

इसके साथ ही संगठन के विस्तार पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि केवल बड़े कार्यक्रम आयोजित करने के बजाय गांव तहसील और जिला स्तर तक संगठन की सक्रिय मौजूदगी बढ़ाने की जरूरत है। स्थानीय कार्यकताओं को जिम्मेदारी देकर अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने की रणनीति पर भी मंथन किया गया।

नरेंद्र कश्यप ने संगठन मजबूत करने पर दिया जोर

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि समाज को मजबूत करने के लिए संगठन को हर जिले, तहसील और गांव स्तर तक सक्रिय करना होगा। उन्होंने समाज के लोगों को एकजुट कर उनकी सामाजिक,

शैक्षिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम करने की बात कही।

नरेंद्र कश्यप ने कहा कि जातिगत जनगणना जैसे विषयों को गंभीरता से उठाने की आवश्यकता है ताकि समाज की संख्या और सामाजिक स्थिति से जुड़े आंकड़े सामने आ सकें। उन्होंने कहा कि संगठन के माध्यम से पात्र लोगों को उनके अधिकारों और सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठन का विस्तार करने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का आह्वान किया।

हर जिले में संगठन विस्तार की रणनीति

कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि समाज की सामूहिक आवाज को मजबूत करने के लिए अलगअलग क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है इसी को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक जिले में संगठन की गतिविधियां बढ़ाने और नए कार्यकताओं को जिम्मेदारी देने पर जोर दिया गया।

उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों और जिलों से पहुंचे प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों की स्थिति और संगठन से जुड़ी चुनौतियों को भी सामने रखा इस दौरान गांव से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ने पर चर्चा हुई।

कार्यशाला के अंत में संगठन की गतिविधियों को समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने सामाजिक एकजुटता बढ़ाने और शिक्षा रोजगार सामाजिक सम्मान तथा सरकारी योजनाओं से जुड़े मुद्दों को सामूहिक रूप से उठाने पर जोर दिया गया।

हिंदी भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला संगठन विस्तार जातिगत जनगणना, सामाजिक एकजुटता और समाज से जुड़े अधिकारों के मुद्दों पर केंद्रित रही।

गाजियाबाद में कश्यप समाज को जागरूक और एकजुट करने के लिए जन जागरण चिंतन कार्यक्रम

गाजियाबाद। मोदीनगर कश्यप समाज को जागरूक और संगठित करने के उद्देश्य से मोदीनगर में जन जागरण चिंतन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निवाड़ी रोड स्थित मुन्नी देवी वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में कश्यप उत्थान सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कश्यप माहेश्वरी समेत समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान समाज से जुड़े लोगों के साथ हुई कथित घटनाओं, उनकी सुरक्षा और सामाजिक एकजुटता को लेकर चर्चा की गई वक्ताओं ने गोंडा में कश्यप समाज के एक व्यक्ति की कथित पिटाई के बाद मौत, मेरठ के ज्वाला गढ़ में सोनू कश्यप की मौत और मोदीनगर में गौहत्या के आरोप को लेकर कश्यप समाज के लोगों के साथ हुई कथित मारपीट के मुद्दे उठाए।

वक्ताओं ने कहा कि इन घटनाओं

को लेकर समाज के लोगों में रोष है। उनका कहना है कि समाज के लोगों को अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर एकजुट होने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से आयोजित जन जागरण चिंतन कार्यक्रम में समाज को संगठित करने और सामाजिक उत्थान के लिए आगे की रणनीति पर मंथन किया गया। वक्त-ाओं ने शिक्षा सामाजिक जागरूकता और संगठन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। पंकज कश्यप माहेश्वरी ने कहा कि कश्यप समाज के लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा समाज को मजबूत और संगठित करने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा तथा सामाजिक मुद्दों को एकजुट होकर उठाया जाएगा।

शामली नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू: 30 सितंबर अंतिम तिथि

जवाहर नवोदय विद्यालय शामली में रिक्त सीटों पर निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर तय की गई है।

शामली। जवाहर नवोदय विद्यालय शामली में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9 और कक्षा 11 में खाली सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके अनुसार इन कक्षाओं में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 तय की गई है। प्रवेश के इच्छुक छात्र और अभिभावक समय रहते अपनी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने दी प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी

जिलाधिकारी शामली आलोक यादव ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालयों का संचालन किया जाता है। यह समिति भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत संस्था के रूप में

कार्य करती है। शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा-9 और कक्षा-11 के रिक्त पदों के सापेक्ष आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी और अभिभावक 30 सितम्बर-2026 तक बिना किसी शुल्क के ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कक्षा-9 के लिए आधिकारिक लिंक https://cbseitems.nic- -in/2026/nvsix 9 पर जाकर फॉर्म भरा जा सकता है। वहीं कक्षा-11 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों कोhttps://cbseit-ems.nic.in/2026/nvsxi_11 लिंक का उपयोग करना होगा। इस दाखिला प्रक्रिया के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय शामली में सीधे संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा, विशेष जानकारी प्राप्त करने के लिए प्राचार्य के मोबाइल नं0 8449877886 पर भी संपर्क साधा जा सकता है।

लोनी बॉर्डर में नाबालिग की चाकू से हत्या का खुलासा तीन बाल अपचारी पकड़े गए

गाजियाबाद। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में नाबालिग लड़के की चाकू मारकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने घटना में शामिल तीन बाल अपचारियों को पकड़ लिया है। उनके कब्जे से वा-रदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया गया है। एसीपी लोनी ने प्रेस वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसीपी लोनी के मुताबिक, 26 सितंबर 2026 की रात करीब साढ़े 11 बजे डायल112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि एक लड़के की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है सूचना मिलते ही थाना लोनी बॉर्डर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से जानकारी ली। जांच में सामने आया कि मृतक राधेश्याम का बेटा विनेश/दिनेश अपने एक नाबालिग दोस्त के साथ बाजार से सामान लेकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान बंद फाटक के पास उसकी मुलाकात तीन बाल अपचारियों से हुई। पुलिस के अनुसार, वहां किसी बात को लेकर कहासुनी और टिप्पणियां हुईं। विवाद बढ़ने पर तीनों में से एक ने कथित तौर पर विनेश पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले के बाद आरोपी चाकू मौके पर ही फेंककर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल विनेश को उपचार के लिए दिल्ली ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले में शुरूआत में मृतक के परिजन राधेश्याम की तहरीर पर एक बाल अपचारी महिला जमुना और राकेश को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रारंभिक रूप से नामजद किए गए लोग घटना में शामिल नहीं थे।

पुलिस के अनुसार जांच के दौरान तीन अन्य बाल अपचारियों की संलिप्तता सामने आई। तीनों को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया गया पूछताछ में उनके द्वारा घटना में शामिल होना स्वीकार किए जाने की बात पुलिस ने बताई है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है।

एसीपी लोनी ने बताया कि तीनों बाल अपचारियों को नियमानुसार जुवेनाइल कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अग्निवीर की मौत के बाद शामली में हंगामा: कोतवाल का कथित दबंग अंदाज कैमरे में कैद, वीडियो वायरल

शामली। अग्निवीर युवक की मौत के बाद शव रखकर हंगामा कर रहे परिजनों के बीच शहर कोतवाल के कथित तौर पर दबंग अंदाज का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कोतवाल पर मृतक के परिजनों से कथित तौर पर आपत्तिजनक और धमकी भरे लहजे में बात करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। शहर कोतवाली क्षेत्र के कैराना रोड स्थित मुकेश नर्सिंग होम में पेट दर्द की शिकायत के चलते एक अग्निवीर युवक को उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने चिकित्सकों पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा किया। इसी दौरान मौके पर पहुंची पुलिस और परिजनों के बीच बातचीत का एक

वीडियो सामने आया है। वीडियो में शहर कोतवाल कथित तौर पर शव हटाने को कहते हुए धमकी भरे अंदाज में बात करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा रहा है कि ह्लइसे हटवा दो, नहीं तो मिट्टी में मिला दूंगा। वायरल वीडियो को लेकर पुलिस के व्यवहार पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, घटना के संबंध में पुलिस या संबंधित अधिकारियों की ओर से वीडियो और पूरे मामले पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना अभी बाकी है। मृतक के परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कम्पनी बाग में आयोजित

प्रदर्शनी का महापौर, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों ने किया अवलोकन

सहारनपुर। महापौर डॉक्टर अजय कुमार सिंह, विधायक नगर राजीव गुंबर एवं महानगर अध्यक्ष भाजपा शीतल विश्नोई द्वारा माननीय प्रधानमंत्री के जन सेवा से देश सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कम्पनी बाग में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री द्वारा जनसेवा में किए गए कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का चित्रण किया गया। महापुरुषों का सम्मान योजनाओं से जन कल्याण, कौशल युवा सक्षम प्रदेश आगे बढ़ता उत्तर प्रदेश, उन्नत किसान समृद्ध प्रदेश नया भारत नया उत्तर प्रदेश, विरासत का मान विकास का अभिमान, प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजनाएं चलाकर जन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। महापौर डॉक्टर अजय सिंह ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी द्वारा देश सेवा में किए गए अनेकों अनेक कार्यों में से कुछ कार्यों की प्रदर्शनी में झलक देखने को मिली। आमजन के जीवन में कैसे परिवर्तन लाया जा सकता है इसकी झलक इन कार्यों एवं योजनाओं में देखने को मिली है। माननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यकाल में जहां एक और अपनी संस्कृति को संजोने का कार्य हुआ वहीं दूसरी और टेक्नोलॉजी से आसमान छूने की बात हुई। देश को आगे बढ़ते देख हम सब गौरवान्वित है। माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में 2047 में विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए हम सब प्रयासरत है।

सहारनपुर मस्जिद मामले पर बजरंग दल, पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने पाकिस्तान पर साधा निशाना, बोले- भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बंद करे पाकिस्तान

शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में उठाया सहारनपुर मस्जिद का मामला, पत्रकारों के सवालों पर मुस्लिम पार्षदों और सपा नेताओं के बहिष्कार को लेकर भी विकास त्यागी ने रखी अपनी बात

सहारनपुर। पूर्व बजरंग दल प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित करीब 150 वर्ष पुरानी मस्जिद के ध्वस्तीकरण को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में किए गए उल्लेख पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के बजाय अपने देश की परिस्थितियों पर ध्यान देना चा-हए। विकास त्यागी ने शहबाज शरीफ की टिप्पणी को लेकर कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 25 सितंबर 2026 को अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के सामान्य वाद-विवाद में अपने संबोधन के दौरान सहारनपुर की करीब 150 वर्ष पुरानी मस्जिद के ध्वस्तीकरण का उल्लेख किया था। उन्होंने इसे धार्मिक स्वतंत्रता और इस्लामोफोबिया से जुड़े अपने तर्क के संदर्भ में उदाहरण के तौर पर पेश किया। यह मामला उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से सदस्य देशों के प्रतिनिधियों और उपस्थित विश्व नेताओं के सामने अपने भाषण में उठाया।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान विकास त्यागी से सहारनपुर के मुस्लिम पार्षदों और समाजवादी पार्टी के पार्षदों द्वारा मेले के बहिष्कार को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि जितने भी मेले आयोजित होते हैं, उनमें हिंदू देवी-देवताओं के मेले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यदि मुस्लिम पार्षद और सपा से जुड़े लोग इन मेलों का बहिष्कार कर रहे हैं तो वह इसका स्वागत करते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मेलों में जिन मुस्लिम दुकानदारों की दुकानें लगती हैं, उन्हें भी ऐसे मेलों से दूरी बनानी चाहिए। उनका कहना था कि हिंदुओं के त्योहारों और मेलों से जितनी दूरी रखी जाएगी, उतना ही अच्छा होगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री द्वारा सहारनपुर का मामला अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाए जाने के सवाल पर विकास त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने के बजाय अपने देश की परिस्थितियों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति और आतंकवाद समेत विभिन्न मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपने मामलों को संभालने में सक्षम है। विकास त्यागी ने कहा कि पुलवामा की घटना, पहलगाम की घटना और कश्मीर में नाम पूछकर मजदूरों की हत्या जैसी घटनाओं के समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने क्या प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि उस समय उन्हें ये घटनाएं दिखाई नहीं दीं और अब सहारनपुर के मामले पर अंतरराष्ट्रीय मंच से चिंता जताई जा रही है। उन्होंने इसी संदर्भ में शहबाज शरीफ पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।

रंग संसार

'माता नाच रही हैं...'ममता कुलकर्णी का बदला अवतार देख फैंस ने किए सवाल, 90२ के गानों पर डांस करती आईं नजर

नई दिल्ली। एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने जनवरी 2025 में महा कुंभ मेले के दौरान संन्यास ले लिया था और साध्वी बन गई थीं। एक बार फिर सोशल मीडिया पर उनकी चर्चा हो रही है। आध्यात्मिक राह अपनाने के बाद एक्ट्रेस ने अपना आध्यात्मिक नाम 'श्री यमई ममता नंद गिरी' रखा था। हालांकि, राजस्थान फिल्म फेस्टिवल से ममता कुलकर्णी का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो 90 के दशक के अपने मशहूर गानों पर डांस करती हुई दिख रही हैं। लोग इसे देखकर काफी हैरान हैं। वायरल वीडियो में ममता अपने कुछ सबसे मशहूर गानों पर डांस करती हुई दिख रही हैं, जिनमें 'घातक' का 'कोई जाए तो ले आए', 'करण अर्जुन' का 'एक मुंडा मेरी उम्र का' और 'सबसे बड़ा खिलाड़ी' का 'लंबा-लंबा घूंघट' शामिल हैं। इस इवेंट के लिए उन्होंने पर्पल जंपसूट पहना था, जो पारंपरिक साड़ियों और भगवा कपड़ों से बिल्कुल अलग था। आध्यात्मिक रास्ता अपनाने के बाद से उन्हें अक्सर इन्हीं कपड़ों में देखा जाता रहा है।उनकी डांस परफॉर्मेंस बहुत जल्द सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने संन्यास लेने के उनके फैसले और अपने पुराने गानों पर परफॉर्म करने के लिए उनकी वापसी पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा- 'माता नाच रही हैं'। दूसरे ने कमेंट किया- 'ये तो साध्वी बन गई थी ना'। एक अन्य ने लिखा - योगिनी से फिर हिरोइन बन गई क्या? चौथे ने लिखा- क्या हुआ संयासन छोड़ दी।फिलहाल ममता का ये अंदाज ऑनलाइन चर्चा का विषय बना हुआ है। कई यूजर्स उनके आध्यात्मिक बदलाव के बाद ग्लैमरस अवतार में देखकर हैरान हैं। वहीं दूसरी ओर ममता कुलकर्णी ने वायरल वीडियो या उन पर हो रही टिप्पणियों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

राज काज

कौन हैं भारत की दूसरी सबसे बड़ी चीनी कंपनी के मालिक? जहां जा रहा 308 पहिये के ट्रक पर लदकर विशालकाय बायलर

नई दिल्ली। एक ऐसा ट्रक जो जहां से गुजरता है वहीं सैकड़ों लोगों की भीड़ लग जाती है। भला ये भीड़ हो भी क्यों ना... इस ट्रक में 20-50 पहिए नहीं बल्कि 308 टायर लगे हैं। इस 308 चक्के वाले ट्रक में 200 टन वजन का वेसल लदा है। ये विशालकाय वेसल उत्तर प्रदेश राज्य में मौजूद बलरामपुर चीनी फैक्टरी में जा रहा है, जो कि इसके लखीमपुर वाले कुंभी यूनिट में लगेगा।

इस चर्चा के बीच लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि इस वेसल को बेल्जियम से मंगाने वाली कंपनी बलरामपुर चीनी के मालिक कौन हैं? इसके बारे में हम यहां विस्तार से बता रहे हैं।

बलरामपुर चीनी मिल्स क्या-क्या करती है?

बलरामपुर चीनी मिल्स साल 1975 में बनी और तब से अब तक के सफर में यह भारत की सबसे बड़ी चीनी बनाने वाली कंपनियों में से एक बन गई है। इस कंपनी ने भले शुरूआत चीनी प्रोडक्शन की हो लेकिन धीर-धीरे इसने डिस्टिलरी और को-जेनरेशन (सह-उत्पादन) के क्षेत्रों में अपने पैर जमा लिए हैं। कंपनी शीरा (molasses), अल्कोहल, इथेनॉल और खोई (bagasse) से लेकर बिजली उत्पादन तक का अब काम करती है। कंपनी की गन्ना पेराई क्षमता 80,000 टन प्रतिदिन, डिस्टिलरी क्षमता 1050 KL प्रतिदिन और बिक्री योग्य को-जेनरेशन क्षमता 175.7 मेगावाट है।बलरामपुर चीनी मिल्स के मालिक कौन हैं?

बलरामपुर चीनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर वि-वेक सरावगी हैं। वहीं आवंतिका सरावगी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। विवेक सरावगी इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं और उन्होंने कोलकाता में FICCI और इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के कमिटी मेंबर के तौर पर भी काम किया है। बलरामपुर चीनी (Balrampur Chini Mills Ltd) शेयर बाजार में भी लिस्टेड कंपनी है। कंपनी का मार्केट कैप 14,511 करोड़ रुपये है।

दैनिक राशिफल सोमवार 28 सितम्बर 2026

मेष - अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष - समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मिथुन : जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढड्डे में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें।

कर्क - परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अतःवाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें।

सिंह- नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिवर्तन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

कन्या - धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

तुला - सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं।

वृश्चिक - उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी।

धनु - लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ।

मकर - आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है।

कुंभ - अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें।

मीन - व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

दैनिक पंचांग

28 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.19 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	09.33 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.49 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.54 बजे से
गुरू	कर्क में	कुंभ	15.41 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.14 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.44 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.24 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.22 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.36 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	02.52 बजे से
बजे तक		कन्या	05.04 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 271 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 19.14 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 10.17 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 08.54 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 08.09 बजे तदनन्तर गर 19.14 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 01° 57' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872846 **जूलियन दिन** 2461311.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 16 **विशेष** लता मंगेशकर जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पश्चिमी यूपी में बदला मौसम का मिजाजः मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, सहारनपुर और मेरठ झमाझम बारिश, पारा गिरने से बढ़ी ठंडक

हवा-बारिश से पकी धान की फसल को नुकसान की आशंका, कृषि वैज्ञानिकों ने दी सतर्क रहने की सलाह

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शनिवार सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर रविवार को भी बदस्तूर जारी रहा। मुजफ्फरनगर, शामली मेरठ, बागपत और सहारनपुर समेत कई जिलों में आसमान में काले बादल छाए हुए हैं और रुक-रुककर रिमझिम व तेज बारिश हो रही है। इस बिन मौसम बारिश ने जहां एक तरफ लोगों को कई दिनों से जारी उमस और भीषण गर्मी से राहत दिलाते हुए मौसम खुशनुमा बना दिया है, वहीं दूसरी ओर पकी खड़ी खरीफ फसलों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

मुजफ्फरनगर व शामली में छाए बादल, रिमझिम जारी

मुजफ्फरनगर जिले में रातभर रुक-रुककर बारिश होती रही। मौसम के इस यू-टर्न से जहां तापमान गिरा है, वहीं हाल ही में शुरू हुए गुड़ कोल्हुओं पर ईंधन गीला होने के कारण काम ठप्प हो गया। रविवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इसी प्रकार शामली में भी रातभर रुक-रुककर हल्की बारिश के बाद रविवार सुबह बादल छाए रहे और दिनभर बारिश होने के आसार बने हुए हैं।

शाकंभरी देवी में श्रद्धालुओं की एंट्री पर रोक

सहारनपुर जिले में शनिवार दोपहर 1 बजे से रविवार तड़के 4 बजे तक लगातार 14 घंटे हुई बूंदाबांदी से तापमान में सीधे 8 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट दर्ज की गई। मौसम में आई अचानक ठंडक के कारण लोगों को सुबह के समय पंखे बंद करने पड़े। उधर, पहाड़ी इलाकों और मैदानी बारिश से बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रसिद्ध मां शाकंभरी देवी मंदिर में लगातार दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं के प्रवेश व दर्शन पर सुरक्षा कारणों से रोक लगा दी गई है।

मेरठ व बागपत में भी खुशनुमा मौसम

शनिवार को पूरे दिन मेरठ में बारिश होती रही। रविवार को भी सुबह से चल रही ठंडी हवा और रिमझिम बारिश के कारण मौसम खुशनुमा हो गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक बारिश का पूवार्नुमान जारी किया है। इस दौरान कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

अगले 24 घंटे कैसा रहेगा मौसम?

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, अगले 24 घंटे तक पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर बिजली कड़कने (गरज-चमक) की संभावना जताई गई है। बारिश के इस दौर से तापमान में और गिरावट आ सकती है, जिसके बाद मौसम में स्थायी बदलाव देखने को मिलेगा।

खरीफ की फसल को खतरा, तो रबी की बुवाई को मिलेगी संजीवनी

कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरएस सेंगर के अनुसार, बारिश और तेज हवाओं का सीधा असर खेतों में पककर तैयार खड़ी फसलों पर पड़ रहा है:

धान और दलहन को नुकसानः हवा के साथ बारिश होने से पकी हुई धान, बाजरा और मक्के के पौधे जमीन पर बिछ (झुक) सकते हैं। इससे दानों की गुणवत्ता खराब होने और कटाई में देरी का जोखिम है। इसके अलावा उड़द व मूंग जैसी दलहनी फसलों में ज्यादा नमी से फफूंद व सड़न का खतरा बढ़ जाता है।

किसानों के लिए कृषि वैज्ञानिकों की जरूरी सलाह

खेतों में फिलहाल अतिरिक्त सिंचाई पूरी तरह रोक दें। फसलों पर किसी भी तरह के रासायनिक कीटनाशकों या उर्वरकों (खाद) का छिड़काव मौसम साफ होने तक न करें। बारिश थमने के तुरंत बाद खेत की जुताई न करें, जब मिट्टी सही स्थिति (सूखने के चरण) में आ जाए तभी अगले सीजन की तैयारी शुरू करें।

किसान एकता से ही मजबूत होगी खेती, देसी खेती को बढ़ावा देने पर जोर

मुजफ्फरनगर । भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के तत्वावधान में ग्राम पुरा में किसान जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। सभा में किसानों को खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न विषयों पर जागरूक करते हुए देसी एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन मानु त्यागी पुत्र स्वर्गीय विनोद त्यागी ने किया। सभा की संयुक्त अध्यक्षता ईश्वर चंद त्यागी एवं राजेंद्र त्यागी ने की। मुख्य अतिथि भाकियू अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक रहे। उनके साथ विजेंद्र बालियान भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नारायण त्यागी ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि किसानों को खेती के पारंपरिक तरीकों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि से जुड़े अपने अधिकारों और समस्याओं के प्रति जागरूक रहना होगा। किसान हित से जुड़े मुद्दों पर एकजुट होकर आवाज उठाने से ही किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाया जा सकता है। उन्होंने किसानों से रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करते हुए देसी बीज, प्राकृतिक संसाधनों और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की दिशा में प्रयास करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि खेती को मजबूत और लाभकारी बनाने के लिए किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। सभा के दौरान किसानों एवं ग्रामीणों ने कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। किसानों ने खेती की लागत, कृषि उपज और किसान हित से संबंधित विषयों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने किसान एकता को मजबूत करने तथा कृषि से जुड़े मुद्दों पर सामूहिक रूप से प्रयास करने पर जोर दिया।

इस दौरान विपिन त्यागी, संजीव त्यागी, उमेश त्यागी, पप्पू त्यागी, विदुर त्यागी, चिराग त्यागी, सानू त्यागी, बिजेंदर त्यागी, सुभाष त्यागी, बंटी त्यागी, नीरज त्यागी, राजेंद्र त्यागी, राजू त्यागी, रोहित त्यागी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण मौजूद रहे। सभा का समापन किसान एकता को मजबूत करने और देसी एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

मुजफ्फरनगर में तोड़फोड़ में शामिल एमजी पब्लिक स्कूल के 12 छात्र रेस्टीकेटः पुलिस जांच के बाद स्कूल प्रशासन का एक्शन

वायरल वीडियो ने खोली पोल, दसवीं के 11 और नौवीं के 1 छात्र पर गिरी गाज, कक्षाओं में बैठने पर लगी रोक, लेकिन बोर्ड परीक्षा में शामिल हो सकेंगे छात्र

मुजफ्फरनगर। शहर के एमजी पब्लिक स्कूल ने अनुशासनहीनता के खिलाफ एक कड़ा संदेश देते हुए बड़ा कदम उठाया है। सर्कुलर रोड पर एक खड़ी बाइक में तोड़फोड़ करने वाले 12 छात्रों को विद्यालय से तत्काल प्रभाव से रेस्टीकेट (निष्कासित) कर दिया गया है। वायरल वीडियो के आधार पर पहचान में आए इन छात्रों में 11 छात्र कक्षा 10वीं के और 1 छात्र कक्षा 9वीं का शामिल है। इस कार्रवाई के बाद से जिले के शैक्षणिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

क्या था पूरा मामला?

कुछ दिन पूर्व मुजफ्फरनगर के सर्कुलर रोड पर स्कूल ड्रेस पहने कुछ छात्र एक खड़ी बाइक में जमकर तोड़फोड़ करते हुए कैमरे में कैद हो गए थे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया था। वीडियो सामने आने के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस और एलआईयू ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की। जांच में पुष्टि हुई कि वीडियो में नजर आ रहे सभी छात्र एमजी पब्लिक स्कूल के ही हैं।

प्रशासन का कड़ा रुख और बोर्ड परीक्षाओं पर असर

घटना के बाद स्कूल की साख और अनुशासन को सर्वोपरि रखते हुए प्रधानाचार्या और स्कूल प्रबंधन ने सभी 12 छात्रों को रेस्टीकेट करने का निर्णय लिया। इन सभी की विद्यालय की कक्षाओं में बैठने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। हालांकि, स्थिति की नजाकत को देखते हुए और छात्रों का साल खराब न हो, इसके लिए एक महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है कि चूंकि रेस्टीकेट किए गए 11 छात्र कक्षा 10वीं के बोर्ड परीक्षार्थी हैं, इसलिए उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें परीक्षा में शामिल होने की छूट दी जाएगी। इन छात्रों के अभिभावकों से शपथ पत्र लिया जा रहा है कि वे छात्रों को नियमित कक्षाओं में नहीं भेजेंगे। इसके बाद ही उन्हें केवल परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं प्रक्रिया पूरी होने के बाद इनकी ट्रांसफर सर्टिफिकेट जारी कर विद्यालय से आधिकारिक रूप से बाहर कर दिया जाएगा।

प्रधानाचार्या का बयान

एमजी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने मीडिया से बातचीत करते हुए स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों के बीच अनुशासन कायम रखना संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर तोड़फोड़ जैसी हरकतें कतई बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। पहचान होने के बाद संबंधित छात्रों को रेस्टीकेट कर दिया गया है। दसवीं के बोर्ड परीक्षार्थियों के भविष्य को देखते हुए उन्हें केवल परीक्षा में शामिल होने की अनुमति एफिडेविट के आधार पर दी जाएगी, लेकिन वे क्लास में नहीं बैठ सकेंगे।

रामराज में गैंगस्टर एक्ट में 03 शातिर वांछित आरोपी गिरफ्तारः पुलिस ने भेजा जेल

मीरापुर इलाके के रहने वाले हैं सभी अपराधी

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। जनपद मुजफ्फरनगर में शातिर वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन चक्रव्यूहह्ल अभियान के अन्तर्गत रामराज पुलिस ने रविवार को एक बड़ी सफलता हासिल की है। गैंग बनाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंगस्टर एक्ट में वांछित तीन शातिर अभियुक्तों को पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसपी ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी के सुपरविजन में मिली सफलता

यह महत्वपूर्ण कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री अक्षय संजय महाडीक के पर्यवेक्षण में, क्षेत्राधिकारी जानसठ सुश्री ऋषिका सिंह एवं थानाध्यक्ष रामराज श्री ज्ञानेन्द्र सिरोही के कुशल और सटीक नेतृत्व में की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्तों को दबोच लिया।

धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में थे वांछित

थानाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सिरोही ने बताया कि रविवार, 27 सितंबर2026 को थाना रामराज पुलिस द्वारा मु.अ.सं.-76/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इन तीनों के खिलाफ गैंग बनाकर आपराधिक गतिविधियां संचालित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था और पुलिस काफी समय से इनकी तलाश में थी। पुलिस अब इनके सम्बन्ध में अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में ला रही है। रामराज पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए शातिर गैंगस्टरों में मौ. अनस पुत्र नजीर, निवासी मौ0 मुस्तर्क कस्बा व थाना मीरापुर, मुजफ्फरनगर, सुमित सैनी पुत्र खूब सिंह, निवासी मुझेडा थाना मीरापुर, मुजफ्फरनगर व चाँद उर्फ चाँद मौहम्मद पुत्र मंगता, निवासी ग्राम गढी मुझेडा थाना मीरापुर, मुजफ्फरनगर शामिल हैं।

मुजफ्फरनगर में शिक्षणेत्तर कर्मचारी महासंघ की बैठकः विजय त्यागी एमएलसी स्नातक चुनाव के प्रत्याशी घोषित

मेरठ खंड चुनाव के प्रत्याशी की जीत का लिया संकल्प

मुजफ्फरनगर। यहां रोडवेज बस स्टैंड के पास सनातन धर्म इंटर कॉलेज में रविवार को शिक्षणेत्तर कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में बड़ा निर्णय लेते हुए महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष/जिले के जिलाध्यक्ष विजय कुमार त्यागी को आगामी 'स्नातक मेरठ खंड' चुनाव के लिए आधिकारिक प्रत्याशी घोषित किया गया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने एक स्वर में विजय कुमार त्यागी को चुनाव में विजयी बनाने का संकल्प लिया।

कर्मचारियों से चुनाव में एकजुट होने का आह्वान

बैठक का सफल संचालन महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष विजय कुमार त्यागी द्वारा ही किया गया। प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद महासंघ के शीर्ष नेतृत्व ने समस्त जनपदों के कर्मचारियों से एकजुट होकर चुनाव की तैयारियों में जुटने और प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

तीन प्रमुख मांगों का प्रस्ताव पारित

बैठक के दौरान प्रदेश महामंत्री अवधेश कुमार मिश्रा ने शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाया। उन्होंने कर्मचारियों की तीन मुख्य मांगों को लेकर जल्द से जल्द शासनादेश जारी कराने का आह्वान किया, जिसे बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव बनाकर पारित किया गया। पारित प्रस्ताव की मुख्य मांगों में अर्हताधारी शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की शिक्षक पद पर पदोन्नति देने, उपार्जित अवकाश का नकदीकरण सुनिश्चित कराने तथा लिपिकीय संवर्ग में व्याप्त वेतन विसंगति का तुरंत निराकरण करना शामिल है।

बैठक में ये पदाधिकारी रहे मौजूद

बैठक में प्रदेश एवं जिला स्तर के दर्जनों पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य रूप से कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष आलोक चौहान, प्रदेश सलाहकार विनोद विश्वकर्मा, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तम कुमार शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव सोलंकी (बुलंदशहर), दिगम्बर, लवकुश भारद्वाज, अमिताभ पुंडीर (सहारनपुर), ऋषीपाल, गौरव चौधरी, प्रशांत शर्मा, संजीव ठाकुर, अजय त्यागी, अनिल कुमार, मनोज शर्मा, सुनील कुमार, रेशु गुप्ता, देवांश दीक्षित, विकास शर्मा और रविंदर सहित भारी संख्या में शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिताएं युवाओं के सर्वांगीण विकास में सहायक : डा. वीरपाल निर्वाल

मुजफ्फरनगर। राइट टू फाइट ताइक्वांडो एकेडमी के तत्वावधान में डी.ए.वी. कॉलेज के खेल परिसर में जनपद स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न स्कूलों के जूनियर एवं सब-जूनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रशासक डा. वीरपाल निर्वाल ने फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागी खिलाड़ियों ने विभिन्न मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखकर उपस्थित लोगों ने उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर डा. वीरपाल निर्वाल ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं के बहुमुखी एवं सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। खेलों से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, शारीरिक क्षमता और सकारात्मक सोच का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों का आह्वान किया कि वे सकारात्मक सोच और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करें तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर जनपद एवं देश का नाम रोशन करें।

कार्यक्रम आयोजक एवं ताइक्वांडो कोच रॉबिन कटारिया तथा ज्वाइंट सेक्रेटरी अभिषेक कुमार ने भी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मो. असद, सीमा, विनीत एवं मो. अशरफ ने प्रतिभागियों को ताइक्वांडो की तकनीकों एवं खेल के विभिन्न गुरों का प्रशिक्षण दिया।

प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि डा. वीरपाल निर्वाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में निशांत, लविश, ऋषभ, देवांश, माधव, असद, सैफुल्लाह, कार्तिक, खुशी, वीर चौधरी, कनिका, वंदना पाल, वंश, सिमरन, सारिका, दीपांशु आदि खिलाड़ियों ने विशेष प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर मेरा भारत नेहरू युवा केंद्र से पूजा एवं सरिता, ज्योति बड़ोदिया जेनियल ग्लोबल स्कूल मीरापुर, अक्षय शर्मा स्टेनो जिला पंचायत, दीप्ति शर्मा, अजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग एवं खेलप्रेमी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर खिलाड़ियों एवं अभिभावकों में उत्साह का माहौल रहा।

मुजफ्फरनगर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन चुनावः दिग्गज नेता मुकेश चंद भार्गव ने ठोकी ताल

सचिव पर से मुकेश व सहगल के बीच होगा सीधा मुकाबला

मुजफ्फरनगर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन (रिटायर्ड/कर्मचारी) के आगामी चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बैंक कर्मचारियों का करीब 50 वर्षों से प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ कर्मचारी नेता मुकेश चंद भार्गव ने सचिव पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने यह नामांकन ज्ञान चंद सहगल के खिलाफ दाखिल किया है, जिससे चुनाव में मुकाबला बेहद दिलचस्प और रोचक हो गया है।

चुनाव अधिकारी के समक्ष दाखिल किया पर्चा

मुकेश चंद भार्गव ने चुनाव अधिकारी महिपाल सिंह के समक्ष उपस्थित होकर अपना नामांकन पत्र जमा किया। उनके नामांकन के साथ ही यह पूरी तरह तय हो गया है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन में सचिव पद के लिए मतदान (इलेक्शन) की स्थिति बनेगी। मुकेश चंद भार्गव ने सचिव पद के लिए नामांकन दाखिल किया है,

जिनका मुकाबला मुख्य प्रतिद्वंद्वी ज्ञान चंद सहगल से होगा।

राजेश नाडियान और प्रदीप कुमार गर्ग बने प्रस्तावक

मुकेश चंद भार्गव की उम्मीदवारी का समर्थन करते हुए राजेश नाडियान और प्रदीप कुमार गर्ग उनके प्रस्तावक बने। करीब पांच दशकों से कर्मचारियों के हितों की लड़ाई लड़ने वाले मुकेश चंद भार्गव के मैदान में उतरने से चुनाव का माहौल पूरी तरह से गर्मा गया है। कर्मचारियों व सदस्यों के बीच अब इस सीधे मुकाबले को लेकर काफी चर्चाएं शुरू हो गई हैं और माना जा रहा है कि यह चुनाव बेहद कड़ा और रोमांचक होगा।

मंसूरपुर में प्लांट के प्रदूषण से ग्रामीण परेशान, आंदोलन की चेतावनी

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव घासीपुरा में क्रिस्टल बालाजी प्लांट से कथित प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है।ग्रामीणों का आरोप है कि प्लांट से निकलने वाली काली धूल आसपास के क्षेत्र में फैल रही है,जिससे लोगों को आंखों में जलन तथा सांस लेने में परेशानी सहित अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदूषण की समस्या को लेकर कई बार चिंता जताई गई, लेकिन अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। इससे ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है।भारतीय किसान यूनियन तोमर की महिला ब्लॉक अध्यक्ष आयुषी पवार ने कहा कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं कराया गया तो ग्रामीणों को साथ लेकर फैक्ट्री गेट पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर प्रदूषण की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

खबरदार !मुजफ़्फरनगर में एक्सिस बैंक शाखाओं में जाली करेंसी? मेरठ के एक्सिस बैंक में जिले की शाखाओं से भी पहुंचे नकली नोट, जांच कर रही पुलिस की जांच में हुआ खुलासा

मेरठ के एक्सिस बैंक की मुख्य करेंसी चेस्ट से बरामद हुए 4.63 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट, जांच के दायरे में उत्तर प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड के कई शहरों की 186 शाखाएं

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में मेरठ स्थित एक्सिस बैंक की मुख्य करेंसी चेस्ट में भारी मात्रा में जाली नोट पहुंचने से हड़कंप मचा हुआ है। मेरठ के मंगल पांडेय नगर स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में रखी करेंसी चेस्ट से 4.63 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट के तार यूपी, हरियाणा और उत्तराखंड के कई शहरों की शाखाओं से जुड़ पाए गये हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा की 186 बैंक शाखाओं को अपनी पड़ताल के रडार पर ले लिया है, जिसमें यूपी के मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर, बिजनौरहापुड़, बुलंदशहर, गाजियाबाद, मुरादाबाद की शाखाएं भी शामिल हैं।``

बैंक से बरामद हुई थी 4.63 लाख की नकली करेंसी

गौरतलब है कि हाल ही में मेरठ के मंगल पांडेय नगर स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में रखी करेंसी चेस्ट से 4.63 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट बरामद किये गये थे। इस हाई-प्रोफाइल मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले की जांच कर रही पुलिस के रडार पर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा की 186 बैंक शाखाएं जांच पड़ताल के दायरे में शामिल हैं। बरामद की गई इस जाली करेंसी में 1323 नकली नोट मिले, जिसमें 500, 200, 100 और 50 के नोट शामिल हैं। मेरठ के एक्सिस बैंक में नकली करेंसी के इस मामले का खुलासा तब हुआ जब बैंक प्रबंधन ने एक दिसंबर 2024 से 31 दिसंबर 2025 के बीच जमा हुई करेंसी की आंतरिक जांच कराई। जांच में 500, 200, 100 और 50 रुपये के कुल 1,323 जाली नोट पाए गए। हरियाणा के हिसार निवासी एवं मंगल पांडेय नगर शाखा के बैंक प्रबंधक सरताज सिंह ने 16 सितंबर को एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति से लिखित शिकायत की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल लाइन थाने में आपराधिक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। पुलिस टीम ने बैंक पहुंचकर चेस्ट में कैश एंट्री और वेरिफिकेशन प्रक्रिया को समझा। अब पुलिस 186 शाखाओं की सूची के आधार पर यह पता लगा रही है कि जाली नोट किन-किन विशिष्ट शाखाओं और खातों के जरिए प्रणाली में दाखिल किए गए। इन तीन राज्यों की 186 शाखाओं से जुड़ा है नेटवर्क

प्रबंधक द्वारा पुलिस को सौंपी गई सूची के अनुसार, मेरठ की इस करेंसी चेस्ट से तीन पड़ोसी राज्यों की कुल 186 बैंक शाखाएं जुड़ी हुई हैं। इन सभी शाखाओं का कैश इसी चेस्ट में जमा कराया जाता है। जाली नोट सप्लाई के इस नेटवर्क के तार निम्नलिखित प्रमुख शहरों से जुड़ रहे हैं? इनमें उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर, बिजनौर, हापुड़, बुलंदशहर, गाजियाबाद, मुरादाबाद, उत्तराखंड की रुड़की, काशीपुर, हरिद्वार, हल्द्वानी, देहरादून के अलावा हरियाणा की सोनीपत, पानीपत, अंबाला की शाखाएं भी शामिल हैं।

। एटीएस/एनआईए को सौंपी जा सकती है जांच

इस नकली नोटों के मामलों के लिए सिविल लाइन थाने को नोडल थाना बनाया गया है। पुलिस अब मेरठ और आसपास के जिलों में दर्ज पुराने मामलों के रिकॉर्ड्स भी खंगाल रही है, जिनकी जांच पूर्व में क्राइम ब्रांच और एटीएस कर चुकी हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों सहारनपुर के पंजाब नेशनल बैंक करेंसी चेस्ट से 17.29 करोड़ रुपये के जाली नोट मिलने के वृहद मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि तीन राज्यों में फैले इस जाली नोट नेटवर्क के तार अंतरराष्ट्रीय गिरोहों से जुड़े हो सकते हैं, इसलिए मेरठ मामले की जांच भी आगे चलकर एटीएस या एनआईए को सौंपी जा सकती है।

फेडरेशन भवन में लगा स्वास्थ्य का महाकैंप, उद्यमियों और परिवारों ने कराई जांच

हार्ट जांच से लेकर फाइब्रोस्कैन, ईसीजी, बीपी-शुगर, नेत्र-दंत व अन्य विशेषज्ञ सेवाओं का मिला लाभ, रक्तदान कर युवाओं ने दिया सामाजिक सरोकार का संदेश

मुजफ्फरनगर। फेडरेशन ऑफ मुजफ्फरनगर कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफएमसीआई) की ओर से फेडरेशन भवन में आयोजित विशेष मेडिकल कैंप में उद्यमियों, उनके परिवारजनों, उद्योगों के मैनेजर्स और उनके परिवारों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। बरसात और औद्योगिक क्षेत्र में व्यस्त कार्यक्रमों के बावजूद कैंप में लोगों की उत्साहजनक भागीदारी रही। कैंप में स्वास्थ्य जांच के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें युवाओं और उद्यमी परिवारों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। कैंप में एसकेबी आरोग्यम के सहयोग से विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराईं। प्रतिभागियों की हार्ट संबंधी जांच के साथ ईसीजी, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और

विभिन्न प्रकार की रक्त जांच की गई। लिवर की स्थिति की जांच के लिए विशेष रूप से फाइब्रोस्कैन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिसका बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया। इसके अलावा बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज और रोटरी की ओर से संचालित मेडिकल वैन के माध्यम से भी लोगों को विभिन्न चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। मेडिकल वैन में नेत्र जांच, दंत जांच, ईएनटी, ऑर्थोपेडिक और जनरल मेडिसिन से संबंधित चिकित्सकीय परामर्श एवं जांच की सुविधा दी गई। एफएमसीआई की ओर से आयोजित इस कैंप में केवल उद्यमियों को ही नहीं, बल्कि उनके परिवारजनों और उद्योगों में कार्यरत मैनेजर्स तथा उनके परिवारों को भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के लिए जोड़ा गया। व्यस्त औद्योगिक जीवन के बीच परिवार सहित स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे लोगों ने आयोजन की सराहना की। कैंप में डॉ. अनुराधा अग्रवाल पैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक सेंटर की संस्थापक तथा एसकेबी आरोग्यम के संस्थापक एवं संचालक अभिनव बंसल भी मौजूद रहे। उन्होंने कैंप की व्यवस्थाओं और स्वास्थ्य जांच से संबंधित कार्यों का जायजा लिया। मेडिकल कैंप के दौरान रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। इसमें युवाओं और उद्यमी परिवारों के सदस्यों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। आयोजकों ने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता के साथ जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में रक्तदान भी महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा है। कैंप में रक्तदान करने वाले लोगों ने दूसरों को भी नियमित रूप से रक्तदान के लिए प्रेरित किया। एफएमसीआई के सचिव अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि आज के व्यस्त औद्योगिक जीवन में उद्यमी अपने कारोबार और अन्य जिम्मेदारियों में इतने व्यस्त रहते हैं कि कई बार स्वयं और परिवार के स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल पाते। इसी को ध्यान में रखते हुए फेडरेशन की ओर से विशेष मेडिकल कैंप आयोजित किया गया, ताकि उद्यमियों के साथ उनके परिवारों और उद्योगों के मैनेजर्स व उनके परिवारों को भी एक ही स्थान पर स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श मिल सके।।उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों का परिवार सहित कैंप में पहुंचना इस बात का संकेत है कि लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग चलाने के साथ स्वयं और परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से कई बीमारियों की शुरूआती अवस्था में पहचान की जा सकती है और समय रहते चिकित्सकीय सलाह एवं उपचार लिया जा सकता है।

दहेज में कार और पांच लाख रुपये नहीं मिले तो विवाहिता को घर से निकाला

15 लाख रुपये का दहेज देने के बाद भी ससुराल वालों पर मारपीट और उत्पीड़न का आरोप, ससुर पर छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास का भी आरोप, खतौली कोतवाली में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। खतौली कोतवाली क्षेत्र की एक विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग को लेकर लंबे समय से मारपीट और मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। विवाहिता के अनुसार, शादी में मायके वालों ने करीब 15 लाख रुपये का सामान, जेवर, नकदी, घरेलू सामान और मोटरसाइकिल दी थी, लेकिन ससुराल वाले इससे संतुष्ट नहीं हुए। पति को बड़ा ठेकेदार बताते हुए स्विफ्ट डिजायर कार और पांच लाख रुपये नकद की मांग की गई। मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को गर्भावस्था के दौरान घर से निकाल दिया गया। विवाहिता ने ससुर पर अश्लील हरकत करने और दुष्कर्म के प्रयास का भी आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर खतौली कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। खतौली क्षेत्र निवासी विवाहिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 8 दिसंबर 2022 को शाहपुर क्षेत्र के गांव शौरो (सौरम) निवासी संजय कुमार के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। विवाहिता के मुताबिक, शादी में उसके माता-पिता ने घरेलू उपयोग का सामान, कपड़े, फर्नीचर, जेवर, बर्तन, नकदी और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल समेत करीब 15 लाख रुपये खर्च किए थे। आरोप है कि शादी के बाद पति, ससुर और सास दिए गए दहेज से खुश नहीं थे और अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। कार और पांच लाख रुपये की मांग तहरीर के अनुसार, ससुराल पक्ष के लोग कहते थे कि पति बड़ा ठेकेदार है और उसे कम से कम स्विफ्ट डिजायर कार मिलनी चाहिए थी। इसी बात को लेकर विवाहिता के साथ कथित तौर पर मारपीट की जाती रही। विवाहिता का कहना है कि उसने परिवार की इज्जत की खातिर काफी समय तक उत्पीड़न सहन किया।

गर्भावस्था में घर से निकालने का आरोप

विवाहिता ने आरोप लगाया कि मई 2023 में गर्भवती अवस्था में उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। उसे कहा गया कि यदि ससुराल में रहना है तो स्विफ्ट डिजायर कार और पांच लाख रुपये नकद लेकर आना होगा। इसके बाद उसका भाई उसे मायके खतौली ले आया। 9 सितंबर 2023 को खतौली स्थित एक नर्सिंग होम में ऑपरेशन से उसने बेटे को जन्म दिया। विवाहिता के अनुसार, बच्चे के जन्म की जानकारी मिलने के बावजूद पति और ससुराल पक्ष के लोग उसका हाल जानने तक नहीं आए। प्रसव का पूरा खर्च उसके पिता ने उठाया। विवाहिता के पिता, चाचा और अन्य परिजनों ने ससुराल पहुंचकर परिवार को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि ससुराल वाले कार और पांच लाख रुपये की मांग पर अड़े रहे। काफी समझाने के बाद फरवरी 2024 में पति और उसका भाई विवाहिता को बच्चे के साथ वापस ससुराल ले गए। विवाहिता का आरोप है कि कुछ दिन बाद फिर उसके साथ मारपीट और मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न शुरू कर दिया गया तथा अतिरिक्त दहेज की मांग दोहराई गई। तहरीर में विवाहिता ने आरोप लगाया कि 10 अप्रैल 2024 को शाम करीब चार बजे उसका पति काम पर गया हुआ था। इसी दौरान उसके ससुर ने कथित तौर पर उसके साथ अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे बिस्तर पर गिराकर दुष्कर्म का प्रयास किया गया। विवाहिता के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि लोगों को आता देखकर ससुर वहां से भाग गया।

भोकरहेड़ी में एसबीआई ब्रांच में चोरी का प्रयासः शटर के ताले में आग लगाकर तोड़ने की कोशिश, सीसीटीवी में कैद हुए तीन संदिग्ध

घटना से ग्रामीणों में रोष व्याप्त, व्यापारियों में दहशत

मोरना (मुजफ्फरनगर)। थाना भोपा क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा भोकरहेड़ी के मुख्य बाजार में रविवार देर रात बेखौफ बदमाशों ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मिनी ब्रांच (ग्राहक सेवा केंद्र) को निशाना बनाने का प्रयास किया। शातिर चोरों ने शटर पर लगे ताले को गलाने और तोड़ने की नीयत से उसमें आग लगा दी। हालांकि, चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके, लेकिन इस दुस्साहसिक वारदात से क्षेत्र के व्यापारियों और ग्रामीणों में भारी हड़कंप मच गया है। पूरी वारदात सामने स्थित एक क्लीनिक पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

भोकरहेड़ी के मोहल्ला लोकुपुरा उत्तरी निवासी लवकुमार कस्बे के मुख्य बाजार में एसबीआई की मिनी ब्रांच (ग्राहक सेवा केंद्र) संचालित करते हैं, जहां प्रतिदिन दर्जनों ग्रामीण पैसों के लेनदेन

के लिए आते हैं। रोजमर्रा की भांति रविवार सुबह जब लवकुमार अपना केंद्र खोलने पहुंचे, तो शटर के ताले की हालत देखकर दंग रह गए। ताले पर गहरे धुएं और आग के निशान साफ नजर आ रहे थे। ताले को आग लगाकर पिघलाने या तोड़ने का प्रयास किया गया था।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई चोरों की शातिर करतूत

मामले की गंभीरता को देखते हुए जब आसपास लगे कैमरों की पड़ताल की गई, तो सामने स्थित एक चिकित्सक के क्लीनिक के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में पूरी वारदात उजागर हुई। देर रात करीब तीन संदिग्ध युवक मिनी ब्रांच के बाहर मंडराते दिखे। पहचान छिपाने के लिए संदिग्धों ने पहले क्लीनिक के बाहर लगा बिजली का बल्ब निकालकर सड़क किनारे रख दिया। इसके बाद उन्होंने सीसीटीवी कैमरे की दिशा घुमाने का प्रयास किया। कैमरे से बचने की कोशिशों के बीच उन्होंने ताले में आग लगाकर शटर तोड़ने की मशक्कत की।

डायल-112 पुलिस पहुंची मौके पर, जांच शुरू

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित संचालक लवकुमार ने तुरंत डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना भोपा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने आसपास के लोगों और दुकानदारों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई तथा सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। व्यापारियों में आक्रोश, गश्त बढ़ाने की मांग

मुख्य बाजार में बैंक की मिनी ब्रांच में इस तरह चोरी के प्रयास की घटना से स्थानीय व्यापारियों में असुरक्षा का माहौल व्याप्त हो गया है। व्यापारी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कस्बे के व्यापारी संगठन और स्थानीय दुकानदारों ने पुलिस के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि मुख्य बाजार क्षेत्र में रात के समय पुलिस पिकेट और गश्त को तत्काल बढ़ाया जाए। सीसीटीवी में दिख रहे तीनों संदिग्धों की पहचान कर घटना का शीघ्र से शीघ्र खुलासा किया जाए और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। पुलिस प्रशासन का कहना है कि फुटेज के आधार पर संदिग्धों की सुरागकशी की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने धान की फसल को पहुंचाया नुकसान, 72 घंटे में दर्ज कराएं शिकायत

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मिलेगा क्षतिपूर्ति का लाभ, जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से की तत्काल सूचना देने की अपील

मुजफ्फरनगर। बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम की मार से धान समेत अन्य फसलों को नुकसान होने की स्थिति में किसानों को राहत दिलाने के लिए कृषि विभाग ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। जिला कृषि अधिकारी राहुल तेवतिया ने किसानों से अपील की है कि यदि उनकी बीमित फसल को प्राकृतिक आपदा अथवा प्रतिकूल मौसम के कारण नुकसान हुआ है तो वे बिना देरी किए इसकी शिकायत दर्ज कराएं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल क्षति का लाभ लेने के लिए घटना के 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी को सूचना देना अनिवार्य है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जनपद में इन दिनों प्रतिकूल मौसम, तेज हवाओं और असमय बारिश के कारण धान की फसल प्रभावित होने की स्थिति बन रही है। कई स्थानों पर खेतों में खड़ी फसल गिरने अथवा बारिश से प्रभावित होने पर किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे में जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसल का बीमा कराया है, वे फसल को हुए नुकसान की सूचना निर्धारित समय के भीतर संबंधित बीमा कंपनी तक पहुंचाएं।

फसल खराब होने पर किसान घबराएं नहीं, समय पर करें शिकायत

कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि बारिश, तेज हवा या अन्य प्राकृतिक आपदा से फसल को नुकसान होने पर किसान घबराएं नहीं और शिकायत दर्ज कराने में किसी प्रकार की देरी न करें। नुकसान की सूचना समय से मिलने पर संबंधित स्तर से फसल का सर्वे कराया जा सकेगा और नियमानुसार क्षतिपूर्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकेगी। अधिकारियों के अनुसार फसल नुकसान की सूचना घटना के 72 घंटे के भीतर देना जरूरी है। निर्धारित समय सीमा के बाद दी गई सूचना पर नियमानुसार विचार किया जाना संभव नहीं हो सकता। इसलिए किसानों से अपील की गई है कि फसल में नुकसान दिखाई देते ही तत्काल इसकी सूचना दर्ज कराएं। 14447 टोल-फ्री नंबर पर दर्ज करा सकते हैं शिकायत

किसान फसल नुकसान की सूचना दर्ज कराने के लिए 14447 टोल-फ्री नंबर पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा किसान अपने स्मार्टफोन के माध्यम से क्रॉप इंश्योरेंस ऐप (फसल बीमा ऐप) पर भी नुकसान का विवरण दर्ज करा सकते हैं। किसान ऐप के माध्यम से फसल में हुए नुकसान की फोटो और अन्य जरूरी जानकारी अपलोड कर सकते हैं।

बैंक और कृषि विभाग के अधिकारियों से भी कर सकते हैं संपर्क

कृषि विभाग ने बताया कि किसान अपने क्षेत्र की संबंधित बैंक शाखा, कृषि विभाग के अधिकारी अथवा फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से संपर्क कर लिखित रूप में भी फसल नुकसान की सूचना दे सकते हैं। किसानों को सलाह दी गई है कि शिकायत दर्ज कराने के दौरान फसल में हुए नुकसान से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि नुकसान का सर्वे कराने की प्रक्रिया समय से शुरू की जा सके।

निःशुल्क मेडिकल कैंप एवं रक्तदान शिविर में मरीजों की जांच, लोगों ने बड़ी संख्या में किया रक्तदान

युवा पंजाबी संगठन ने स्वर्गीय हीरा लाल लूथरा एवं अंजला लूथरा की पुण्य स्मृति में लगाया 22वां शिविर

मुजफ्फरनगर। युवा पंजाबी संगठन, सम्बद्ध पंजाबी संगठन उत्तर प्रदेश रजि., की ओर से स्वर्गीय हीरा लाल लूथरा एवं स्वर्गीय अंजला लूथरा की पुण्य स्मृति में 22वां निःशुल्क मेडिकल कैंप एवं रक्तदान शिविर रविवार को गांधी कॉलोनी बारात घर, पचेंडा रोड पर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और रक्तदान कर सामाजिक सेवा में अपना योगदान दिया।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. सुधीर लूथरा, डॉ. अनिल कक्कड़, डॉ. विभोर जैन, डॉ. करण मारवाह एवं डॉ. सिद्धार्थ कथूरिया ने मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की। चिकित्सकों ने जांच के बाद मरीजों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए लोगों की

भीड़ रही। रक्तदान शिविर में भी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवाओं सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने की मुहिम में सहयोग किया। आयोजकों ने रक्तदान करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप, वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. एम.के. बंसल तथा वरिष्ठ समाजसेवी कुंज बिहारी अग्रवाल मौजूद रहे।

अतिथियों ने शिविर का निरीक्षण किया तथा स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे लोगों एवं रक्तदाताओं से बातचीत की। उन्होंने युवा पंजाबी संगठन द्वारा लंबे समय से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और रक्तदान जैसे आयोजन समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद उपयोगी हैं। ऐसे आयोजनों से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ ही रक्तदान के प्रति भी सकारात्मक संदेश जाता है। शिविर के आयोजन में संगठन के संस्थापक अनिल अरोड़ा, राजेन्द्र कुमार, जुगल किशोर खत्री एवं कुलदीप कपिश का विशेष योगदान रहा। संगठन के चेयरमैन रितेश नागपाल, अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा, सचिव प्रशान्त मक्कड़, कोषाध्यक्ष गगनदीप सिंह, पवन अरोरा, पंकज अपवेजा एवं रत्नाकर सिंह कोहली सहित अन्य पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं को संभाला।

आयोजन को सफल बनाने में नवनीत लौ, नीरज मुंजाल, नवदीप सिंह चड्ढा, पंकज अपवेजा एवं संदीप मटरोजा ने सहयोग किया। शिविर में स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे मरीजों को चिकित्सकों द्वारा आवश्यक परामर्श दिया गया, जबकि रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ रक्तदान किया।

सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया के मार्गदर्शन और कर्मठ कार्यशैली से लगातार सुधर रही स्वास्थ्य सेवाएं

रविवार को भी मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का निरीक्षण, मरीजों से सीधे संवाद कर जानी व्यवस्थाओं की स्थिति

मुजफ्फरनगर। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, प्रभावी और जनहितकारी बनाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया के मार्गदर्शन में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उनकी कर्मठ कार्यशैली, सक्रिय निगरानी, बेहतर समन्वय और आमजन के प्रति सहज एवं संवेदनशील व्यवहार का सकारात्मक प्रभाव जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में लगातार दिखाई दे रहा है। डॉ. तेवतिया की कार्यशैली की विशेषता यह है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को केवल कार्यालय तक सीमित रखकर नहीं देखते, बल्कि स्वयं क्षेत्र में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हैं। इसी क्रम में रविवार को भी उन्होंने मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भरतिया कॉलोनी, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरी, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खालापार तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ब्रह्मपुरी का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों से सीधे संवाद कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य

सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक मरीज को सम्मानजनक व्यवहार के साथ समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार, आवश्यक जांच और उचित परामर्श उपलब्ध कराया जाए। मरीजों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया की कार्यशैली में नियमित निरीक्षण और जमीनी स्तर पर निगरानी को विशेष महत्व दिया जाता है। कार्यदिवसों के साथ-साथ अवकाश के दिनों में भी उनका स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य कार्यक्रमों का निरीक्षण करना उनकी कर्मठता और जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उनका अधिकारियों, चिकित्सकों, कर्मचारियों और आमजन के साथ सहज, सहयोगात्मक एवं सम्मानजनक व्यवहार विभाग में बेहतर समन्वय और सकारात्मक कार्यसंस्कृति बनाने में सहायक बन रहा है। वे स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ निरंतर संवाद करते हुए योजनाओं की प्रगति और जमीनी स्तर पर आने वाली समस्याओं की जानकारी लेते हैं तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हैं।

डॉ. सुनील तेवतिया की सक्रिय कार्यशैली, बेहतर व्यवहार और पूरी स्वास्थ्य टीम के साथ निरंतर समन्वय का असर जिले के स्वास्थ्य विभाग के प्रदर्शन में भी देखने को मिल रहा है। अधिकारियों और कर्मचारियों को साथ लेकर चलने तथा योजनाओं की नियमित समीक्षा और जमीनी निगरानी पर जोर देने से स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में निरंतर सुधार हो रहा है। इसी सामूहिक प्रयास का परिणाम है कि मुजफ्फरनगर जनपद स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रदेश की अग्रणी स्थिति वाले जिलों में लगातार अपनी जगह बनाए हुए है। स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों में बेहतर प्रदर्शन ने जनपद की प्रदेश स्तर पर मजबूत पहचान बनाई है। विभागीय उपलब्धियों के पीछे प्रभावी नेतृत्व, टीम भावना, नियमित निगरानी और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ बेहतर समन्वय को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। डॉ. तेवतिया के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग का फोकस केवल आंकड़ों और लक्ष्यों तक सीमित न रहकर मरीजों को वास्तविक रूप से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर है। उनकी कार्यशैली में अनुशासन के साथ संवाद और सहयोग को भी विशेष महत्व दिया जाता है।

बारिश के चलते जर्जर मकान की छत भरभराकर गिरी, मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार

मीरापुर। कस्बे के मोहल्ला मुश्तर्क वार्ड एक में लगातार हो रही बारिश के चलते एक जर्जर मकान की छत गिर गई। हादसे में मकान में रखा सामान क्षतिग्रस्त होने से परिवार को काफी नुकसान हुआ। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार अजय सिंह और लेखपाल ओमवीर सिंह मौके पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया। बताया गया कि मोहल्ला मुश्तर्क निवासी रईसा पत्नी जान मोहम्मद का मकान कड़ियों का बना हुआ है और काफी समय से जर्जर हालत में था। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय कोई व्यक्ति छत के नीचे मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। छत गिरने की सूचना पर वार्ड सभासद के पुत्र सुबोध मौके पर पहुंचे और उन्होंने नायब तहसीलदार अजय सिंह तथा लेखपाल ओमवीर सिंह

को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही दोनों अधिकारी मौके पर पहुंचे और मकान की स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। लेखपाल ओमवीर सिंह ने बताया कि मकान के क्षतिग्रस्त होने की रिपोर्ट तैयार कर प्रशासन को भेज दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं सुबोध ने बताया कि रईसा का प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भी फार्म भरवाया गया है, जिसकी अभी जांच नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि महिला योजना की पात्र हैं और जल्द ही उनका पक्का मकान बनवाने का प्रयास किया जा रहा है।

दवा व्यापारियों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देंगेः संजीव बालियान

केंद्र और प्रदेश सरकार दवा व्यापारियों के साथ, समस्याओं के जल्द समाधान का दिया भरोसा

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की वार्षिक एवं शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन आशीर्वाद बैंकट हॉल, जानसठ रोड, नई मंडी में भव्य एवं जोरदार तरीके से किया गया। कार्यक्रम में जिले के अलावा अन्य जनपदों से आए बड़ी संख्या में दवा व्यापारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में दवा व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं, औषधि विभाग से जुड़ी प्रक्रियाओं तथा व्यापारियों की प्रमुख मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री ओसीडीयूपी सुभाष चौहान, कार्यवाहक महामंत्री दिव्या प्रताप सोलंकी, कोषाध्यक्ष सतीश तायल एवं समस्त कार्यकारिणी के सौजन्य से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार डॉ. संजीव बालियान, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिलदेव अग्रवाल तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सुरेश राणा रहे।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, मुजफ्फरनगर के प्रसिद्ध नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ सर्जन डॉ. प्रखर गोयल तथा न्यूरोफिजिशियन डॉ. विजय सैनी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा पटका पहनाकर, फूलमाला एवं बुके भेंट कर स्वागत किया गया।

दवा व्यापारियों के साथ अन्याय नहीं होने देंगेः संजीव बालियान व सुरेश राणा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संजीव बालियान एवं सुरेश राणा ने कहा कि दवा व्यापारी स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार दवा व्यापारियों की समस्याओं के प्रति गंभीर है और व्यापारियों की जायज समस्याओं को संबंधित स्तर पर उठाकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा।

मंत्री स्वतंत्र ने भी दवा व्यापारियों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक सहयोग का

आश्वासन दिया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि व्यापारियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उचित मंच पर अपनी बात रखनी चाहिए और शासन स्तर की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सहायक आयुक्त औषधि सहारनपुर मंडल नरेश मोहन दीपक एवं जिला औषधि निरीक्षक मुजफ्फरनगर विमल देशबंधु ने दवा व्यापारियों को संबोधित किया। उन्होंने औषधि कारोबार से संबंधित नियमों, विभागीय प्रक्रियाओं एवं आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी तथा व्यापारियों की समस्याओं पर भी चर्चा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुभाष चौहान ने की। संचालन संगठन के संस्थापक चेयरमैन प्रमोद मित्तल, चेयरमैन सतपाल सिंह एवं हरीश गुप्ता ने किया। कार्यशाला में दवा व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के सामने रखा। व्यापारियों ने मांग की कि लाइसेंसधारी दवा व्यापारियों को अनावश्यक चेकिंग के नाम पर परेशान नहीं किया जाए। कंपनियों द्वारा ब्रेकिज एवं एक्सपायरी की समय सीमा बढ़ाई जाए तथा कंपनियों द्वारा व्यापारियों का उत्पादन बंद किए जाने की व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक कार्रवाई की जाए।

व्यापारियों ने 10 वर्ष से अधिक पुराने मेडिकल स्टोर संचालकों के यहां फार्मासिस्ट की अनिवार्यता समाप्त किए जाने की मांग रखी। साथ ही बिना लाइसेंस दवा की दुकान अथवा डिस्पेंसरी संचालित करने वालों के खिलाफ ड्रग विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाने की मांग की गई।

दवा व्यापारियों ने कंपनियों द्वारा मेडबॉल सिस्टम एवं डायरेक्ट हॉस्पिटल सप्लाई को बंद करने, भारत में ऑनलाइन दवा व्यापार बंद करने तथा ड्रग लाइसेंस ऑनलाइन स्वीकृत करने की समय सीमा निर्धारित करने की मांग भी रखी।

व्यापारियों ने यह भी मांग की कि हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान एवं अन्य राज्यों की ड्रग विभाग की टीमें मुजफ्फरनगर प्रशासन को सूचित किए बिना तथा स्थानीय ड्रग अधिकारी की मौजूदगी के बिना किसी व्यापारी के यहां निरीक्षण न करें।

केले की उन्नत खेती

केले की व्यवसायिक प्रजातियां

ड्वार्फ केवेन्डिस (भुसावली, बसराई, मारिसस, काबुली, सिन्दुरानी, सिंगापुरी जहाजी, मोरिस) यह प्रजाति म.प्र. महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार एवं कर्नाटक की जलवायु के लिये बहुत उपयुक्त पायी गयी है. इस प्रजाति से चयन कर गनदेवी सिलेक्शन (हनुमान) अथवा पाडर्से नाम की जातियां विकसित की गई हैं जिनकी उत्पादन क्षमता 20-25 कि.ग्रा. प्रति पौधा है इस प्रजाति का पौधा बोना किस्म का 1.5-1.8 मीटर ऊंचा होता है फल बड़े, मटमैले पीले या हरेपन लिये हुए पीला होता है. पत्तियां चौड़ी एवं पीली होती हैं औसतन 9-10 हेण्ड प्रति बंच (गुच्छा) होता है. औसत फिंगर की लम्बाई 20 से.मी. एवं मोटाई 10 से.मी.होती है.

जातियां

रोबस्टा (एएए), रस्थली (सिल्क एएबी), पूवन (एबी) करपूरावल्ली (एबीबी), नेन्द्रन (प्लान्टेन एबी)

केले की उन्नत संकर प्रजातियां

(1) एच-1 (अग्निस्वार+पिसांग लिलिन)- यह लीफ स्पॉट फ्युजेरियम बीमारी निरोधक कम अवधि वाली उपर्युक्त किस्म है. यह बरोइंग सूत्रकृमि के लिये अवरोधक है. इस संकर प्रजाति का पौधा मध्यम ऊंचाई 14-16 कि.ग्रा. का बंच होता है. फल लम्बे, पकने पर सुनहरे, पीले रंग के हो जाते हैं. हल्का खट्टा तथा मीठा खट्टी महक पकने पर आते है. यह किस्म जड़ी फसल के लिये उपयुक्त तीन वर्ष के फसल चक्र में चार फसलें ली जा सकती हैं.

रोपण सामग्री

केला रोपण हेतु तलवारनुमा आकार के अंत:भूस्तरीय जिनकी पत्तियां सकरी होती हैं. जिनको बीज के उपयोग में लाया जाता है. तीन माह पुराना सकर्स जिसका वजन 700 ग्राम से 1 कि.ग्रा. तक रोपण के लिये उपर्युक्त होते हैं.

अंतरवर्तीय फसल

मृग बहार

इस फसल की रोपाई मई-जून महीने में की जाती है. जिसमें केले के साथ, मूंग, भिंडी, टमाटर, मिर्च, बैंगन इत्यादि फसलें ले सकते हैं.

कांदा बहार

इस बहार के अंतर्गत आलू, प्याज, टमाटर, धनिया, बैंगन की फसलें ली जा सकती हैं.

केले की फसल में सस्य क्रियाएं

केले की फसल में पौधों की जड़ों पर मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. क्योंकि केले की जड़े अधिक गहरी नहीं जाती हैं. इसलिये पौधों को सहारा देने के लिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है. कभी-कभी कंद बाहर आ जाते है. जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है. इसलिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है.

मल्चिंग

जमीन से जल वाष्पीकरण तथा खरपतवार द्वारा ह्रास होता है. तथा भूमि से पोषक तत्व भी खरपतवारों द्वारा लिये जाते है भूमि जल के वाष्पीकरण एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु प्लास्टिक सीट पौधे की जड़ों के चारों ओर लगाने से उपरोक्त क्षति से बचाव हो जाता है. इसके अतिरिक्त गन्ने के छिलके, सूखी घास, सूखी पत्तियां एवं गुड़ाई करने से जल ह्रास कम हो जाता है.

प्लास्टिक की काली पॉलीथिन की मल्चिंग करने पर उत्पादकता में वृद्धि होती है.

अंत:भूस्तरी (सकर्स) निकालना

जब तक केले के पौधे में पुष्प गुच्छ न निकल पाएं तब तक सकर्स को नियमित रूप से काटते रहे. पुष्पण जब पूर्ण हो जावे तो एक सकर्स को रखा जाए तथा शेष को काटते रहे. यह ध्यान रखें कि एक वर्ष की अवधि तक एक पौधे के साथ एक सकर्स को ही बढ़ने दिया जाए वह जड़ी (रेटून) की फसल के रूप में उत्पादन देगा, बंच के निचले स्थान में जो नर मादा भाग है इसे काटकर उसमें बोर्डोपेस्ट लगा दिया जाए.

सहारा देना

जिन किस्मों में बंच का वजन काफी हो जाता है. तथा स्युडोस्टेंडम के टूटने की संभावना रहती है. इसे बल्ली का सहारा देना चाहिये, केले के पत्ते से उसके डंठल को ढक दिया जाये.

पौधों को काटना

केला बंच पुष्पण से 110 से 130 दिनों में काटने योग्य हो जाते हैं. बंच काटने के पश्चात पौधों को धीरे-धीरे काटें, क्योंकि इस क्रिया से मातृप्रकंद के पोषक तत्व जड़ी वाले पौधे को उपलब्ध होने लगते है. फलस्वरूप उत्पादन अच्छा होने की संभावना बढ़ जाती है.

जल प्रबंधन

केले की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. केले के पत्ते बड़े-चौड़े होते हैं. एक पौधे के पत्तों का कुल क्षेत्रफल 50-60 वर्गमीटर होता है. इसलिए बड़े पैमाने पर पानी की वाष्पीकरण उत्सर्जन होने से केले को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. केले के पूर्ण वर्धित झाड़ों को प्रतिदिन 12-15 लीटर पानी की आवश्यकता होती है.ड्रिप पद्धति से सिंचाई करने पर 60 प्रतिशत पानी की बचत होती है.

भूमि की तैयारी एवं रोपण पद्धति

खेत की जुताई कर मिट्टी को भुर-भुरी बना लेना चाहिए जिससे भूमि का जल निकास उचित रहें तथा कार्बनिक खाद ह्यूमस के रूप में प्रचुर मात्रा में हो इसके लिये हरी खाद की फसल ले.

पौध अंतराल

कतार से कतार की दूरी 1.8 मीटर, पौधे से पौधे की दूरी 1.5 मीटर रखते है तथा पौधा रोपण के लिये 45X45X45 से.मी. आकार के गढ्डे खोदें प्रत्येक गढ्डे में 12-15 किग्रा. अच्छी पकी हुई गोबर या कम्पोस्ट खाद रोपण के पूर्व, साथ ही प्रत्येक गढ्डे में 5 ग्राम थीमेट दवा मिट्टी में मिला दें.

बीज उपचार

प्रकंदों को उपचार के पूर्व साफ करें तथा जड़ों को पृथक कर दें 1 प्रतिशत बोर्डो मिक्चर तैयार कर प्रकंदों को उपचारित करें इसके बाद 3-4 ग्राम बाविस्टीन प्रति लीटर पानी का घोल प्रकंदों को 5 मिनिट तक उपचार करें.

खाद एवं उर्वरक की मात्रा एवं देने की विधि

केले की फसल अपने पूरे जीवन चक्र में रोपण 5-7 माह के अंदर प्रति पौधा सिंगल सुपर फास्फेट 1500 ग्राम, यूरिया 470 ग्राम ओर म्यूरेट ऑफा पोटाश 500 ग्राम, कम्पोस्ट खाद 5 कि.ग्रा. प्रति पौधा के हिसाब से दें. कम्पोस्ट खाद एवं फास्फोरस की पूर्ण मात्रा पौधा लगाते समय यूरिया एवं पोटाश डेढ़ माह के अंतराल से छ: माह के अंदर चार बार में दें.

पानी की बचत के साथ करें सिंचाई

सिंचाई की प्रमुख विधियां

सतही सिंचाई विधि

अधिकतर सिंचाई इसी विधि से की जाती है, इसकी प्रचलित उपविधियां इस प्रकार हैं:-

खुला बहाव सिंचाई विधि-इस विधि में सिंचाई करते समय जल को खुला ही ऊंचे-नीचे खेत में छोड़ दिया जाता है, इसमें जल का पूर्ण व सही उपयोग नहीं हो पाता है। इस विधि में जल का 30 प्रतिशत ही उपयोग हो पाता है शेष जल मात्रा बहकर व्यर्थ नष्ट हो जाती है तथा खेतों से समान नमी नहीं मिल पाती है।

नियंत्रित बहाव सिंचाई विधि

इस विधि में खेतों को समतल करने के पश्चात लगभग 4-8 मीटर चौड़ी पट्टियों में बांट दिया जाता है। जल पट्टियों के ऊपरी सिरे से छोड़ा जाता है। जिससे जल पट्टियों में पूरी चौड़ाई में फैलता हुआ बढ़ता है। जब जल की पर्त आखिरी सिरे 15 से 20 प्रतिशत दूर रह जाती है तो इस पट्टी में जल बंद कर दूसरी पट्टी में छोड़ दिया जाता है और यही क्रम निरन्तर चलता रहता है। पट्टी की चौड़ाई व लम्बाई भूमि की किस्म, ढाल पर निर्भर करती है। पट्टी की लंबाई सामान्यत: 50 से 80 मीटर तक रखी जा सकती है। भूमि का ढाल अधिक होने पर जल पट्टी के निचले सिरे पर शीघ्र पहुंच जाता है तथा ऊपर सूखा रह जाता है। अत: रेतीली तथा बलुई भूमि में ढाल अधिकतर 0.2 से 0.5 प्रतिशत तक रखा जाता है जबकि चिकनी भूमि में 0.05 से 0.2 प्रतिशत तक रखा जा सकता है।

क्यारी सिंचाई विधि

इस विधि में बड़ी-बड़ी पट्टियों को छोटी-छोटी क्यारियों में बांट दिया जाता है। जिससे जल का उपयोग अच्छे तरीके से होता है। जिन खेतों में मृदा भारी होती है वहां अंत:सरण धीरे-धीरे होता हैं उन स्थानों पर इस विधि का प्रयोग किया जाता है। इस विधि में सम्पूर्ण खेत में समान नमी, कम पानी से अधिक क्षेत्र की सिंचाई तथा खुला बहाव विधि की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। सामान्यत: क्यारियों का आकार 436,638, 8312 मीटर तक रखा जा सकता है।

थाला सिंचाई विधि

यह विधि सामान्यत: उद्यानों में प्रयोग की जाती हैं इसमें वर्गाकार क्यारी एक अथवा कई पौधों के लिये बनायी जाती है। साधारणत: एक क्यारी में एक ही पौधा लगाया जाता है और सिंचाई की जाती है।

रिंग सिंचाई विधि

इस विधि में प्रत्येक वृक्ष के चारों ओर गोलाकार क्यारी बनायी जाती है। वृक्ष छोटे होने पर क्यारी का आकार भी छोटा तथा वृक्ष बड़े होने पर आकार बड़ा किया जाता है। इसमें जल पूरे क्षेत्र में न फैलकर सीधे पौधों की जड़ों में पहुंचता है। यह विधि भी सामान्यत: उद्यानों के लिये उपयोगी है।

ड्रिप सिंचाई विधि

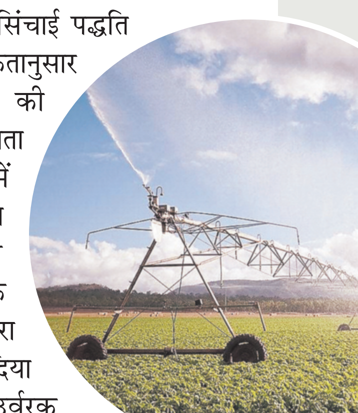

बूंद-बूंद (ड्रिप) सिंचाई पद्धति के द्वारा जल आवश्यकतानुसार बूंद-बूंद सीधे पौधों की जड़ों में ही दिया जाता है। इस पद्धति में सिंचाई जल के साथ खाद-उर्वरक भी पानी में मिलाकर घोल के रूप में ड्रिप रस द्वारा फर्टीगेशन तरीके से दिया जा सकता है। खाद-उर्वरक से होने वाले नुकसान को रोककर 30-40 प्रतिशत खाद की बचत की जा सकती है।

फव्वारा सिंचाई विधि

फव्वारा सिंचाई विधि में जल वर्षा की तरह भूमि या फसल पर गिरता हैं जल के दबाव से बारीक छिद्रों या नोजल से फव्वारा बनता है। इस विधि में जल फसल के पत्तों को धुलते हुए जड़ क्षेत्र के समान रूप से मिलता है। इस पद्धति से लगभग सभी फसलों में सिंचाई कर सकते हैं। लेकिन धान, जूट व बड़े फलदार वृक्षों में इस विधि का उपयोग नहीं किया जा सकता है। इस विधि में 30 से 50 प्रतिशत तक जल की बचत होती है। इस विधि का उपयोग सभी प्रकार की मृदा में कर सकते है, लेकिन महीन कणों वाली (भारी चिकनी) मिट्टी जिसकी जल सोखने की अनुपयुक्त पाई गई है में लाभ कम मिल पाता है। इस विधि का सबसे अधिक लाभ रेतीली भूमि में सिंचाई करने में है।

इस विधि के अन्य लाभ इस प्रकार हैं:

- भूमि का समुचित उपयोग होता है क्योंकि पट्टियां/क्यारियां या गहरे कूंड बनाने की आवश्यकता नहीं होती है।
- ऊंची-नीची भूमि को समतल किये बिना सिंचाई कर सकते हैं।
- अनुदान का लाभ शासकीय विभाग द्वारा कृषकों को फव्वारा सिंचाई सेट पर अनुदान मिलता है। जिससे किसान बंधु लाभ लेकर कम पानी की पद्धति से भरपूर फसल उत्पादन कर सकते है।

कूंड सिंचाई विधि-

इस विधि में पूरे खेत में कूंड व मेढ़ बनाकर सिंचाई की जाती है। कूंड व मेढ़ों पर फसल जैसे- आलू, गन्ना प्याज आदि लगाई जाती है। कूंडों से पानी फसलों के मूल क्षेत्र तक पहुचता है। इस विधि में जल की बहुत बचत होती है।

नोएडा की तर्ज पर नया शहर बसाएगा बीडा, हरियाली को विशेष तरजीह, ट्रेड शो में दिखा बुंदेलखंड का नया विजन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में आयोजित ट्रेड शो में बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास का नया विजन निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) ने ट्रेड शो में प्रस्तावित औद्योगिक शहर का मॉडल और विकास योजना प्रदर्शित की। बीडा के सीईओ संजय कुमार खत्री के नेतृत्व में प्राधिकरण की टीम ने निवेशकों को क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और प्रस्तावित सुविधाओं की जानकारी दी। बीडा की आधिकारिक वेबसाइट पर संजय कुमार खत्री को सीईओ के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

बीडा का प्रस्तावित मास्टर प्लान करीब 62,599 एकड़ क्षेत्र में फैला है। वहीं, पहले चरण में 35,298 एकड़ भूमि के अधिग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। दो चरणों में कुल 56,662 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की योजना बताई गई है।

नोएडा की तर्ज पर विकसित किए जा रहे बीडा क्षेत्र का आकार और प्रस्तावित औद्योगिक विस्तार इसे बुंदेलखंड के लिए बड़े परिवर्तन की योजना बनाता है। नोएडा प्राधिकरण का अधिसूचित क्षेत्र 20,316 हेक्टेयर है, जबकि बीडा का प्रस्तावित मास्टर प्लान क्षेत्रफल करीब 62,599 एकड़ है। ट्रेड शो में बीडा के मॉडल में औद्योगिक क्षेत्रों के साथ आवासीय एवं वाणिज्यिक क्षेत्र, सड़क नेटवर्क, लॉजिस्टिक सुविधाएं, हरित क्षेत्र और नागरिक सुविधाओं की परिकल्पना प्रदर्शित की गई। जिसमें 5700 एकड़ ग्रीन बेल्ट के लिए चिन्हित किया गया है। जबकि इंडस्ट्रियल हब के लिए 32% जगह और ब्लू एंड ग्रीन कॉरिडोर के लिए 27 पर्सेंट भूमि छोड़ी जाएगी। वहीं पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए 15 लाख ट्री प्लांटेशन का लक्ष्य भी बीडा ने रखा है।

क्षेत्र को दिल्ली-एनसीआर और देश के अन्य औद्योगिक केंद्रों से बेहतर कनेक्टिविटी देने पर भी जोर दिया गया है। सीईओ संजय कुमार खत्री के नेतृत्व में बीडा की टीम ने निवेशकों के सामने क्षेत्र में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं को रखा। बीडा क्षेत्र में रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, ईवी, लॉजिस्टिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, टेक्सटाइल और अन्य क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों की संभावनाएं बताई गई हैं।

बीडा की योजना में आधुनिक जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकासी, बिजली, सड़क और अन्य आधारभूत सुविधाओं को भी शामिल किया गया है। जून 2026 में बीडा को प्रस्तावित ग्रीनफील्ड औद्योगिक शहर के लिए पर्यावरणीय मंजूरी भी मिल चुकी है और प्राधिकरण के अनुसार अब विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

ट्रेड शो में बीडा के मॉडल को देखने पहुंचे निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने बुंदेलखंड में प्रस्तावित औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक विकास की जानकारी ली। बुंदेलखंड में बड़े भू-भाग पर सुनियोजित औद्योगिक शहर का विकास क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, निवेश और रोजगार के लिहाज से महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में सामने आ रहा है।

खिड़की बंद करते समय पहली मंजिल से गिरे व्यापारी, मौत

नोएडा। थाना बीटा-2 क्षेत्र में स्थित होटल द ग्रैंड ओसिस में शनिवार देर शाम को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। होटल की पहली मंजिल के कमरे से अचानक नीचे गिर जाने के कारण लखनऊ के 63 वर्षीय व्यापारी हरगोविंद सिंह की मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद होटल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

जानकारी के अनुसार लखनऊ के रहने वाले हरगोविंद सिंह पेशे से व्यापारी थे। वह अपने एक परिचित के साथ ग्रेटर नोएडा आए हुए थे और दोनों थाना बीटा-2 क्षेत्र में स्थित होटल द ग्रैंड ओसिस की पहली मंजिल पर एक कमरे में ठहरे थे। शंनिवर शाम के समय हरगोविंद सिंह कमरे में मौजूद खुली खिड़की को बंद करने के लिए पहुंचे थे। खिड़की बंद करने के दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया। संतुलन खो जाने के कारण वह खिड़की से सीधे नीचे जा गिरे। इतनी ऊंचाई से नीचे गिरने के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े।

अस्पताल में डॉक्टरों ने घोषित किया मृत: घटना की सूचना मिलते ही थाना बीटा-2 की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने बिना देर किए घायल व्यापारी हरगोविंद सिंह को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने मृतक व्यापारी के शव को अपने कब्जे में ले लिया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है।

फोरेंसिक टीम ने मौके से जुटाए साक्ष्य: हादसे की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट भी होटल द ग्रैंड ओसिस पहुंची। फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां से जरूरी साक्ष्य जुटाए।

थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि हरगोविंद सिंह (63) के पिता का नाम कुंदन सिंह था। वह निवासी कल्याणपुर, थाना डुग्गुमबा नॉर्थ, लखनऊ के रहने वाले थे। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि खिड़की बंद करते वक्त संतुलन बिगड़ने की वजह से वह नीचे गिर गए थे। पुलिस ने होटल में मौजूद लोगों और मृतक के साथ ठहरे परिचित से भी बातचीत कर जानकारी ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पार्क वॉकर्स ने चलाया स्वच्छता अभियान एवं किया वृक्षारोपण

नोएडा। सेक्टर-34 स्थित बी-4 पार्क में पार्क वॉकर्स ने एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाकर पार्क परिसर की साफ-सफाई की तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया।

फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 के महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम में पार्क में सैर करने वाले निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान धर्मेन्द्र शर्मा, संजीव महतो,किशोर सक्सेना, विष्णु शंकर पांडेय, संतराज सिंह, अजय रस्तोगी, सुखबीर नौटियाल,संजय शर्मा विमर्श रस्तोगी,विक्रम सिंह, कुंवर रियासत अली, विजय लखचौरा,राजू अवस्थी जितेंद्र कुमार राजेंद्र घोचयात तुषार कुसारी विनोद बिष्ट गजेंद्र कुलश्रेष्ठ जय सिंह अदित शर्मा श्याम यादव, कुश माझी तथा संजय सहित एचसीएल फाउंडेशन से अबू ओवैदा, राजेश रावत, प्रियंका यादव, काफ़िल, नितिन दहलिया एवं विनोद कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बिजली विभाग के खिलाफ गोला-लाठी प्रदर्शन, भूख हड़ताल पर बैठी दो महिला अस्पताल में भर्ती

नोएडा। भारतीय किसान परिषद द्वारा आयोजित धरना रविवार को 21वें दिन भी महिला शक्ति की भारी मौजूदगी और कामगार वर्ग के पुरुषों की उल्लेखनीय भागीदारी के साथ जारी रहा।

आज धरना स्थल पर बिजली विभाग के खिलाफ गोला-लाठी लगाकर प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से सांकेतिक संदेश दिया गया कि यदि डूब क्षेत्र में कामगार वर्ग के लोगों को बिजली उपलब्ध नहीं कराई गई, तो बिजली विभाग के दफ्तर बंद किए जा सकते हैं। तब शहर को यह एहसास होगा कि डूब क्षेत्र में ढाई से तीन लाख लोग बिना बिजली के किस प्रकार अपना जीवन यापन कर रहे हैं। यह कहावत यहां सटीक बैठती है कि 'जिस पर बीतती है, वही जानता है।' यदि पूरा शहर यह समझ ले कि कामगार वर्ग के लोग बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए सरकार के समक्ष अपनी आवाज उठा रहे हैं और सरकार उनकी बात सुनने तक को तैयार नहीं है, तो शायद वह एक मार्मिक संदेश के साथ कामगार वर्ग के साथ खड़ा होगा।

धरना प्रदर्शन के दौरान आज दो महिलाएं भूख हड़ताल के कारण तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराई गई। यह क्रम लगातार 21 दिनों से चल रहा है, परंतु सरकार सुनने को तैयार नहीं है। ऐसे में जल्द ही रणनीति बनाकर कोई निर्णय लिया जाएगा, जिससे सरकार तक आवाज पहुंच सके।

सुखबीर खलीफा ने महिलाओं की पीड़ा देखकर कहा कि सरकार चाहे कुछ भी कर ले, उन्हें जेल में डालें, तन्हाई में डालें या कोई भी हथकंडा अपनाए, लेकिन कामगार वर्ग के लोगों को बिजली मुहैया कराई जाएगी।

दशलक्षण पर्व के समापन पर जैन समाज ने मनाया क्षमावाणी पर्व

नोएडा। दिगम्बर जैन समाज के दस दिवसीय दशलक्षण पर्व (पर्यूषण पर्व) का आयोजन परम पूज्य आचार्य 108 श्री श्रुतसागर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में

इस वर्ष 16 सितंबर से 25 सितंबर तक श्रद्धा, तप, साधना एवं धार्मिक भावना के साथ किया गया। दशलक्षण पर्व जैन समाज का अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण पर्व है।

इन दस दिनों में जैन धर्म के दस लक्षणों–क्षमा, मार्दव (मान का अभाव), आर्जव (छल-कपट से दूर रहना), शौच/शुचिता (पवित्रता), सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य (परिग्रह से दूर रहना) और ब्रह्मचर्य (सदाचार)–की आराधना एवं आत्मचिंतन किया जाता है। इसी कारण दिगम्बर जैन समाज इसे दशलक्षण पर्व के रूप में मनाता है।

दशलक्षण पर्व का समापन अनंत चतुर्दशी एवं क्षमावाणी पर्व के साथ होता है। इस अवसर पर जैन धर्मावलंबी उपवास, तप, साधना, स्वाध्याय एवं धार्मिक आराधना करते हैं। जैन धर्म में अहिंसा को सर्वोच्च धर्म माना गया है तथा जीव मात्र के प्रति दया और करुणा इसकी मूल भावना है।

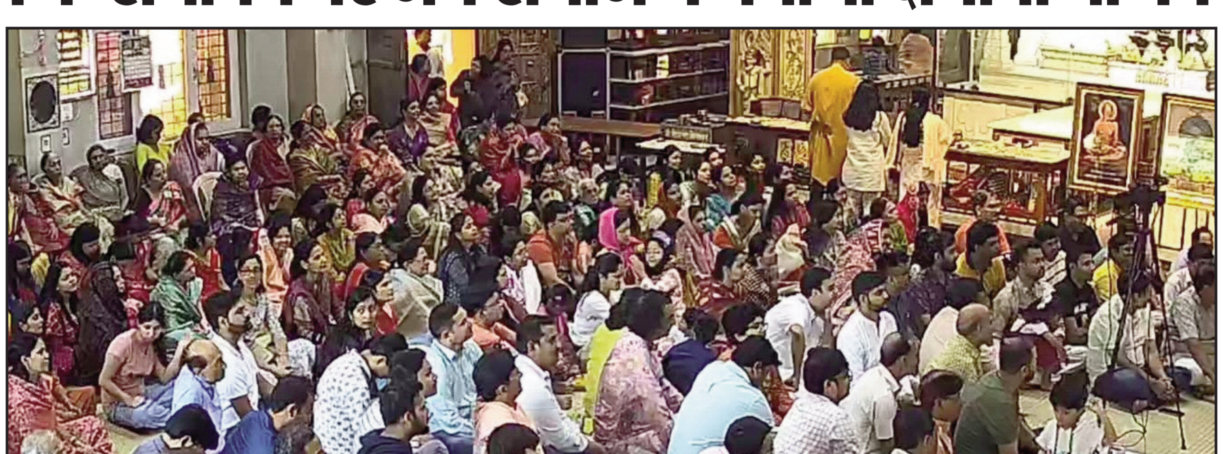

नोएडा के सेक्टर-27 एवं सेक्टर-50 स्थित जैन मंदिरों में क्षमावाणी पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। दोनों मंदिरों में बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला, पुरुष एवं बच्चों ने भाग लिया। धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान लोगों ने आत्मचिंतन करते हुए एक-दूसरे से अपने जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए क्षमा याचना की और परस्पर प्रेम, मैत्री एवं सद्भाव का संदेश दिया।

इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक-दूसरे से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कहते हुए क्षमा मांगी और आपसी मन-मुटाव समाप्त कर प्रेम एवं भाईचारे के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष के के जैन ने कहा कि क्षमावाणी केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, विनम्रता, क्षमा और आपसी सद्भाव का संदेश देने वाला पर्व है। आज के समय में क्षमा एवं अहिंसा की यह भावना समाज में शांति, सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इस अवसर - श्री दिगम्बर जैन भगवान पार्श्वनाथ प्रभावना समिति, सेक्टर-50, नोएडा के परम संरक्षक दिनेश जैन,अरुण जैन, अध्यक्ष प्रदीप जैन,सचिव पंकज जैन कोषाध्यक्ष विपिन जैन, विश्व जैन संगठन नोएडा के अध्यक्ष के के जैन, महासचिव दिनेश जैन, सीएमए पंकज जैन,राजेश जैन,गौरव जैन अनिल जैन तथा बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष व बच्चों ने भाग लिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर जनता से रूबरू हुए विधायक विनय वर्मा

नोएडा। शोहरत गढ़ विधानसभा से विधायक विनय वर्मा ने आज अपने शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ से प्रभावित खैरी शीतल प्रसाद के टोला नकोलडीह , पन्नाडीह, दुलारेडीह, और ग्राम पंचायत तालकुंडा के टोला तमकुहवा में एसडीएम, तहसीलदार व पुलिस प्रशासन के साथ नाव की सहायता से जाकर बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्या को जानने व समझने का प्रयास किया।इस दौरान सम्मानित नकोलडीह वासियों ने सम्पर्क मार्ग पर पुलिया निर्माण व टोले से निकलने के लिए 500 मीटर सड़क बनवाने की मांग किया। जिसे शीघ्र ही बनवाने का आश्वासन उन्होंने दिया। इस दौरान बाढ़ पीड़ितों के फसल के नुकसान का सर्वे करवाकर उन्हें शीघ्र ही मुआवजे की व्यवस्था करवाने के लिए एसडीएम व तहसीलदार को निर्देशित किया। इस अवसर पर विधायक विनय वर्मा ने कहा कि मैं हमेशा अपनी सम्मानित जनता-जनार्दन के साथ उनके हर सुख-दुख में खड़ा हूं।

मतदाता सूची में नाम हटाने के प्रयास को लेकर विकास जैन ने की जिला प्रशासन से जांच की मांग

नोएडा। मतदाता सूची में अपने नाम को लेकर विकास जैन ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला प्रशासन, गौतम बुद्ध नगर को शिकायत सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

विकास जैन ने अपनी शिकायत में कहा है कि उनकी जानकारी के अनुसार पिछले कुछ समय में तीन अवसरों पर उनके नाम को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी मिली है। उनका कहना है कि उनके पहचान एवं निवास संबंधी दस्तावेज उपलब्ध और वैध हैं।

उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि उनके नाम के संबंध में कोई आपत्ति अथवा नाम हटाने का आवेदन कब, किस आधार पर और किस प्रक्रिया के तहत प्रस्तुत किया गया।

विकास जैन की प्रमुख मांगें

1. उनके नाम से संबंधित सभी आपत्तियों एवं नाम हटाने के आवेदनों की जांच की जाए।
2. यदि कोई प्रक्रिया वर्तमान में लंबित है, तो उन्हें नियमानुसार इसकी सूचना दी जाए।
3. उन्हें अपना पक्ष एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का उचित अवसर दिया जाए।
4. उनके पहचान एवं निवास संबंधी दस्तावेजों का आवश्यकतानुसार सत्यापन कराया जाए।
5. यदि जांच में किसी आवेदन में गलत अथवा भ्रामक जानकारी पाए जाने की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाए।
6. यह सुनिश्चित किया जाए कि उनका नाम मतदाता सूची से हटाने संबंधी कोई कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया एवं सत्यापन के बिना न हो।

विकास जैन ने जिला प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया में पात्र नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा और निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक है।

आर्य केन्द्रीय सभा की चुनाव पश्चात् प्रथम बैठक सम्पन्न

मातृशक्ति प्रकोष्ठ सहित हुई कार्यकारिणी के विस्तार की घोषणा एवं परिचयः कृष्ण कुमार यादव

गाजियाबाद। रविवार को आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद द्वारा चुनाव पश्चात् प्रथम बैठक डॉ वीरेन्द्र नाथ सरदाना की अध्यक्षता में आर्य समाज मन्दिर 5/-5,राज नगर में ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना के साथ आरम्भ हुई।महामंत्री कृष्ण कुमार यादव ने गत बैठक की चुनाव कार्यवाही क़ो पढ़ कर सुनाया,जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया।

मंच संचालक महामंत्री कृष्ण कुमार यादव ने मातृशक्ति प्रकोष्ठ सहित नई कार्यकारिणी के विस्तार की घोषणा की एवं परिचय कराया।उन्होंने आगे कहा कि आप सभी के सहयोग से स्वामी दयानन्द जन्मोत्सव एवं ऋषि निर्वाण दिवस,आर्य समाज स्थापना दिवस,ऋषि बोधोत्सव एवं श्रद्धानंद बलिदान दिवस क़ो हर्षोल्लास से मनाएंगे तथा कुछ शिथिल पडे आर्य समाजों को पुनः सक्रिय करना और ज़न जन तक समाज की विचारधारा को सत्य सनातन वैदिक धर्म के बारे में लोगों को जागृत करना और उससे जोड़ना हमारी प्राथमिकता होगी।

जिला सभा के मंत्री सत्यवीर चौधरी ने बताया कि स्वामी श्रद्धानंद शताब्दी बलिदान दिवस पर 25,26 एवं 27 दिसम्बर 2026 को महानगर में भव्य विशाल शोभा यात्रा एवं त्रिदिवसीय आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।ओम पाल शास्त्री ने मातृशक्ति ओर युवाओं को आगे लाने पर बल दिया। विजय पाल कसाना ने यज्ञ महिमा पर सुन्दर विचार रखे।

इस अवसर पर वैदिक विचार धारा को जनजन तक पहुँचाने पर सर्वश्री श्रद्धानन्द शर्मा,डॉ आर के आर्य,वेदव्यास,विजयेन्द्र आर्य, प्रदीप गुप्ता,वेद प्रकाश तोमर, सुरेश आर्य,सेवा राम त्यागी, सतीश आर्य,श्रीमती कविता राठी ने अपने उदगार व्यक्त किये।

कोषाध्यक्ष महिपाल सिंह तोमर ने कहा कि आर्य समाज युवाओं के बीच वैदिक संस्कृति को प्रचारित प्रसारित करने में अपनी वैचारिक शक्ति लगाए,ताकि आने वाली पीढ़ी वैदिक संस्कृति और राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सके। मुख्य रुप से श्रीमती सुमन चौहान,शिल्पा ग़र्ग,डॉ प्रतिभा सिंघल,प्रवीण आर्य, डॉ प्रमोद सक्सेना,सुभाष शर्मा एवं सुरेश प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः अनिल रॉयल

फोनः (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

फेडरेशन ऑफ पंजाबी एसोसिएशंस की जनरल बॉडी मीटिंग में संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय

नोएडा। आज फेडरेशन ऑफ पंजाबी एसोसिएशंस की आयोजित जनरल बॉडी मीटिंग में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा आगामी सामाजिक एवं सेवा कार्यक्रमों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य संरक्षक सुरेंद्र मेहता ने की। इस अवसर पर संरक्षक जसविंदर खोखर, अश्वनी छाबड़ा, सतपाल आनंद, विनोद अरोड़ा एवं सतपाल सचदेवा सहित संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। सभी वरिष्ठ संरक्षकों की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की गई। बैठक में फेडरेशन की सदस्यता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। सदस्यों ने संकल्प लिया कि अधिक से अधिक पंजाबी समाज के लोगों को संगठन से जोड़कर फेडरेशन को एक मजबूत एवं व्यापक सामाजिक संगठन बनाया जाएगा।

हाल ही में आयोजित नेत्र ऑपरेशन कैंप में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों एवं दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों की सेवा के ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

राष्ट्रीय महासचिव सुनील मेहता जी ने फेडरेशन द्वारा अब तक किए गए सामाजिक एवं सेवा कार्यों की जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। उन्होंने भविष्य के कार्यों को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों से निरंतर सहयोग का आह्वान किया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुभाष जैन ने अब तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं सेवा कार्यों का लेखा-जोखा सदस्यों के समक्ष साझा किया। उन्होंने कार्यक्रमों से संबंधित आय-व्यय एवं वित्तीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए संगठन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही के महत्व पर प्रकाश डाला।

बैठक में आगामी सामाजिक एवं सेवा कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सदस्यों ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि फेडरेशन ऑफ पंजाबी एसोसिएशंस को एक मजबूत, संगठित एवं समाजहित में निरंतर सक्रिय संस्था बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

बैठक के दौरान बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया और फेडरेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता ने मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, सभी संरक्षकों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि फेडरेशन की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, सहयोग और सेवा भावना में है तथा सभी के सामूहिक प्रयासों से संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा।

भारत विकास परिषद ने किया राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन

नोएडा। भारत विकास परिषद, स्वर्णिम शाखा, नोएडा के आतिथ्य में रविवार, 27 सितम्बर 2026 को भावराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर-12, नोएडा में प्रान्त स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रान्त की विभिन्न शाखाओं से 26 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी टीमों ने देशभक्ति एवं राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत सुंदर एवं मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने खूब सराहा।

प्रतियोगिता में गाजियाबाद मुख्य शाखा की टीम प्रथम, दादरी शाखा की टीम द्वितीय तथा प्रेरणा शाखा, इन्द्रापुरम की टीम तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, स्वर्णिम शाखा के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने कहा कि समूहगान प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, संस्कार, अनुशासन एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों की शानदार प्रस्तुतियों की सराहना की। शाखा सचिव महेंद्र शाह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शाखा संस्कार संयोजक ओम प्रकाश बंसल ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी शाखाओं एवं टीमों का धन्यवाद करते हुए कहा कि सभी टीमों ने अत्यंत सुंदर प्रस्तुतियाँ देकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीम से महेश बाबू गुप्ता, पवन गौतम एवं राजीव अजमानी, क्षेत्रीय टीम से राजीव गोयल एवं अमित सिंघल तथा प्रान्तीय टीम से कवित बंसल, श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, पी. सी. गुप्ता, अंकुर अग्रवाल, राकेश मित्तल, विमल अग्रवाल, श्रीमती तरुण शर्मा, एवं एन के शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

गुरुकुल में निवेश के नाम पर ठगी, ऑटिज्म बच्चे से बालश्रम कराने और प्रताड़ना का आरोप

नोएडा। सेक्टर-1 स्थित सिद्ध बाबा मंदिर के पास संचालित एक गुरुकुल में दिव्यांग बच्चों के नाम पर संचालकों द्वारा वित्तीय ठगी करने और एक ऑटिज्म पीड़ित नाबालिग से बालश्रम करवाने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर थाना बिसरख पुलिस ने शनिवार को गुरुकुल संचालक दंपती नीरज सिंह व उसकी पत्नी सागरिका नायक, कोषाध्यक्ष पुनीता तथा कुछ अज्ञात रिश्तेदारों के खिलाफप्राथमिकी दर्ज की है।

नोएडा निवासी निवासी राजीव झा का कहना है कि उनका 16 वर्षीय पुत्र जन्म से ही ऑटिज्म नामक विकार से ग्रसित है। उन्होंने वर्ष 2019 में अपने बेटे को सिद्ध बाबा मंदिर बिसरख सेक्टर-1 स्थित हमारा गुरुकुल नामक संस्थान में दाखिल कराया था। इस संस्थान के संचालक नीरज सिंह हैं, जो विहान ग्रीन अपार्टमेंट सेक्टर-1 बिसरख जलालपुर में रहते है। इसी दौरान वर्ष 2023 में नीरज सिंह, उनकी पत्नी सागरिका नायक और गुरुकुल की कोषाध्यक्ष पुनीता ने पीड़ित के घर आकर उन्हें गुरुकुल में धन निवेश करने के लिए प्रेरित किया। आरोपियों के बहकावे में आकर पीड़ित ने करीब 10 लाख रुपये का निवेश गुरुकुल की संस्था में किया। आरोप है कि निवेश की रसीदें भी संचालकों ने पीड़ित को उपलब्ध कराईं। जिनके सरकारी पोर्टल पर दर्ज होने का दावा किया गया। इसके अलावा हर महीने 35 हजार रुपये एश्योर्ड रिटर्न देने की बात भी कही गई थी।

न रिटर्न मिला, न गुरुकुल में हुई कोई प्रगति: 24 महीने पूरे होने के बाद जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने बहानेबाजी शुरू कर दी और लगातार समय मांगते रहे। बाद में एश्योर्ड रिटर्न देना भी पूरी तरह बंद कर दिया गया। जब पीड़ित ने अपनी राशि वापस मांगनी शुरू की, तो आरोपियों ने उनके ऑटिज्म पीड़ित बेटे को गुरुकुल में तंग-परेशान करना और मारना-पीटना शुरू कर दिया। जैसे ही उन्हें बच्चे के साथ हो रहे इस उत्पीड़न की जानकारी हुई, उन्होंने पुलिस प्रशासन में शिकायत करने की बात कही। आरोपियों ने कई लोगों की गाढ़ी कमाई हड़प ली है। वहीं कोतवाली प्रभारी रंजीत कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

स्वाभिमान रैली को लेकर लक्सर में गुर्जर समाज की संगोष्ठी

लक्सर। उत्तराखंड स्थित लक्सर के रॉयल पैलेस में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार चौधरी द्वारा सामाजिक संगोष्ठी एवं महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संजीव चेयरमैन ने की और संचालन सुनील मास्टर ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशचंद्र भाटी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंद्र भाटी, के.पी. सिंह कसाना, रामकेश चपराना, जगबीर दौला, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी और शशांक भाटी सहित अन्य वक्ताओं ने डीएनटी यानी विमुक्त जनजाति और रोहिणी आयोग से जुड़ी मांगें उठाईं। उन्होंने सरकार में ओबीसी समाज की भागीदारी की मांग की और भागीदारी न मिलने पर सरकार का बहिष्कार करने की बात कही।

वक्ताओं ने कहा कि देश और समाज के लिए गुर्जरों के संघर्ष तथा बलिदान को भुलाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने जोगराज सिंह पवार, रामप्यारी गुजरी, धन सिंह कोतवाल, विजय सिंह पथिक और धोला गुर्जरी के योगदान को याद किया।

बैठक में प्रताप सिंह पवार, देवेंद्र चौधरी, सतीश मास्टर, अमित चौधरी, सुधीर चौधरी, संदीप सिंह, अंकुर चौधरी, राजेंद्र सिंह, सतवीर सिंह, उदयपाल सिंह, पवन सिंह, सतवीर सिंह पवार, अनुराग चौधरी और चंद्रशेखर आजाद सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। सभी ने हाथ उठाकर 27 अक्टूबर को आयोजित गुर्जर स्वाभिमान रैली में बड़ी संख्या में पहुंचने का संकल्प लिया।

हर धड़कन महत्वपूर्ण, स्वस्थ जीवनशैली से ही स्वस्थ रहेगा हृदयः डॉ डीके गुप्ता

नोएडा। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर सेक्टर-137 स्थित फेलिक्स अस्पताल की ओर से रविवार को वर्ल्ड हार्ट डे वॉकथॉन-2026 का आयोजन किया गया। अस्पताल परिसर से शुरू हुई वॉकथॉन में लोगों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतिभागी अस्पताल से बायोडायवर्सिटी पार्क तक पैदल पहुंचे। इस दौरान लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और हृदय को स्वस्थ रखने के प्रति जागरूक किया गया। इस वर्ष आयोजन की थीम 'डोंट मिस आ बीट' रखी गई। कार्यक्रम के दौरान सीपीआर का प्रत्यक्ष प्रदर्शन, स्वास्थ्य संवाद और योग सत्र भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में इंडिया टीवी के वरिष्ठ कार्यकारी संपादक सौरव शर्मा , न्यूज 24 के कार्यकारी संपादक अखिलेश आनंद और इंडिया टीवी की वरिष्ठ संपादक मीनाक्षी जोशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ वॉकथॉन में हिस्सा लेकर लोगों को नियमित शारीरिक गतिविधि, संतुलित खानपान और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और इंडिया टीवी के वरिष्ठ कार्यकारी संपादक सौरव शर्मा ने कहा कि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग काम और दूसरी जिम्मेदारियों के बीच अपने स्वास्थ्य को पीछे छोड़ देते हैं। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी बड़े बदलाव का इंतजार करने के बजाय रोजाना की दिनचर्या में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित शारीरिक गतिविधि और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच को जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। न्यूज24 के कार्यकारी संपादक अखिलेश आनंद ने कहा कि हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता समाज के हर वर्ग तक पहुंचना जरूरी है। युवाओं में भी स्वास्थ्य को लेकर सजगता बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वॉकथॉन जैसे आयोजन लोगों को एक साथ जोड़ने के साथ स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक संदेश देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से नियमित व्यायाम और स्वस्थ आदतों को अपनाने की अपील की। मुख्य अतिथि और इंडिया टीवी की वरिष्ठ संपादक मीनाक्षी जोशी ने कहा कि हृदय स्वास्थ्य केवल अस्पताल या डॉक्टर तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति की रोजमर्रा की जीवनशैली से जुड़ा है। लोगों को अपने व्यस्त कार्यक्रम में भी स्वास्थ्य के लिए समय निकालना चाहिए। नियमित पैदल चलना, व्यायाम करना और खानपान को संतुलित रखना हृदय को स्वस्थ रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता के ऐसे कार्यक्रम लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करते हैं।

फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डीके गुप्ता ने कहा कि हृदय शरीर का महत्वपूर्ण अंग है और इसके स्वास्थ्य का सीधा संबंध हमारी जीवनशैली से है। तनाव, शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित खानपान और स्वास्थ्य की अनदेखी हृदय संबंधी समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस का उद्देश्य केवल एक दिन जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि लोगों को जीवनभर हृदय की देखभाल के लिए प्रेरित करना है। नियमित व्यायाम,

फ्लैट का इंटीरियर अधूरा छोड़ा, डिजाइन बदला, कंपनी को लौटाने होंगे 12.59 लाख

नोएडा। फ्लैट का इंटीरियर समय पर पूरा न करना और काम में घटिया गुणवत्ता की सामग्री इस्तेमाल करना इंटीरियर कंपनी को भारी पड़ गया। बिना अनुमति डिजाइन में बदलाव और बार-बार आश्वासन के बावजूद काम पूरा नहीं करने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने कंपनी को ग्राहक की पूरी रकम ब्याज समेत लौटाने का आदेश दिया है।

नोएडा एक्सटेंशन निवासी आदित्य कुमार जेना ने अपने फ्लैट के इंटीरियर का काम ग्रिड इंटीरियर्स एंड आर्किटेक्ट को दिया था। 23 दिसंबर 2024 को दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ। काम के दायरे और लागत का विवरण भी कुटेशन के माध्यम से तय किया गया था। समझौते के बाद 13 नवंबर 2024 से 27 अप्रैल 2025 के बीच कंपनी को करीब 12.59 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। इसके बावजूद फ्लैट का काम पूरा नहीं किया गया।

काम पूरा कराने के लिए कई बार कंपनी से संपर्क किया गया। देरी होने पर एक हजार रुपये प्रतिदिन का विलंब शुल्क देने की बात भी स्वीकार की गई। लेकिन तय समय बीतने के बाद भी काम पूरा नहीं हुआ। कार्य नहीं करने के बाद भी कंपनी ने भुगतान की गई रकम वापस देने से इंकार कर दिया। मामले की शिकायत जिला उपभोक्ता आयोग में दर्ज की गई। सुनवाई के दौरान कंपनी ने अपना पक्ष नहीं रखा। मामले में एक पक्षीय सुनवाई की गई।

आयोग ने माना कि कंपनी ने रकम लेने के बावजूद तय कार्य पूरा नहीं किया। बार-बार किए गए आश्वासनों का भी पालन नहीं किया गया। आयोग ने इसे सेवा में कमी माना है। आयोग ने कंपनी को आदेश दिया है वह शिकायत कर्ता को 12.59 लाख रुपये 30 दिन में वापस करें। दो हजार रुपये वाद व्यय के भी देने होंगे।

ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे ट्रक से टकराई बस, चालक घायल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र में रविवार को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर जयपुर से हरिद्वार जा रही बस आगे चल रहे अज्ञात ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में बस चालक घायल हो गया, जबकि बस में सवार किसी यात्री को चोट नहीं आई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

पुलिस के अनुसार, बस का पंजीकरण नंबर आरजे14पीजे9126 है। बस जयपुर से यात्रियों को लेकर हरिद्वार की ओर जा रही थी। रविवार सुबह दनकौर थाना क्षेत्र में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे एक ट्रक से बस की पीछे से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद दनकौर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बस चालक अबरार को घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया।

वहीं, बस में सवार यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरी बस की व्यवस्था की गई। सभी यात्रियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई है। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त बस को एक्सप्रेसवे से हटाकर किनारे करा दिया गया, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित नहीं हुई। वर्तमान में एक्सप्रेसवे पर यातायात सामान्य रूप से संचालित हो रहा है।

पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और दुर्घटना के कारणों की जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस आगे चल रहे ट्रक से टकराई थी। ट्रक चालक हादसे के बाद मौके से चला गया। पुलिस की ओर से ट्रक और उसके चालक के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

निर्विरोध संपन्न हुआ हिंडन विहार आर डब्ल्यू ए चुनाव, मनोज कुमार बने अध्यक्ष व भीम सिंह महासचिव

नोएडा। सेक्टर-49 स्थित हिंडन विहार में आरडब्ल्यूए चुनाव रविवार दोपहर 1:15 बजे शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। चुनाव में करीब 214 मतदाताओं में से लगभग 85 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव के दौरान नाली-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, सिक्योरिटी गार्ड, सड़कों की स्थिति और पार्कों के सुंदरीकरण जैसे स्थानीय मुद्दे प्रमुख रहे। इन्हीं समस्याओं के समाधान और सोसाइटी के बेहतर विकास को लेकर निवासियों ने चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया वहीं चुनाव अधिकारियों की देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया शांति पूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र राम और मोहम्मद खालिद ने बताया कि कुल 6 पदों पर चुनाव होने थे जिनमें 3 पदो के लिए नामांकन दाखिल हुए लेकिन एक पद पर नाम वापस ले लिया गया इसलिए केवल महासचिव और उपाध्यक्ष पद के लिए ही चुनाव हुआ बाकी 4 पदों पर पदाधिकारी निर्विरोध चुन लिए गए। अध्यक्ष पद पर मनोज कुमार, उपाध्यक्ष मनोज सिंह, महासचिव भीम सिंह, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र चौधरी, उप कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, सचिव प्रवीण कुमार नई कार्यकारिणी के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

वहीं सोसाइटी निवासियों ने उम्मीद जताई हैं कि अब नई आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी हिंडन विहार की समस्याओं के समाधान के साथ साथ क्षेत्र के विकास और सुरक्षा को प्राथमिकता देगी।

संक्षिप्त समाचार

कन्नौज के इत्र की खुशबू से महका ट्रेड शो, पांचवीं पीढ़ी ने संभाली विरासत

ग्रेटर नोएडा। कन्नौज के इत्र की पहचान अब पारंपरिक खुशबू की सीमाओं से आगे बढ़कर आधुनिक पसंद और प्राकृतिक जीवनशैली से जुड़ रही है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में कन्नौज की इसी सुगंधित विरासत की झलक देखने को मिल रही है। वर्ष 1907 से सुगंध की परंपरा को संजो रहे पारंपरिक एवं प्राकृतिक उत्पाद ट्रेड शो में लोगों का ध्यान खींच रहे हैं।

कन्नौज की सुगंध परंपरा से जुड़ी पांचवीं पीढ़ी अब विरासत में मिले पारंपरिक इत्र को बदलती उपभोक्ता पसंद और प्राकृतिक जीवनशैली के अनुरूप प्रस्तुत कर रही है। यहां गुलाब जल, पंचपुष्प जल, पंचपुष्प अत्तर, पारंपरिक अत्तर और एसेंशियल ऑयल्स की श्रृंखला मौजूद है। इसके साथ ऑर्गेनिक हेयर एवं स्किन केयर उत्पाद तथा अरोमाथेरेपी आधारित सेल्फ-केयर गिफ्ट बॉक्स भी प्रदर्शित किए गए हैं। इस तरह एक ही मंच पर पारंपरिक इत्र निर्माण की विरासत और आधुनिक प्राकृतिक उत्पादों का मेल देखने को मिल रहा है।

अमरनाथ मिश्रा एंड कंपनी के प्रमुख अमिताभ मिश्रा ने बताया कि उत्पाद तैयार करने में प्राकृतिक और ऑर्गेनिक फॉर्मुलेशन का विशेष ध्यान दिया जाता है।

कंपनी की पार्टनर डॉ. रत्ना मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के आयोजन में उन्हें शामिल होने का मौका मिला। इसके साथ ही बी2बी ग्राहकों से जुड़ने और नए व्यावसायिक अवसर की संभावना काफी बढ़ गई है।

महिला डॉक्टर ने लिपिक पर अभद्रता का आरोप लगाया

नोएडा। जिला अस्पताल की एक महिला डॉक्टर ने लिपिक पर अभद्रता का आरोप लगाया है। इसकी शिकायत सीएमओ से चार दिन पहले की थी, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। महिला डॉक्टर के अनुसार 23 सितंबर को करीब 10 बजे सीएमएस कार्यालय में किसी काम से गई थीं। वहां कार्यरत लिपिक फरीद अहमद ने उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर करने और कार्यालयीय प्रक्रिया के दौरान उनसे अनुचित तरीके से बातचीत की। अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। उसी दिन सीएमओ को शिकायत दी थी। कार्रवाई न होने पर महिला डॉक्टर ने डीएम से इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने घटना के दौरान कार्यालय की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने, उपस्थिति रजिस्टर और संबंधित अभिलेखों की जांच करने और मौके पर मौजूद कर्मचारियों के बयान दर्ज करने की मांग की है।

जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास, विरोध करने पर मारपीट

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी गांव निवासी व्यक्ति ने दो लोगों पर जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास का आरोप लगाया है। विरोध करने पर आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गढ़ी चौखंडी गांव निवासी सतीश शर्मा पुत्र रमेश चंद्र शर्मा ने पुलिस को बताया कि उनकी गांव में जमीन है। उनकी जमीन पर सतीश शर्मा द्वारा कथित रूप से फर्जी तरीके से पंजीकृत अनुबंध कराया गया है, जबकि सतीश शर्मा पुत्र रामपत शर्मा और गोपाल शर्मा का उस जमीन पर कोई वैध अधिकार नहीं है।

शिकायतकर्ता के पास इस संबंध में उनके पास दस्तावेज और साक्ष्य हैं। आरोप है कि आरोपियों द्वारा कई बार उनके घर पर आकर उनके साथ मारपीट, गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया गया। यही नहीं आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। इसके चलते उनका परिवार दहशत में है। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दंपति में सुलह कराने पहुंची महिला अधिवक्ता को हत्या की धमकी

नोएडा। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के एक मॉल में दंपति के बीच सुलह कराने दिल्ली से आई महिला अधिवक्ता का दो लोगों से विवाद हो गया। अधिवक्ता ने दोनों पर जान से मारने और दुष्कर्म करने की धमकी देने का आरोप लगाया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूर्वी दिल्ली की एक कॉलोनी की रहने वालीं अधिवक्ता ने पुलिस को बताया कि पिछले दिनों हरिद्वार के रहने वाले एक दंपति के बीच वैवाहिक विवाद होने का केस उनके पास आया। वह दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने दोनों पक्षों को बुधवार को सेक्टर-24 स्थित एक मॉल के एक रेस्तरां में बुलाया था।

होटल में बुलाकर युवक को बेल्ट से पीटा, शराब की बोतल से किया वार

नोएडा। बीटा-2 क्षेत्र में एक युवक को होटल के कमरे में बुलाकर कथित रूप से बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने शनिवार को चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्रयागराज निवासी हर्ष सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 सितंबर की रात उन्हें हर्ष तिवारी और अपूर्व सिंह राजपूत का फोन आया। दोनों ने उन्हें होटल आनंदम ग्रैंड के एक कमरे में आदित्य यादव के साथ बुलाया और कहा कि जो पैसा उन्होंने लोकेश यादव उर्फ रोहित को उधार दिया था, वह वापस लेने आ जाएं। जब वह होटल कमरे में पहुंचे तो वहां हर्ष तिवारी, अपूर्व सिंह राजपूत, लोकेश यादव उर्फ रोहित और शिवेन्द्र राय पहले से मौजूद थे। सभी नशे की हालत में थे। अपूर्व सिंह राजपूत बाथरूम से बाहर आते ही पीड़ित के परिवार के सदस्यों के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगा। विरोध करने पर लोकेश यादव उर्फ रोहित ने पीड़ित का कॉलर पकड़ लिया। सभी आरोपियों ने मिलकर उससे मारपीट की। मारपीट के चलते वह बेहोश हो गया। घटना के दौरान पीड़ित ने अपने परिचित हर्षवर्धन भारती को फोन कर स्थिति की जानकारी दी थी। हर्षवर्धन मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की।

सामान्य से 5 डिग्री नीचे लुढ़का दिल्ली का पारा

मानसून की विदाई के बाद झमाझम बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून की विदाई के तीन दिन बाद शनिवार को दिल्ली में मौसम फिर से बदल गया। दोपहर बाद कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5 डिग्री कम रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार व सोमवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे, लेकिन वर्षा नहीं होगी। मंगलवार से आसमान साफ रहेगा। तापमान में भी हल्की वृद्धि होगी। शनिवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। दोपहर और शाम के समय कई स्थानों पर हल्की वर्षा हुई। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवा चली। शनिवार को सफदरजंग में अधिकतम तापमान

29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सबसे कम 18.8 डिग्री सेल्सियस: इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। वहीं, राजधानी का न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा, रिज में यह सबसे कम 18.8 डिग्री सेल्सियस था।

मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश के उत्तर-पूर्वी हिस्से और उससे लगे छत्तीसगढ़ में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण मौसम बदला है। यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा में उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है।

मानसून 23 सितंबर को विदा हुआ: इसके साथ पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिसके असर से दिल्ली में बादल छाने और तेज हवा के साथ वर्षा की स्थिति बनी है। दिल्ली से दक्षिण-पश्चिम मानसून 23 सितंबर को विदा हुआ था। सामान्य तौर पर इसकी विदाई 25 सितंबर तक होती है। इस वर्ष एक जून से सफदरजंग में 728.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि सामान्य वर्षा 629.7 मिलीमीटर है। इस तरह मानसून सीजन में दिल्ली में सामान्य से करीब 16 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

एसआईआर विवाद के बीच जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का पुराना वीडियो हो रहा वायरल, दिल्ली पुलिस ने किया फैक्ट चेक

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर जंतर–मंतर पर एक बड़े और लाइव विरोध–प्रदर्शन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर बताया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस वीडियो का सच उजागर करते हुए इसे पूरी तरह से भ्रामक और पुराना बताया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा यह वीडियो असल में जंतर–मंतर का पुराना वीडियो है, जिसे हालिया घटना के रूप में पेश किया जा रहा है। साथ ही दिल्ली पुलिस ने चेतावनी दी है कि जानबूझकर गुमराह करने वाली और झूठी सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ, जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर कई प्रमुख अकाउंट्स द्वारा इस वीडियो को साझा किया गया। वीडियो शेयर करने वालों में शिवसेना के सांसद संजय राउत भी शामिल थे, जिन्होंने दावा किया था कि दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को शेयर किए जाने के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट हो गई है। दिल्ली पुलिस ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई जनता को भ्रमित करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नोटबंदी के बाद दिल्ली में पहली बार रविवार को खुले बैंक, फिर भी 90% कामकाज ठप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रविवार को बैंकों में सामान्य कामकाज है। सोमवार से बुधवार तक तीन दिनों की बैंक हड़ताल के मद्देनजर आज ऐतिहासिक रूप से रविवार को बैंकों को खोला गया है। बैंक कर्मचारियों के संगठन सप्ताह में पांच दिन कामकाज समेत अन्य मांगों को लेकर सोमवार से बुधवार तीन दिन तक हड़ताल की घोषणा की है। जिसके मद्देनजर रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने रविवार को भी बैंक खोलने का आदेश दिया था। ताकि, लोग जरूरी कामकाज निपटा सके। वैसे बैंक कर्मियों के अनुसार क्योंकि अधिकतर सिस्टम इंटरनेट आधारित हो गया है, इसलिए बैंकों में अब कामकाज को लेकर उतनी मारामारी नहीं रहती है। ऊपर से रविवार होने की वजह से लोग छुट्टी के मूड में होते हैं। इसलिए आज बैंक शाखाओं में उतनी भीड़ नहीं है। पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों तथा लुटियंस दिल्ली के मंत्रालय क्षेत्रों में तो बैंक का कामकाज महज दो से पांच प्रतिशत है। क्योंकि, बाजार से लेकर मंत्रालयों में रविवार की वजह से अवकाश है।

ट्रैफिक पुलिस ने 3 घंटे में धड़ाधड़ काटे 1930 चालान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सड़क सुरक्षा और महिला सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को विभिन्न इलाकों में विशेष अभियान चलाया। शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक चले अभियान में ट्रैफिक पुलिस ने स्थानीय पुलिस और पीसीआर के साथ मिलकर गंभीर यातायात उल्लंघनों के खिलाफ कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, अभियान के दौरान करीब 290 पुलिसकर्मियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया और नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के 1,930 चालान किए गए। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, ट्रिपल राइडिंग, वाहनों में टिंटेड शीशे लगाने, शराब पीकर वाहन चलाने और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों पर विशेष नजर रखी गई। गलत दिशा में वाहन चलाने के मामलों में आवश्यकता के अनुसार एफआईआर भी दर्ज की गई। ट्रैफिक पुलिस ने अभियान के लिए दिल्ली के 24 संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों को चिन्हित किया था। इनमें अंतरराज्यीय बस अड्डे (आइएसबीटी), विश्वविद्यालय और बड़े कॉलेज व शिक्षण संस्थानों के आसपास के इलाके शामिल रहे। इन स्थानों पर पैदल यात्रियों, दोपहिया और अन्य वाहनों की अधिक आवाजाही को देखते हुए पुलिस की विशेष तैनाती की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक मुख्यालय) प्रतीक्षा गोदारा के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य केवल नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों में जिम्मेदार सड़क व्यवहार को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने वाहन चालकों, विशेषकर युवाओं और छात्रों से हेलमेट पहनने, गलत दिशा में वाहन न चलाने और शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की।

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की तारीख 30 अक्टूबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रही एसआईआर के लिए दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा जारी ड्राफ्ट पर आपत्तियां दर्ज कराने की समय सीमा एक माह के लिए बढ़ा दी गई है। मतदाता एसआईआर पर अपने दावे और आपत्तियां 30 अक्टूबर तक दर्ज करा सकते हैं। जबकि 30 नंवबर तक ड्राफ्ट एसआईआर में आए नोटिस का निस्तारण किया जाएगा। जबकि अंतिम मतदाता सूची 4 दिसंबर को जारी करने की तारीख तय की गई है। जबकि पहले यह तारीख चार नवंबर थी। नागरिक उपरोक्त समयावधि में ड्राफ्ट सूची में नाम न होने पर फार्म 6 भर सकते हैं। साथ ही पता या आवास बदलने पर फार्म आठ भर सकते हैं। वहीं, सीईओ कार्यालय रविवार यानि 27 सितंबर को को एसआईआर के तहत दिल्ली भर के 14,947 पोलिंग बूथों पर विशेष शिविर लगाएगा। इन शिविरों का उद्देश्य उन पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना है, जिनका नाम अभी तक सूची में दर्ज नहीं हो पाया है। आयोग के अनुसार, दिल्ली में अब तक फार्म– 6 के करीब सवा तीन लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। फार्म– 6 नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आयोग ने पात्र नागरिकों से विशेष शिविरों का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है।

दलित और मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चिन्हित की हैं

यूपी में सीट बंटवारे पर फंसेगा पेच: कांग्रेस ने चिन्हित की ये 150 सीटें, सपा को ओवैसी-चंद्रशेखर की भी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर लंबा पेच फंसेगा। दरअसल, कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के लिए ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चिन्हित की हैं। सपा पर दबाव बनाने के लिए पार्टी के अपने मुस्लिम चेहरों इमरान प्रतापगढ़ी और इमरान मसूद को सक्रिय किया है। पार्टी नेतृत्व का इरादा इस बार राज्य में कम से कम सौ सीटों पर लड़ने की है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते से सपा से सीट बंटवारे के लिए संभावित बातचीत से पहले पूरी तैयारी की गई है। प्रदेश की 403 सीटों को कांग्रेस ने तीन श्रेणियों में विभाजित किया है।

इनमें से 150 ऐसी सीटें चुनी हैं जो सपा के वोट बैंक को मिला दें तो पार्टी के अनुकूल हो जाती है। इनमें से ज्यादातर मुस्लिम, ब्राह्मण व दलित प्रभाव वाली सीटें हैं। सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक बातचीत में सपा से 150 सीटें मांगी जाएगी। हालांकि अंतिम लाइन सौ सीटों की है। इससे नीचे का प्रस्ताव पार्टी मंजूर नहीं करेगी।

सपा को ओवैसी की भी चिंता

पार्टी सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में अगर सपा-कांग्रेस गठबंधन नहीं हुआ तो मुस्लिम-दलित वोटों में बिखराव की संभावना भी बढ़ेगी। ऐसा इसलिए कि इस चुनाव में ओवैसी चंद्रशेखर आजाद समेत कुछ अन्य दलों के साथ गठबंधन करेंगे। ऐसी स्थिति में सपा-कांग्रेस गठबंधन में मुस्लिम मतों में बिखराव को रोक सकती है। चूंकि सपा को इसका अंदाजा है, इसलिए कांग्रेस को लड़ने के लिए सपा से अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है।

सपा को कराएगी जरूरत का अहसास

पार्टी के वरिष्ठ नेता ने गठबंधन के संदर्भ में कहा कि सपा को कांग्रेस की ताकत का अंदाजा है। सपा जब 2019 के चुनाव में बसपा के साथ लड़ी थी तब उसे महज पांच सीटें मिली थी। जब हमारे साथ 2024 में लड़ी तो सपा को 37 सीटें मिली। कांग्रेस 2009 में 21 सीटें जीती थी। जब 2019 में अकेले लड़ी तब भी उसे एक सीट मिली। सपा को पता है कि सामाजिक न्याय की नई राजनीति के बाद राहुल गांधी और पार्टी का प्रभाव मुसलमानों, वंचित वर्गों में बढ़ा है। ब्राह्मणों में भी पुरानी साख लौटने के संकेत हैं। ऐसे में सपा इस चुनाव में कांग्रेस को प्रतीकात्मक साथी के रूप में नहीं ले सकती।

चुनाव आयोग के काम में सरकार का कोई दखल नहीं: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर विपक्ष के आरोपों की तीखी आलोचना की. उन्होंने कहा कि पिछले 4-5 दिनों से एक अखबार की रिपोर्ट के आधार पर विपक्षी पार्टियां, खासकर कांग्रेस और राहुल गांधी, चुनाव आयोग पर बेबुनियाद और शर्मनाक आरोप लगा रही हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण है और भाजपा इसकी भर्त्सना करती है.

प्रसाद का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 को एसआईआर की पूरी प्रक्रिया को उचित माना. कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी और टीएमसी की ओर से इस प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दी गई थी. सबको सुनने के बाद कोर्ट ने स्ढ्ढक्रको सही ठहराया.

उन्होंने टीएमसी के संदर्भ में यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर न्यायिक अधिकारी तैनात किए गए थे और उस समय उन पर हमला हुआ था. शनिवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की बैठक हुई, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्त मौजूद थे. चुनाव आयोग के एक प्रेस नोट में कहा गया है कि स्ढ्ढक्रसे जुड़े जितने फैसले हुए, वे मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्तों की सहमति से हुए. देश के विभिन्न हिस्सों में स्ढ्ढक्र संबंधी कदम को सुप्रीम कोर्ट ने वैध ठहराया है. सरकार की लाइन भी इसी से जुड़ती है-किसी भी संस्था में आंतरिक मतभेद सामान्य हैं, अंतिम फैसले सर्वसम्मति से होते हैं. एसआईआर अवैध मतदाताओं की सफाई है, राजनीतिक हथियार नहीं. सरकार एसआईआर संबंधित आदेश को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) के अनुरूप बता रही है. भाजपा का तर्क है कि जब अंतिम आदेश सर्वसम्मति से हैं, तो 'वन-मैन ऑटोक्रेसी' का आरोप नहीं टिकता. भाजपा राहुल गांधी को 'मास्टर ऑफ डिसेप्शन' कह रही है. पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस चुनावों में हार के बाद संस्थाओं को बदनाम करती है. भाजपा द्वारा तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की लंबे समय से सत्ता-विहीनता का हवाला दिया जा रहा है. सरकार की आधिकारिक पंक्ति यह है कि चुनाव आयोग स्वतंत्र है।

थाईलैंड कछुआ तस्करी मामला: दिल्ली हाईकोर्ट का मुरुगेसन मणिवन्नन को रिहा करने का आदेश, भारत में ही चलेगी जांच सीबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने थाईलैंड में 840 रेडिएटेड कछुओं को आयात करने के मामले में वांछित अपराधी मुरुगेसन मणिवन्नन को रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने थाईलैंड प्रत्यर्पण की कार्यवाही से भी उसे मुक्त कर दिया। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि मणिवन्नन को थाईलैंड प्रत्यर्पित नहीं किया जा रहा है और मामले में भारत में स्थानीय स्तर पर मुकदमा चलाने के लिए इसे सीबीआई को भेजा गया है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि जब सरकार का स्पष्ट रुख है कि याचिकाकर्ता को थाईलैंड प्रत्यर्पित नहीं किया जाएगा, तो

प्रत्यर्पण के आदेश के तहत उसकी हिरासत जारी नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि किसी अन्य मामले में उसकी जरूरत नहीं है तो उसे जेल से तत्काल रिहा किया जाए। मणिवन्नन को छह जनवरी 2026 को पटियाला हाउस कोर्ट ने थाईलैंड प्रत्यर्पित किए जाने तक जेल में रखने का आदेश दिया था। हालांकि, प्रत्यर्पण आदेश के दो माह के भीतर उसे भारत से बाहर नहीं भेजा गया। याचिकाकर्ता ने इसी आधार पर कहा था कि छह मार्च 2026 के बाद उसकी हिरासत प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 की धारा 24 और संविधान के अनुच्छेद 21 के खिलाफ है। थाईलैंड के प्रत्यर्पण अनुरोध के मुताबिक मणिवन्नन को 27 अगस्त 2012 को बैंकाक के सुवर्णभूमि एयरपोर्ट पर 840 रेडिएटेड कछुओं के साथ गिरफ्तार किया गया था। उस पर थाईलैंड के वन्यजीव संरक्षण एवं सुरक्षा अधिनियम, पशु महामारी अधिनियम और सीमा शुल्क अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए थे। इन अपराधों में एक वर्ष से अधिक की सजा का प्रविधान था।

युवराज मनचंदा हत्याकांड: 'परिवार से अंतिम संस्कार का अधिकार छीना', अदालत ने गुरुग्राम पुलिस को लगाई फटकार

नईदिल्ली, एजेंसी। एक नामी रियल्टी कंपनी में सेल्स मैनेजर युवराज सिंह मनचंदा की हत्या के मामले में शव के निस्तारण और जांच प्रक्रिया को लेकर शनिवार को साकेत कोर्ट ने गुरुग्राम पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल जैन ने बादशाहपुर थाने के पुलिस अधिकारी से शव बरामद होने से लेकर उसके अंतिम संस्कार तक की कार्रवाई पर एक-एक कर कड़े सवाल किए। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता ने अपना भाई खोया और शव का इस तरह अंतिम संस्कार किए जाने से परिवार से विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार करने का अधिकार भी छिन गया। बता दें कि कोर्ट ने गुरुग्राम पुलिस की कार्रवाई को लेकर पहले भी नाराजगी जताई थी। वहीं, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सबसे पहले अज्ञात शव की जांच प्रक्रिया को लेकर सवाल किया। अदालत ने पूछा कि अज्ञात शव मिलने के दूसरे दिन ही कार्यकारी मजिस्ट्रेट या एसडीएम को पंचनामा कार्रवाई की सूचना देना सामान्य प्रक्रिया है, फिर ऐसा क्यों नहीं किया गया। कोर्ट ने जिप नेट पर शव की जानकारी अपलोड करने में हुई देरी पर भी सवाल उठाया। जिप नेट दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों की पुलिस के बीच अज्ञात शव और गुमशुदा लोगों की जानकारी साझा करने का नेटवर्क है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, युवराज का शव 10 सितंबर को बरामद हुआ था, जबकि परिवार की ओर से अदालत

में आरोप लगाया गया कि शव का विवरण और फोटो 16 सितंबर को जिप नेट पर अपलोड किए गए। वहीं 14 सितंबर को ही शव का अज्ञात के रूप में अंतिम संस्कार कर दिया गया। युवराज की बहन हरसिमरन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अमित प्रसाद ने दलील दी कि अंतिम संस्कार स्थल से जली हुई घड़ी और कड़ा बरामद हुआ।

17 देशों के 23 एक्सपर्ट्स की स्टडी में खुलासा, लो-डोज सीटी स्कैन से घटेगी फेफड़ों के कैंसर से मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी। फेफड़ों का कैंसर दुनियाभर में कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण है। वर्ष 2024 में इस बीमारी से करीब 19 लाख लोगों की मौत हुई। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) की नई रिपोर्ट के अनुसार, जिन्हें फेफड़ों के कैंसर का ज्यादा खतरा है, उनमें लो-डोज सीटी स्कैन (एलडीसीटी) से फेफड़ों के कैंसर की शुरुआती अवस्था में ही सटीक पहचान हो सकती है। इससे समय पर उपचार मिलने पर फेफड़ों के कैंसर से होने वाली मौतों को कम किया जा सकता है। रिपोर्ट 24 सितंबर को न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन (एनईजेएम) में प्रकाशित हुई।

खांसी में खून या सीने में दर्द जैसे लक्षण

एम्स के कैंसर विशेषज्ञ प्रो. डॉ. अभिषेक शंकर के अनुसार, एलडीसीटी से फेफड़ों के कैंसर की पहचान आरंभिक चरण में हो सकती है। बीमारी के शुरुआती दौर में अक्सर स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। खांसी में खून आना या सीने में दर्द जैसे लक्षण सामने आने तक कैंसर काफी बढ़ चुका होता है। एलडीसीटी पांच से छह मिलीमीटर तक की छोटी गांठों का भी पता लगा सकता है, जो साधारण एक्स-रे में नजर नहीं आती हैं। आईएआरसी के 17 देशों के 23

विशेषज्ञों ने फेफड़ों के कैंसर की स्क्रीनिंग से जुड़े 48 अध्ययनों की समीक्षा की। इसमें जिन्हें फेफड़ों के कैंसर का ज्यादा खतरा है, उनमें एलडीसीटी से स्क्रीनिंग करने पर फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु दर और एडवांस स्टेज के कैंसर के मामलों में कमी के प्रमाण मिले। वहीं, छाती के साधारण एक्स-रे से मृत्यु दर कम होने का ठोस प्रमाण नहीं मिला।

अमेरिका के नेशनल लंग स्क्रीनिंग ट्रायल (एनएलएसटी) में एलडीसीटी से मृत्यु दर में 20 प्रतिशत कमी दर्ज की गई। यूरोप के नेल्सन ट्रायल में पुरुषों में यह कमी 24 प्रतिशत रही। चीन और जापान के अध्ययनों में भी एलडीसीटी से मृत्यु दर में कमी के प्रमाण मिले। प्रो. डॉ. अभिषेक शंकर के अनुसार, एलडीसीटी सभी लोगों के लिए नहीं है। मुख्य रूप से 50 से 80 वर्ष के ऐसे लोगों में इसकी उपयोगिता है, जिन्हें धूम्रपान का पर्याप्त इतिहास रहा हो और जो वर्तमान में धूम्रपान करते हों या हाल के वर्षों में इसे छोड़ चुके हों। रिपोर्ट में फाल्स पाजिटिव और ओवर-डायग्नोसिस का खतरा भी बताया गया है।

दिल्ली में डिलीवरी ब्वॉय से लूटपाट, आंखों में मिर्च झोंककर पार्सल चुराने वाली दो बहनें गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के बुध विहार इलाके में डिलीवरी ब्वॉय से पार्सल लूटने के मामले को पुलिस ने 15 घंटे में सुलझाते हुए दो बहनों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 26 और 20 वर्षीय युवतियों के रूप में हुई है। 26 वर्षीय युवती ने फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किया है, जबकि 20 वर्षीय युवती 12वीं कक्षा छोड़ चुकी है। पुलिस के अनुसार, दोनों बहनें हैं। दोनों करोलबाग की रहने वाली हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए तीन पार्सल, वारदात में इस्तेमाल स्कूटी और मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, 25 सितंबर की शाम

करीब 7 :20 बजे सेक्टर–5, रोहिणी स्थित हनुमान मंदिर के पास एक डिलीवरी ब्वॉय पार्सल लेकर पहुंचा था। इसी दौरान एक युवती ग्राहक बनकर उसके पास पहुंची और डिलीवरी बैग से पार्सल जबरन निकालने का प्रयास किया। डिलीवरी ब्वॉय ने विरोध किया तो युवती ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया। इसी बीच दूसरी युवती स्कूटी से वहां पहुंची और उसने डिलीवरी ब्वॉय को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर गया और उसके पैर में चोट आई। इसके बाद दोनों युवतियां कई पार्सल लेकर फरार हो गईं। शिकायत के आधार पर बुध विहार थाने में एफआईआर संख्या 330/2026 के तहत बीएनएस की धारा 309(6)/3(5) में मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले की जांच के लिए एसएचओ इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार के नेतृत्व और एसीपी प्रशांत विहार आरपी मीणा की निगरानी में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी और मानवीय सूचना के आधार पर दोनों की पहचान की और 15 घंटे के भीतर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की है। मामले में आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

भारतीय फैंस को झटका, शटलर आयुष शेट्टी का 'मेंस सिंगल्स' में सफर समाप्त

इचिनोमिया सिटी ।एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शटलर आयुष शेट्टी का सफर 'मेंस सिंगल्स' के तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। शनिवार को एक कड़े मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के टिएन-चेन चाउ के हाथों 16-21, 21-19, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष ने कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से मात देकर तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। वह चाउ से पहला गेम हारने के बाद वापसी करने में कामयाब रहे थे। टिएन-चेन चाउ के खिलाफ आयुष को यह हार तब मिली, जब उन्होंने दूसरे राउंड में ताजीबुल्लायेव को हराने में सिर्फ 21 मिनट लिए थे। वर्ल्ड नंबर 20 भारतीय खिलाड़ी ने

शुरू से ही उस मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया था।

वहीं, उन्नति हुड्डा ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल की और विमेंस सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाते हुए सिंगल्स इवेंट में भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा है। 79 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्नति हुड्डा ने 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 38 मलेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ 25वीं रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी ने मजबूत शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-14 से जीता। इसके बाद वोंग ने दूसरे गेम में बढ़त बनाई और आखिरी पलों में 22-20 से जीत हासिल करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। आखिरी गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन उन्नति ने 20-18 पर दो मैच प्वाइंट्स हासिल कर लिए।

केवी नेशनल गेम्स में जयपुर की बेटियां बनी चैम्पियन

देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया

नई दिल्ली। गोलकीपर वृंदा टिंकर ने शानदार प्रदर्शन कर रोकी दो पेनल्टी जयपुर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बीरपुर देहरादून में आयोजित 55वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में जयपुर केन्द्रीय विद्यालय नम्बर 1 की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल अंडर-14 बालिका वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। यहां खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में केवी-1 जयपुर की

टीम ने मेजबान देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से शिकस्त देकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और निर्धारित समय के साथ-साथ अतिरिक्त समय में भी कोई टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। फाइनल मुकाबला शुरू से ही रोमांच और संघर्ष से भरपूर रहा। दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन मजबूत रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग के कारण निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा। अतिरिक्त समय में भी स्थिति नहीं बदली। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया, जहां जयपुर की टीम ने शानदार संयम और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए बाजी मार ली। जयपुर की जीत में गोलकीपर वृंदा टिंकर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

स्क्वाश में भारत को मिले तीन पदक

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत का स्क्वाश में अभियान समाप्त हो गया है। भारत को इस स्पर्धा में कुल पदक मिले। जोशना चिनप्पा और सेंथुलकुमार वेलावन की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को कांस्य पदक जीते थे। वहीं, अभय सिंह और अनाहत सिंह ने अपने-अपने एकल मुकाबले में देश को रजत पदक दिलाए। पुरुष एकल में अभय और महिला एकल के फाइनल में अनाहत को हार मिली और इन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

स्वर्ण से चूके अभय और अनाहत

अभय सिंह को पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में मलयेशिया के ऐन योउ एंग के हाथों हार मिली। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज अभय 18वीं रैंकिंग वाले योउ को चुनौती नहीं दे सके। पिछली बार के चैंपियन मलयेशियाई खिलाड़ी ने 11-9, 11-5, 11-5 से जीत दर्ज की। यह मलयेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अभय की आठवीं हार थी। इस स्पर्धा में बेस्ट ऑफ-5 होता है। यानी तीन गेम जीतने वाला खिलाड़ी मैच जीतता है। स्क्वाश में महिला एकल की फाइनल में अनाहत सिंह को मलयेशिया की सिवासंगारी सुब्रमणयम से 3-0 से हार मिली। सिवांसगारी ने 11-4, 11-4, 11-7 से मैच जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सिवासंगारी की विश्व रैंकिंग पांच है। वह पिछले एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट हैं। अनाहत के खिलाफ सिवासंगारी ने लगातार तीसरा मैच जीता है।

शॉट पुट में तेजिंदरपाल सिंह तूर ने भारत को दिलाया सिल्वर

नागोया। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन तेजिंदरपाल सिंह तूर लगातार तीसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल से चूक गए। शनिवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों के शॉट पुट फाइनल में उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, जबकि ईरान के मोहम्मदरेजा तयेबी ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ पहला स्थान हासिल किया। 2018 जकार्ता और 2022 हांग्जो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले तूर ने शनिवार को 20.06 मीटर के थ्रो के साथ मजबूत शुरुआत की और अपने दूसरे प्रयास में 20.26 मीटर का थ्रो करके मेडल की दौड़ में बने रहे। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी अपनी लय पाने के लिए संघर्ष करते दिखे; उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 19.77 मीटर और चौथे प्रयास में 19.71 मीटर का थ्रो किया। तूर ने अपने पांचवें थ्रो में 20.64 मीटर का बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन यह शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए नाकाफी था। तूर का छठा और अंतिम प्रयास फाउल करार दिया गया, जिससे प्रतियोगिता में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20.64 मीटर ही रहा।

दूसरी तरफ, मोहम्मदरेजा तयेबी ने 20.81 मीटर का निर्णायक थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता और तूर के पिछले एशियन गेम्स के 20.75 मीटर के रिकॉर्ड को बेहतर किया। तूर ने यह रिकॉर्ड 2018 में जकार्ता में खिताब जीतते समय बनाया था। सिल्वर जीतने के साथ तूर ने प्रत्येक एशियन गेम्स में मेडल जीतने का अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखा।

31 वर्षीय खिलाड़ी ने हांगझोऊ में 20.36 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सफलतापूर्वक अपना खिताब बचाया था। वह जून 2023 में भुवनेश्वर में बनाए गए 21.77 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक के तौर पर इस प्रतियोगिता में उतरे थे।

इससे पहले, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तूर पुरुषों के शॉट पुट में पांचवें स्थान पर रहे थे।

ओह येओनजी को हराकर प्रिया ने किया बड़ा उलटफेर

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

निशियो । कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया घांघस ने शनिवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में साउथ कोरिया की दो बार की वर्ल्ड मेडलिस्ट ओह येओनजी को सर्वसम्मति से 5-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। प्रिया ने प्री-क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और तीनों राउंड जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्हें पांच जजों से 30-27 के तीन कार्ड और 29-28 के दो कार्ड मिले। प्रिया ने पहला राउंड 5-0 से जीता; उन्होंने सटीक पंच लगाए और ओह को 'स्टैंडिंग काउंट' के लिए मजबूर किया, क्योंकि उनके जैब्स

का सामना करना दो बार की मेडलिस्ट के लिए मुश्किल हो रहा था। प्रिया दूसरे राउंड में भी शानदार रहीं। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से बचाव किया और काउंटर-पंच भी लगाए। उनके बाएं जैब्स ने उन्हें दूसरा राउंड 5-0 से जीतने में मदद की। ओह ने प्रिया पर अटैक किया और हावी होने की कोशिश की, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने कुछ काउंटर-पंच लगाए और राउंड 3-2 से अपने पक्ष में करके मैच जीत लिया। प्रिया अब सोमवार को क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा से भिड़ेंगी और सेमीफाइनल में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। इससे पहले, कपिल ने पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में ईरान के सैम एस्ताकी को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया। कपिल सोमवार को क्वार्टर फाइनल (अंतिम आठ) मुकाबले में साउथ कोरिया के किम गिचे का सामना करेंगे। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमनी सिंह पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में फिलीपींस के कार्लो पालाम से हार गए।

ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद कोच रवींद्र ने कहा

'थाईलैंड में कबड्डी लोकप्रिय हो रही है'

तोकाई (जापान)। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने कहा कि एशियन गेम्स में देश का ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल वहां इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। 1990 में इस खेल की शुरुआत के बाद से महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का यह पहला पुरुष कबड्डी मेडल है। शुक्रवार को तोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में सेमीफाइनल में भारत से 28-66 से हारने के बाद थाईलैंड ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस नतीजे के साथ थाईलैंड का अभियान ऐतिहासिक पोडियम फिनिश के साथ खत्म हुआ और पुरुष कबड्डी में 36 साल बाद एशियन गेम्स में उनका पहला मेडल आया। रवींद्र पिछले तीन वर्षों से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहां बिल्कुल शुरुआत से काम शुरू किया था।

रवींद्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद शुरुआत की थी। उसके बाद मैंने काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं। अब, थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।'

भारतीय कंपाउंड और रिकर्व आर्चरी मिक्स्ड टीमें

सेमीफाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारत की कंपाउंड महिला और पुरुष मिक्स्ड टीमें रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में सेमीफाइनल में पहुंच गईं। चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को 159-154 से हराकर आखिरी चार में जगह बनाई। इस बीच, धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की रिकर्व जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया और बाद में क्वार्टर फाइनल में वियतनाम को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

कंपाउंड मिक्स्ड टीम मुकाबला भी अहम होगा। एलए28 में इस डिसिप्लिन का ऐतिहासिक ओलंपिक डेब्यू होने वाला है, ऐसे में एशियन गेम्स में एक कोटा जगह खाली है, जिससे कॉन्टिनेंटल सम्मान की लड़ाई में एक और रोमांच जुड़ गया है।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में कजाकिस्तान और भूटान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा को 233-230 से हराया।

कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेत्शे और टंडिन दोरजी को 235-232 से हराया।

कुल मिलाकर, एशियन गेम्स में एलए28 ओलंपिक गेम्स के लिए आठ कोटा जगहें खाली हैं।

अंकुश पुरुषों के 80 किग्रा, तो

परवीन महिलाओं के 65 किग्रा में सेमीफाइनल में पहुंचे, दो पदक पक्के

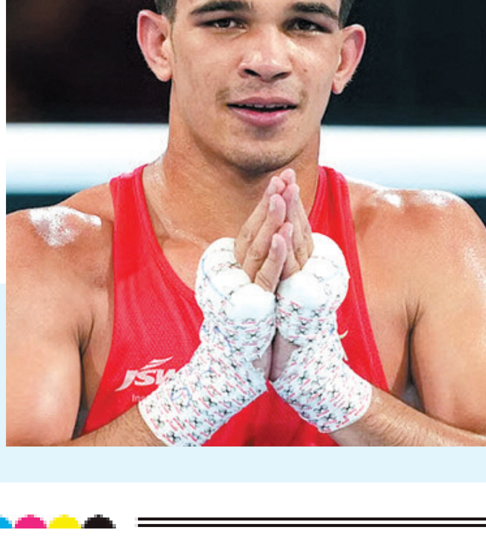

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय बॉक्सिंग के लिए रविवार का दिन शानदार रहा। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पंघाल और परवीन ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही भारत के दो और पदक पक्के हो गए हैं। अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव को 5-0 से हराया, जबकि महिलाओं के 65 किग्रा में परवीन ने उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को इसी अंतर से मात दी।

अंकुश ने 5-0 से दर्ज की शानदार जीत- निशियो जिमनैजियम में खेले गए मुकाबले में अंकुश ने शुरुआत से ही सलीमोव पर दबाव बनाए रखा। पहले दो राउंड में भारतीय मुक्केबाज ने अपनी गति, पंच और डिफेंस से मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। दोनों राउंड अंकुश ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से अपने नाम किए। पहले राउंड में उन्होंने राइट हुक और 1-2 पंच का अच्छा इस्तेमाल किया। दूसरे राउंड में अंकुश ने अपने लेफ्ट हुक और काउंटर पंच से ताजिक मुक्केबाज को परेशान किया। तीसरे राउंड में सलीमोव ने वापसी की कोशिश की और 4-1 से राउंड अपने नाम किया। वह नॉकडाउन की तलाश में आक्रामक हुए, लेकिन अंकुश ने अपना डिफेंस मजबूत रखा। शुरुआती दो राउंड की बढ़त के दम पर भारतीय मुक्केबाज ने 5-0 से मुकाबला जीत लिया।

परवीन ने भी 5-0 से पक्का किया पदक- अंकुश के बाद परवीन ने महिलाओं के 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीनों राउंड में भारतीय मुक्केबाज को सभी जजों का

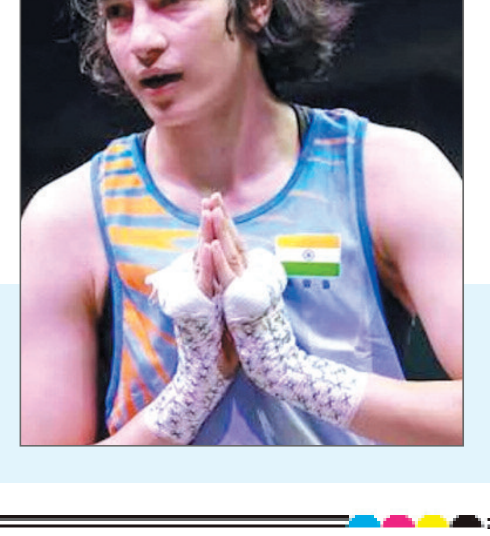

समर्थन मिला। परवीन की जीत के साथ ही भारत ने इस वर्ग में कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। अब उनकी नजर फाइनल में जगह बनाने और पदक का रंग बदलने पर होगी। बॉक्सिंग प्रतियोगिता के कार्यक्रम के मुताबिक अंकुश और परवीन दोनों के सेमीफाइनल मुकाबले 29 सितंबर को होने हैं।

सचिन और नरेंद्र से भी उम्मीद- भारत के लिए बॉक्सिंग में रविवार को दो और अहम मुकाबले बाकी हैं। सचिन सिवाच पुरुषों के 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जापान के शुनसुके कितामोटो के खिलाफ उतरेंगे। वहीं, पुरुषों के 90+ किग्रा वर्ग में नरेंद्र का सामना थाईलैंड के अदथापोंग सेंगटेप से होगा। दोनों मुकाबले जीतकर भारतीय मुक्केबाज पदकों की संख्या और बढ़ा सकते हैं।

कुराश में भारत को निराशा- कुराश में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान पदक के बिना समाप्त हुआ। विशाल पुरुषों के +90 किग्रा क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के कुनाथिप ये-ऑन से 0-5 से हार गए। संगीता बलहारा महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस की चार्मिया क्वेलिनो से 0-10 से हारीं। भारती को महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ईरान की ताहेरेह अजरपेइवांड ने हराया, जबकि यश कुमार चौहान पुरुषों के +90 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ताजिकिस्तान के शकरमामद मिरमामदोव से हार गए।